आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, सोमवार
16 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 189
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कैबिनेट मंत्रियों के साथ करेंगी 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन

झारखंड

झारखंड आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर सिमरिया में संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित सांसद विधायक हुए शामिल

हज़ारीबाग

पीटीसी चौक से पीडब्ल्यूडी चौक रोड शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी पथ के नाम से जाना जाएगा

पुणेः इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा, 30 लोगों के बह जाने की आशंका, 3 शव निकाले गए

पुणे, ब्यूरो। पुणे में रविवार (15 जून) की शाम बड़ा हादसा हो गया. इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा टूटकर गिर गया. जब ब्रिज गिरा, तब मौके पर कई लोग उसी पुल पर मौजूद थे. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि करीब 25 से 30 लोग नदी में बह गए हैं. वहीं, अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है.

दरअसल, पुणे के मावल में कुंड मॉल में पुल गिरने से कुछ पर्यटक डूब गए हैं. बताया जा रहा है कि यह घटना दोपहर करीब 3.30 बजे की है. पुल का जो हिस्सा गिरा, वहां पत्थर भी मौजूद थे. जो लोग पत्थर पर गिरे हैं, उन्हें गंभीर चोटें आई हैं. वहीं, कई लोग नदी की धारा में बह गए हैं.

कुंडमाला पार करने वाला पुल गिरा : पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय की तलेगांव दाभाड़े पुलिस मौके पर पहुंच गई है. कुंडमाला को पार करने के लिए एक पुल है, इस पार से उस पार जाने के लिए. यही पुल गिर गया है.

छुट्टी होने के कारण थी ज्यादा भीड़ : रविवार होने के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक वहां मौजूद थे. कुछ लोग पुल पर खड़े थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे. कितने लोग डूबे हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लगभग 20 से 25 लोग डूबे हैं. मौके पर करीब 200 पर्यटक मौजूद थे. हादसे के बाद सभी को मौके से हटाया गया है, ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई दिक्कत न आए.

बाइक लेकर पुल पर पहुंचे थे लोग : कई सारे बच्चे भी अपनी फैमिली के साथ छुट्टी मनाने इस ब्रिज पर पहुंचे थे. यहां एक मंदिर भी है, जहां दर्शन करने के लिए भारी संख्या में लोग आते हैं. फिलहाल, एनडीआरएफ की दो टीमों को मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हैं. बताया जा रहा है कि पहले से ही जर्जर हुए इस पुल पर कुछ लोग बाइक लेकर भी पहुंच गए थे. पुल ज्यादा भार सह नहीं पाया और टूट गया.

पहले भी हुई थी पुल की शिकायत : बताया जा रहा है कि पहले भी पुल की स्थिति खराब होने की शिकायतें प्रशासन के पास पहुंची थीं, लेकिन इसपर काम नहीं हुआ. पुल पर काफी जंग लगा हुआ था. सावधानी बरतने के लिए लगातार अनाउंसमेंट किए जा रहे थे. बीते कुछ दिन से पुणे में लगातार बारिश भी हो रही है, जिसकी वजह से इंद्रायणी नदी में बहाव तेज था.

22 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं : मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है. पर्यटकों को बचाने के लिए 20-22 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं. शाम का समय होने की वजह से बचाव कार्य में तेजी लाई जा रही है, क्योंकि अंधेरा होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन में बाधा आ सकती है. जिला मुख्यालय से कई टीमों को बचाव कार्य के लिए रवाना किया गया है. नदी के बहाव की दिशा में आगे के गांवों में भी लोगों को बचाने के लिए काम जारी है. रेस्क्यू के लिए बचाव वैन और फायर टेंडर नाव मौके पर पहुंच गई.

झारखंड में 27000 एकड़ से अधिक पर जमीन पर हो रही थी चोरी-छिपे ऐसी खेती

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड में अफीम के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। जिससे बेहतर परिणाम भी सामने आ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 2 वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष अफीम की बड़े पैमाने पर खेती को नष्ट किया गया है। राज्य को अफीम जैसे मादक पदार्थ की अवैध खेती से मुक्त करने की मुहिम में लगातार झारखंड पुलिस को सफलताएं भी मिल रही है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है।

राज्य में अफीम की अवैध खेती पिछले 20 वर्षों से की जाती रही हैं। इसके खिलाफ कार्रवाई भी हुई। लेकिन फिर से खेती होने लगी लेकिन अब झारखंड पुलिस इसके खिलाफ बड़ी महिम छेड़ चुकी है। राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता अफीम की खेती के खिलाफ नई स्ट्रेटजी के तहत कार्रवाई का खुलासा किया है।

नई स्ट्रेटजी के तहत झारखंड पुलिस ने अफीम के खिलाफ जो मुहिम छेड़ी है। उसके परिणाम भी अच्छे देखने को मिल रहे हैं। पिछले 2 साल की अपेक्षा 2024-25 में 27015.035 एकड़ में अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा 10 प्रभावित जिले है। जहां कार्रवाई तेज हुई है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य के 10 जिलों में जहां सबसे ज्यादा खेती होती थी। उसके खिलाफ कार्रवाई भी तेज हुई। चतरा जिले में वर्ष 2022-23 में 1822 एकड़ और वर्ष 2023- 24 में 1782.11 एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया था। जबकि वर्ष 2024 में 1566.46 एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

खूंटी जिले में वर्ष 2022-23 में 2272.82 एकड़ में 2023- 24 में 1873.95 एकड़ में जबकि 2024-25 में 15246.79 एकड़ में लगे खेती को नष्ट किया गया। लातेहार जिले में वर्ष 2022-23 में 186.63 एकड़ 2023-24 में 122 एकड़ जबकि 2024- 25 में 754 एकड़ में खेती नष्ट की गई।

रांची जिले में वर्ष 2022-23 में 977.9 एकड़ 2023- 24 में 637 एकड़ जबकि 2024- 25 में 6843.47 एकड़ में लगे अफीम को नष्ट किया गया। पलामू जिले में वर्ष 2022-23 में 38.75 एकड़ 2023-24 में 177.43 एकाड़ जबकि 2024- 25 में 604.12 एकड़ में खेती नष्ट की गई।

चाईबासा जिले में वर्ष 2022-23 में 35 एकड़, 2023-24 में 67.25 एकड़, जबकि वर्ष 2024-25 में 796.05 एकड़ में खेती नष्ट की गई। सरायकेला जिले में वर्ष 2022-23 में 31 एकड़ 2023- 24 में 28 एकड और 2024- 25 में 678.96 एकड़ में खेती नष्ट की गई।

हेमंत सरकार ने प्रमोशन प्रक्रिया को बनाया आसान

संवाददाता द्वारा

रांची। राज्य सरकार के पदाधिकारियों की प्रोन्नति अब निगरानी स्वच्छता प्रमाणपत्र के अभाव में लंबित नहीं रहेगी। अब पदाधिकारियों की प्रोन्नति के लिए संबंधित विभाग को यह प्रमाणपत्र ऑनलाइन समय पर मिलेगा। राज्य सरकार ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के तहत विजिलेंस क्लीयरेंस इन्फॉरमेशन सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत इसकी सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन होंगी। राज्य सरकार के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रोन्नति के लिए वार्षिक गोपनीय अभियुक्ति, विभागीय परीक्षा में उत्तीर्णता, विभागीय आरोप, संपत्ति विवरणी देने की स्थिति के साथ-साथ निगरानी स्वच्छता प्रमाणपत्र देखा जाता है।

पदाधिकारियों के मामले में निगरानी स्वच्छता प्रमाणपत्र मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग द्वारा दिया जाता है। इससे पूर्व संबंधित विभाग को प्रोन्नति के लिए योग्य पदाधिकारियों के पदस्थापन की विवरणी निर्धारित प्रारुप में तैयार करनी पड़ती है। इसमें अनावश्यक देरी होती है।

अब विजिलेंस क्लीयरेंस इन्फॉरमेशन

सिस्टम के तहत पदाधिकारी अपने पदस्थापन की विवरणी एचआरएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन अपडेट रखेंगे। विभाग का यह दायित्व होगा कि वह अपने पदाधिकारियों का पदस्थापन अपडेट रखवाएं। इस सिस्टम के तहत किसी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामलों के संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), तकनीकी मूल्यांकन कोषांग तथा मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग द्वारा ऑनलाइन सूचना अंकित की जाएगी।

इस सूचना के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों की सूची तैयार करते हुए ऑनलाइन निगरानी स्वच्छता प्रमाणपत्र जेनरेट किया जाएगा।

एसीबी तथा तकनीकी मूल्यांकन कोषांग द्वारा किसी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामले या निष्पादित मामलों को प्रत्येक माह को पांचवीं तारीख तक अपडेट किया जाएगा.

राजद कार्यालय में चुनावी हंगामाः नामांकन रद्द होने से बवाल, पुलिस पहुंची

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड में प्रदेश आरजेडी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर खूब विवाद हुआ। अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों का नामांकन स्क्रूटनी के दौरान रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही हुसैनाबाद से विधायक संजय सिंह यादव का एक बार फिर से अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया।

झारखंड राजद संगठन चुनाव 2025-2028 को लेकर रविवार को रांची के राजद कार्यालय में स्क्रूटनी हुई। राष्ट्रीय महासचिव रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष रहे सदाकत हुसैन का हंगामें के बीच नामांकन रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही एक संजय सिंह यादव के अध्यक्ष बनने का रास्ता क्लीयर हो गया। राज्य निर्वाची पदाधिकारी गिरधारी गोप ने बताया कि आज स्क्रूटनी के दौरान नामांकन प्रपत्र में प्रस्तावक के रूप में राज्य परिषद के सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं होने के आधार पर दो नामांकन प्रपत्र रद्द कर दिए गए। सिर्फ संजय कुमार सिंह यादव का नामांकन वैध पाया गया है। झारखंड राजद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में स्क्रूटनी के दौरान हंगामा के बाद पार्टी कार्यालय से बाहर निकलते हुए

अभय सिंह ने कहा कि नामांकन प्रपत्र में राज्य परिषद सदस्य का प्रस्तावक बनना जरूरी नहीं होता है। यहां मनमानी हुई है। नामांकन प्रपत्र में प्रस्तावक के रूप में राज्य परिषद के सदस्य का हस्ताक्षर नहीं होने पर राज्य निर्वाची पदाधिकारी ने जब सवाल उठाये तो उम्मीदवार अभय कुमार सिंह और उनके समर्थक अजीत कुमार मुकुल ने इसका जोरदार विरोध किया और हंगामा किया।इसके बाद राजद के झारखंड प्रदेश कार्यालय में सुरक्षा के लिए पुलिस बुलाई गई। झारखंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष के एक अन्य उम्मीदवार सदाकत हुसैन अंसारी ने भी नामांकन प्रपत्र को रद्द किए जाने को अवैध बताते हुए आलाकमान से शिकायत करने की बात कही है।

14 जून को झारखंड राजद प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन किए थे। इनमें से आज स्क्रूटनी के दौरान सिर्फ संजय सिंह यादव का नामांकन वैध पाया गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरधारी गोप ने स्क्रूटनी के दौरान अभय सिंह और सदाकत हुसैन अंसारी का नामांकन रद्द कर दिया गया। राजद संगठन चुनाव 2025-28 के लिए राज्य निर्वाची पदाधिकारी ने संजय सिंह यादव के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने का पत्र जारी किया गया। मीडिया के लिए जारी पत्र में लिखा है कि स्क्रूटनी में दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द हो जाने के बाद सिर्फ संजय सिंह यादव ही उम्मीदवार थे, इसलिए उनका निर्विरोध निर्वाचन प्रदेश अध्यक्ष पद पर हुआ है।

बिहार में ‘जमाई आयोग’ का हो गठन -तेजस्वी यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में महिला आयोग सहित अन्य आयोगों में हुई नियुक्तियों को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होने कहा कि मै मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से निवेदन करूंगा कि वो बिहार में जमाई आयोग का गठन कर दे। इसको लेकर भी उन्होने अपने तर्क दिये।तेजस्वी यादव ने कहा, ÷टायर्ड नहीं बल्कि रिटायर्ड अधिकारी बिहार चला रहे हैंज आप चढ़ावा चढ़ाइए और पोस्टिंग पाइएज जन प्रतिनिधियों की कोई सुनवाई नहीं होती हैज बिहार गरीब राज्य है, अधिकारी लूटकार खा रहे हैं और भ्रष्टाचार कर रहे हैंज श्चष्ठ और छ्व्रक्चछ्व भी सुस्त पड़ी हुई है अगर ईमानदारी से जांच हो जाए तो कोई नहीं बचने वाला है

तेजस्वी ने कहा कि मुख्य मंत्री जी से अपील करते है कि समर्पित जमाई आयोग का गठन किया जाए। रामविलास पासवान जी के दामाद को आयोग में जगह मिली है, मांझी जी के दामाद को आयोग में जगह मिली है, अशोक चौधरी के दामाद को जगह मिली है। महिला आयोग के सदस्य के रूप में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार की पत्नी की नियुक्ति पर तेजस्वी ने कहा कि ये तो छोड़िये डीके बॉस का जो हम कह रहे थे, महिला आयोग के सदस्य के रूप में उन्हे नियुक्ति किया गया है। उन्हे शिक्षाविद् के रूप में लिया गया है, क्या कोई और योग्य शिक्षाविद् नहीं मिला। मजेदार बात ये है कि उन्होने अपने पति का नाम छुपाने की कोशिश की है। पति की जगह पिता का नाम लिखा है।

नीतीश कुमार के प्रधान सचिव दीपक कुमार की पत्नी को बनाया गया महिला आयोग का सदस्य, नोटिफिकेशन में किया गया बड़ा खेल

मुख्यमंत्री जी अचेत है या उनसे करवा रहे है ये तो मुख्यमंत्री जी को जवाब देना चाहिए। जो दलित-अल्पसंख्यक विरोधी लोग है वहीं सचिवालय में कब्जा कर चुके है। बीजेपी के कार्यकर्ता इंतजार करते रह है कि हमारा नंबर कब आएगा, निष्ठावान कार्यकर्ता को जगह नहीं दी गई। प्रधानमंत्री जी यहां आकर परिवारवाद की बात करते है, यहां छुपाछुपाकर मलाई खिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों मिलकर बिहार में स्पेशल अरेंजमेंट कमीशन का गठन कर दें जिसमें फलना जी के बेटा को , फलना जी के दामाद, फलना जी के पत्नी को एडजस्ट वहां डाल दे, हमें परिवारवाद पर ज्ञान देते है और हो क्या रहा है इस सरकार में देख लीजिये। बिहार का मंत्रालय में भी बर्बाद कर दिया अब सचिवालय बर्बाद कर रहे है भूजा पार्टी के लोग।

लाखों रुपए के साथ दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, बैंक का रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदलकर करते थे ठगी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। रांची पुलिस ने झारखंड के चाईबासा में बैठकर साइबर ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से 2 लाख 57

हजार नकद बरामद किए गए हैं.

डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि 81 वर्षीय बुजुर्ग चुंडा पूर्ति के खाते से 3,26,278 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई थी. मामले को लेकर पीड़ित ने रांची के धुर्वा थाने में मामला दर्ज करवाया था.

बुजुर्ग ने बताया था कि 5 अप्रैल से लेकर 11 अप्रैल के बीच उनके दो बैंक खातों से 3,26,278 रुपये की अवैध निकासी की गई है. मामले की जांच में जब रांची पुलिस जुटी तो यह जानकारी मिली कि पीड़ित बुजुर्ग अपने गांव कुचीबेडा, पश्चिमी सिंहभूम स्थित जिस ग्राहक सेवा केंद्र से पैसा निकालते थे, उसी के संचालक प्रशांत खिलार और उसके भाई रुपेश खिलार ने ही एकसाथ मिलकर बुजुर्ग के दोनों बैंक के एटीएम कार्ड का पहले फोटो लिया और फिर बैंक से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर का पोर्ट कोर्ड लेकर दूसरे व्यक्ति के नाम से सिम को पोर्ट करा लिया. उसके बाद अपनी दुकान के एक मोबाइल फोन में सिम लगाकर पीड़ित बुजुर्ग का यूपीआई बना लिया. फिर उसी यूपीआई से बुजुर्ग के खाते से 3,26,278 रुपये की अवैध निकासी कर ली.

बीजेपी के एक बड़े नेता ने खोल दिया सारा राज, झारखंड विधानसभा चुनाव में क्यों हारी बीजेपी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड में विधानसभा का चुनाव हुए 6 महीने से अधिक का समय हो गया है. इस चुनाव में भाजपा को जीत की उम्मीद थी लेकिन सब कुछ गड़बड़ा गया. पार्टी ने वह गलती कि जिसकी कभी अपेक्षा नहीं की गई थी. कुछ ऐसे तत्व इस चुनाव में बीजेपी के खेमे में आ गए, उससे भाजपा की हार हो गई। यह खुलासा क्या है भारतीय जनता पार्टी के एक बड़े नेता ने. झारखंड में भारतीय जनता पार्टी चुनाव तो जीतना चाहती थी लेकिन हारे हुए मोहरों के साथ वह इस मैदान में उतरी थी. इसके अलावा पार्टी के रथ को खींचने वाला भी अलग खुमारी में जी रहा था. परिणामस्वरूप रथ और इसके सवारी दिशा भटक गए और परिणाम जीत की जगह हार में तब्दील हो गया. झारखंड

विधानसभा चुनाव में भाजपा सब कुछ करके हार गई. 2019 की तुलना में उसका प्रदर्शन और खराब हो गया. चुनाव का जिम्मा जिस व्यक्ति ने लिया वह मुद्दों को समझने में या तो विफल रहा या फिर दिग्भ्रमित हो गया. प्रदेश नेतृत्व भी चुपचाप कुर्सी के सपने देखने लगा जबकि दूसरी ओर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता हताश होते जा रहे थे. झारखंड में जिस प्रकार की स्थिति बनी,उसमें पार्टी के नेता और कार्यकर्ता चुनाव से अपने को एक तरह से अलग कर लिया. सिर्फ शरीर से खड़े रहे ऊपर के आदेश को समझते रहे और थोड़ा बहुत कुछ करके शांत पड़ गए.

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि चुनाव लड़ाने वाले जो सिपहसालार थे उन्होंने पूरी पार्टी को ही हाईजैक कर लिया था. अपने हिसाब से पार्टी के निर्णय लेने लगे. कुछ ऐसे तत्व उनके साथ जुड़ गए जो सार्वजनिक तौर पर पार्टी को नुकसान पहुंचाने लगे. अव्वल तो यहां के नेता चुपचाप सब कुछ आंख खोल कर भी ना देखने की कोशिश या दिखावा करने लगे.

चलिए मुद्दे पर आते हैं विधानसभा चुनाव का जो भी परिणाम आया पार्टी ने समीक्षा बैठक बुलाई दो दिनों की समीक्षा बैठक ताबड़तोड़ हुई पर आगे कुछ नहीं हो सका. आगे इसलिए कुछ नहीं हो सका क्योंकि जिन्होंने पार्टी की नैया डुबाई उन्हें ऊपर से ऊर्जा मिल रही थी. बातें सिर्फ फाइलों में सिमट कर रह गई या फिर फाइल के पन्ने ब्रह्मपुत्र की नदी में बहा दिए गए या फिर नर्मदा की धारा में छोड़ दिए गए,. हमने टटोलने का प्रयास किया कि आखिर भाजपा में हार की जिम्मेदारी किसकी है तो चीज कुछ भूले बिसरे रास्ते से सामने आने लगीं. झारखंड बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश से जब यह पूछा गया तो उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में चूक हुई है. पार्टी नेतृत्व से लेकर सभी प्रमुख लोग के जिम्मेदार हैं. राजनीतिक चूक हुई है. ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई.इस पर कोई जवाब नहीं मिला है. दीपक प्रकाश फिलहाल बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए काम कर रहे हैं. बिहार भाजपा के सह प्रभारी हैं।

इजरायल-ईरान संघर्ष पर एससीओ के बयान से भारत ने किया किनारा

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने इजरायल-ईरान संघर्ष के बारे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की ओर से जारी वक्तव्य से किनारा कर लिया है। भारत का कहना है कि इसपर पहले ही वे अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुका है। विदेश मंत्रालय ने वक्तव्य में कहा कि भारत ने अपनी स्थिति के बारे में अन्य एससीओ सदस्यों को सूचित कर दिया था। इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने एससीओ वक्तव्य पर हुई चर्चा में भाग नहीं लिया।

एससीओ की ओर से जारी वक्तव्य में इजरायल के हमले की निंदा की गई है। इसमें कहा गया है कि सदस्य देश मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और 13 जून को ईरान के क्षेत्र पर इजरायल द्वारा किए गए सैन्य हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति को 13 जून स्पष्ट कर दिया गया था और हम अब भी इसपर कायम हैं। हम आग्रह करते हैं कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति के माध्यमों का उपयोग किया जाना चाहिए और यह आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस दिशा में प्रयास करे। वक्तव्य में कहा गया है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कल अपने ईरानी समकक्ष के साथ इस मामले पर चर्चा की और घटनाक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी चिंता से अवगत कराया।

गाजा संघर्ष को लेकर विदेश नीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, खरगे ने पूछा- क्या हमने नैतिक कूटनीति छोड़ दी?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्ताव से भारत के दूरी बनाए रखने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खरगे ने पूछ कि क्या भारत ने अपने लंबे समय से चले आ रहे नैतिक और गुटनिरपेक्ष कूटनीति के सिद्धांतों को त्याग दिया है? उनका कहना है कि भारत हमेशा शांति, संवाद और न्याय का पक्षधर रहा है और पश्चिम एशिया में यही नीति उसकी पहचान रही है। उन्होंने यह भी कहा, 60 हजार से अधिक लोगों की मौत के बीच भारत का मूकदर्शक बने रहना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह उस नैतिक दायित्व से भी विमुख है जिसे भारत ने दशकों से निभाया है।÷ संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने मतदान से परहेज किया। खरगे के अनुसार, यह कदम भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर देता है। उन्होंने याद दिलाया कि 8 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस ने इज़राइल पर हमास के हमलों की कड़ी निंदा की थी। साथ ही, पार्टी ने 19 अक्टूबर को गाजा में तुरंत संघर्षविराम और मानवीय सहायता की मांग की थी।

सीआरपीएफ शिविर हमला : एनआईए ने 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमले के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ये आरोपी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के हैं और इनमें से 16 फरार हैं। एनआईए ने बताया कि कुल 17 आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी पहचान सोदी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है।जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाये गये हैं। हमलावरों ने शिविर से सुरक्षा बलों के हथियार और अन्य सामान लूटने का प्रयास किया था। धर्मावरम सीआरपीएफ शिविर पर हमले में 12 जवान घायल हो गये थे।एनआईए ने पिछले वर्ष नौ फरवरी को स्थानीय पुलिस से मामला अपने हाथ में लिया था और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के 21 नामजद और 250 से 300 अज्ञात सशस्त्र कैडरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

राहुल के जन्मदिन के मौके पर दिल्ली कांग्रेस करेगी रोजगार मेले का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर 19 जून को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मेगा जॉब फेयर आयोजित करेगी। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली कांग्रेस और युवा कांग्रेस मिलकर 19 जून तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन करेगी, जिसमें लगभग 100 प्रमुख कंपनियां 5000 से अधिक बेरोजगार युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण युवाओं में नशे की लत लगने और उनके मानसिक अवसाद में जाने को देखते हुये उन्हें इससे मुक्ति दिलाने के लिए यह कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लिपकार्ट, एयरटेल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, महिन्द्रा, अमेजन, जेप्टो, टाटा, सैमसंग, हीरो, बजाज, वोल्टास, जस्ट डायल, वोडाफोन, ब्लिंकिट और रेडिसन जैसी प्रमुख कंपनियां उन लगभग 100 कंपनियों में शामिल है।

योग अब वैश्विक स्वास्थ्य व शांति की दिशा में एक सशक्त आंदोलन बन चुका है: प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने योगा कनेक्ट- एक वैश्विक योग शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। विज्ञान भवन में आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, स्वामी रामदेव महाराज और स्वामी चिदानंद सरस्वती जी (परमार्थ निकेतन) उपस्थित रहे।

इस मौके पर आयुष मंत्री जाधव ने कहा कि जैसे-जैसे हम 21 जून, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की ओर अग्रसर हो रहे हैं, आइए हम सब मिलकर इस प्राचीन भारतीय परंपरा को पूरे विश्व तक पहुंचाने का संकल्प लें। योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का संदेश है। योग को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ आयुष विभाग ही नहीं बल्कि सभी मंत्रालयों के सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। योग सभी सीमाओं, उम्र, लिंग, आर्थिक स्थिति और धर्म से परे है और सिर्फ भारत या भारतीय उपमहाद्वीप तक

सीमित नहीं है, जो वास्तव में इस वर्ष के विषय को दर्शाता है। यह हर भारतीय की ज़िम्मेवारी है कि हम अपनी इस प्राचीन धरोहर को विश्व पटल पर और उजागर करें। कार्यक्रम की शुरुआत में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों ने दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पतंजलि योगपीठ क ेयोगगुरू बाब ारामदेव ने कहा कि सबसे पहला है योग अनुशासन, यानी शरीर का अनुशासन और मन का अनुशासन। योग में जीवन के हर पहलू को संबल और शक्ति प्रदान करने की क्षमता है।

योग केवल एक दिन का अभ्यास नहीं होना चाहिए। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर यह सुनिश्चित करें कि भारत के हर गांव से लोग आगे आएं और योग को केवल 21 जून को नहीं, बल्कि प्रतिदिन के जीवन में उतारें। योग दिवस 2025 हमारे स्वास्थ्य, संतुलन और भारत की विरासत के प्रति प्रतिबद्धता का सच्चा प्रतिबिंब बने। योग गुरु डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। योग केवल करने की नहीं, होने की प्रक्रिया है। यह कोई ऐसा कार्य नहीं है जिसे समय-समय पर किया जाए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन जाना चाहिए।

दिल्ली में नई आबकारी नीति जल्द - रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार प्रदेश में नई आबकारी नीति जल्द लागू करने वाली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह जानकारी दी। रेखा गुप्ता ने कहा कि नई नीति के तहत व्यवस्थापन व्यवस्था में सुधार के कई बिंदु शामिल किए जा रहे हैं, जिनमें शराब की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण, बिक्री प्रणाली का डिजिटलीकरण, अवैध बिक्री पर रोक और लाइसेंसिंग प्रक्रिया में पुष्टिकरण प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार की अध्यक्षता में एक समिति काम कर रही है, जिसमें सभी सिद्धांतों पर ध्यान दिया जा रहा है। नई आबकारी नीति का मुख्य उद्देश्य राजधानी के नागरिकों को गुणवत्ता वाली शराब उपलब्ध कराना, शराब की बिक्री एवं वितरण प्रणाली को सशक्त और आधुनिक बनाना है। सरकार यह सुनिश्चित करती है कि नीति का कोई भी पक्ष समाज के व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले और समाज के सामान्य सिद्धांतों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शांति से प्रतिकूल न हो। सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति यह नीति तैयार कर रही है। कई राज्यों की समितियां इसकी समीक्षा भी कर रही हैं ताकि शराब के उचित वितरण के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की पिछली सरकार की आबकारी नीति को भ्रष्ट बताया और उसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की आबकारी नीति भ्रष्टाचारपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और जनहित के खिलाफ थी। पूर्व की सरकार ने कुछ चुनिंदा निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए यह नीति बनाई थी। इससे सरकार को राजस्व हानि हुई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कैबिनेट मंत्रियों के साथ करेंगी 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राजधानी में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 15 सरकारी अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का भी उद्घाटन करेंगी, ताकि जनता के लिए सस्ती जेनेरिक दवाओं तक पहुंच बढ़ाई जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 33 में से एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का व्यक्तिगत रूप से उद्घाटन करेंगी, जबकि अन्य 6 का वर्चुअली अनावरण करेंगी। बाकी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का दिल्ली के कैबिनेट मंत्री उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में शामिल होने वाले 6 कैबिनेट मंत्रियों में स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, गृह एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद, समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और संस्कृति एवं कला मंत्री कपिल मिश्रा हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सभी 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 29 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 4 उप-केंद्र शामिल हैं। ये पहले से ही संचालित हैं और इन केंद्रों का अलग-अलग सरकारी विभाग प्रबंधन कर रहे हैं, जिनमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं।

दिल्ली में सरकार गठन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का ऐलान किया था। सरकार का लक्ष्य जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का एक व्यापक दायरा प्रदान करना है, जिनमें रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और देखभाल जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों की तुलना में ये केंद्र अधिक सेवाएं देंगे, जिनमें कैंसर की जांच, टीकाकरण और परिवार नियोजन पर खास फोकस रहेगा। हालांकि टीबी जांच के लिए एनएएटी मशीनें अभी लगाई जा रही हैं, तब तक वैकल्पिक तरीकों से टीबी जांच जारी रहेगी। दिल्ली सरकार ने अन्य राज्यों की तरह सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की बजाय इन केंद्रों पर एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति का निर्णय लिया, जिससे चिकित्सकीय गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

नालांबुर उपचुनाव: भाजपा बोली- तुष्टीकरण के लिए माकपा और कांग्रेस एक-दूसरे से कर रहीं प्रतिस्पर्धा

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के नीलांबुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए इस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल के एंटनी ने कहा कि कांग्रेस और माकपा इंडी गठबंधन में हैं। केरल में वे भाजपा को दूर रखने के लिए एक दिखावटी लड़ाई में हैं। माकपा और कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अनिल ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीलांबुर विधानसभा सीट वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। प्रियंका गांधी वहां से सांसद हैं। कांग्रेस अब खुलेआम वेलफेयर पार्टी का समर्थन ले रही है। यह वेलफेयर पार्टी जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक शाखा है, जो एक वैश्विक और इस्लामी संगठन है। यह दुनिया भर में बहुत सारे कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल है। माकपा भी इससे बेहतर नहीं है। कांग्रेस और माकपा दोनों ही कट्टरपंथी तत्वों से मदद ले रहे हैं। इस्तीफे के कारण हो रहा है। शुरुआत में वाम समर्थित निर्दलीय विधायक रहे अनवर का माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा

उल्लेखनीय है कि नीलांबुर उपचुनाव 19 जून को होगा। परिणाम 23 जून को घोषित किए जाएंगे। इस सीट पर उपचुनाव निर्दलीय विधायक पीवी अनवर के सरकार से मतभेद हो गया था, जिसके कारण राज्य में हाई वोल्टेज राजनीतिक ड्रामा हुआ था। उन्होंने 13 जनवरी को इस्तीफा दे दिया था।

मान सरकार की 'लैंड पूलिंग योजना' असंवैधानिक और किसान व पंजाब विरोधी : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर जोरदार हमला बोला। चुघ ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लाई गई लैंड पूलिंग योजना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने की साजिश है। चुघ ने इस योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। चुघ ने बताया कि उन्होंने लुधियाना पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान 37 गांवों के किसानों से मुलाकात की थी जिनकी 24,000 एकड़ से अधिक ज़मीन इस योजना के तहत लाई गई है। चुघ ने एक बयान में कहा कि यह योजना किसानों को मुआवज़ा देने के बजाय उनकी जमीन का एक छोटा हिस्सा लौटाकर उन्हें बाज़ार की दया पर छोड़ देती है। यह योजना नहीं, बल्कि किसानों की ज़मीन हड़पने की एक

सोची-समझी साजिश है। यह पंजाब के किसानों के साथ अन्याय है और पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत से अधिक भूमि पहले से ही बिना बिके पड़ी है, जो राज्य सरकार की नाकामी और कुप्रबंधन का प्रमाण है। जब पिछली शहरी योजनाएं असफल रही हैं तो यह योजना 80 प्रतिशत से अधिक छोटे ज़मीन मालिक किसानों के लिए कैसे लाभकारी साबित होगी? चुघ ने कहा कि मान सरकार के पास किसानों के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने 2022 के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज़ माफ़ी और एमएसपी पर टॉप-अप का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी किसान का कर्ज़ माफ़ नहीं हुआ, न ही किसी फसल पर कोई अतिरिक्त राशि दी गई। चुघ ने आरोप लगाया कि मान सरकार पंजाब के किसानों की चिंता करने के बजाय केजरीवाल और उनके जमानत पर छूटे नेताओं की मेहमाननवाज़ी में व्यस्त है।

इग्नू ने लॉन्च किया एमएससी होम साइंस प्रोग्राम

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने एमएससी होम साइंस- कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की है। इग्नू का यह गृह विज्ञान में पहला मास्टर कार्यक्रम है। इग्नू के अनुसार, यह प्रोग्राम होम साइंस और अन्य विषयों के ग्रेजुएट्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो समुदाय विकास परियोजनाओं में काम करना चाहते हैं। इस प्रोग्राम के लिए किसी भी विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है। प्रोग्राम की फीस 7000 रुपये प्रति वर्ष है, जिसमें पंजीकरण शुल्क और विकास शुल्क शामिल है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को समुदाय विकास और एक्सटेंशन मैनेजमेंट में कौशल प्रदान करना है ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में योगदान कर सकें। प्रोग्राम के माध्यम से छात्र समुदाय विकास कार्यक्रमों की योजना, विकास और कार्यान्वयन में सक्षम होंगे। इस प्रोग्राम के बाद छात्र सरकारी, अंतर-सरकारी,

बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में कार्यक्रम, प्रोजेक्ट अधिकारी, एनजीओ, सीएसआर फाउंडेशन, कॉर्पोरेशन और सामाजिक उद्यमों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अकादमिक, शोधकर्ता, स्कूलों में पीजीटी और कौशल विकास में अधिकारी के रूप में भी करियर बना सकते हैं।

437 करोड़ के विकास कार्यों और रिडेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में शहर के विकास और नीतिगत सुधारों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सेक्टर-145 में 122 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, नाला, सीवर और बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। साथ ही, 315 करोड़ रुपये के निवेश से 220 केवीए क्षमता वाले तीन ट्रांसमिशन उपकेंद्रों के निर्माण को हरी झंडी दिखाई गई।

बोर्ड ने जर्जर सोसाइटियों के पुनर्विकास के लिए रिडेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी। इसके तहत प्राधिकरण की पुरानी और जीर्ण-शीर्ण सोसाइटियों को तोड़कर 3.5 एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) के साथ नए सिरे से बनाया जाएगा, जो पहले 1.5 एफएआर पर बनी थी। इस प्रक्रिया में 70 प्रतिशत निवासियों की सहमति अनिवार्य होगी। डेवलपर पहले से बने फ्लैट्स दोबारा बनाकर निवासियों को सौंपेगा और शेष फ्लैट्स बेचकर अपनी लागत वसूल करेगा।

होटल निर्माण के लिए पीपीपी मॉडल के तहत दो प्लॉट्स (एक बड़ा, एक छोटा) निकालने का फैसला हुआ। इनका आवंटन ओपन बिड के जरिए होगा, जिसमें अधिक राजस्व देने वाले समूह को

प्राथमिकता मिलेगी। मिक्स लैंड यूज शुल्क को पांच गुना करने का प्रस्ताव फिलहाल रोक दिया गया। छह श्रेणियों की प्लॉट स्कीम के ब्रोशर को मंजूरी दी गई, जो जल्द लॉन्च होगी। आईटी और कॉर्पोरेट ऑफिस के लिए 500 वर्ग मीटर से कम जगह को किराये पर देने की अनुमति दी गई। यूनिफाइड पॉलिसी में संशोधन करते हुए छोटे वाणिज्यिक प्लॉट्स और दुकानों के लिए कैपिटल कॉस्ट की शर्त को हटा दिया गया। सेक्टर-164 में मोबाइल और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के लिए छह बड़े प्लॉट्स आरक्षित किए गए। इसके अलावा, अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर आधारित जीरो पीरियड पॉलिसी की स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और फ्लैट रजिस्ट्री प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। ये निर्णय नोएडा में बुनियादी ढांचे, आवासीय सुविधाओं और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे।

मनोहर लाल से अंबाला-चण्डीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने केन्द्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान विज ने केन्द्रीय मंत्री से अंबाला से चण्डीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन का आग्रह किया। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विज ने कहा कि चण्डीगढ़ में यूटी प्रशासन है और पंजाब व हरियाणा की राजधानी भी है। इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने इस विषय पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।उन्होंने कहा कि अंबाला-चंडीगढ़ सड़क पर अब यातायात बहुत ज्यादा हो गया है। चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश होने के साथ-साथ हरियाणा व पंजाब की

राजधानी भी है जहां से सैकड़ों लोग रोज आते-जाते हैं। उन्होंने बताया कि सड़क के अलावा अन्य वैकल्पिक आवागमन सुविधा भी यात्रियों के लिए होनी चाहिए। इसलिए लोगों की सुविधा के लिए इस क्षेत्र में मेट्रो रेल सेवा की बहुत जरूरत है।

ई-विधान पारदर्शी विधानसभा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम: रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखना तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

श्री रिजिजू ने विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली विधानसभा में ई-विधान (पेपरलेस विधानसभा) परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर श्री रिजिजू ने कहा, ÷ दिल्ली विधानसभा में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखना तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। देश के कई राज्यों ने पहले ही इस प्रणाली को सफलतापूर्वक अपनाया है और अब दिल्ली का इस राष्ट्रीय पहल से जुड़ना उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल काग़ज़ रहित व्यवस्था की बात नहीं करती, बल्कि विधायी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में ई-विधान प्रणाली पहले ही सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है और अब दिल्ली भी इस दिशा में गंभीर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की विशेष प्रशासनिक संरचना को देखते हुए यह डिजिटल परिवर्तन विशेष महत्व रखता है। यह परियोजना केवल कागज़ रहित प्रक्रिया नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इसे विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने बताया कि यह परियोजना राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है, जिससे विधानसभा की कार्यवाही डिजिटली संचालित होगी और विधायकों को कार्य से जुड़ी सूचनायें रियल टाइम में डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली ऐसी विधानसभा बनने की दिशा में अग्रसर है, जो पूर्णतः नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित होगी। इसके लिए 500 किलोवॉट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जा रही है। साथ ही, पारंपरिक पुस्तकालय को एक आधुनिक ई-लाइब्रेरी में परिवर्तित करने और मानसून सत्र से पूर्व विधान सभा के सदन का नवीनीकरण का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ई-विधान परियोजना न केवल विधायी कार्यों को आधुनिक और पारदर्शी बनायेगी, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी के क्षेत्र में भी एक सशक्त पहल है। उन्होंने कहा कि पेपरलेस प्रणाली की ओर यह परिवर्तन न केवल विधान प्रक्रिया को अधिक कुशल बनायेगा, बल्कि राजधानी में डिजिटल गवर्नेंस का एक नया मानक भी स्थापित करेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, ÷यह परियोजना दिल्ली विधानसभा को एक तकनीकी रूप से सशक्त और पारदर्शी संस्थान में परिवर्तित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

मिलने वाली है गर्मी से राहत : दिल्ली में पांच दिन बरसेंगे बदरा, चलेगी तेज हवा

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी के लोगों को भीषण गर्मी से जल्द राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने दिल्ली के कई इलाकों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलने और बौछारें पड़ने की चेतावनी दी है। आंधी के दौरान हवा की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक देखी जा सकती है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40 और 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। ऐसे में दो दिन आंधी और बारिश वाला मौसम रह सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में इन दो तारीखों पर ही नहीं पूरे हफ्ते हल्की बारिश या बूंदाबंदी वाला मौसम रह सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली के साथ ही एनसीआर में 16 से 20 जून तक तेज हवाओं और गरज चमक के साथ ही हल्की से लेकर मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 14 और 15 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 16, 18, 19 और 20 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। वहीं, 17 से लेकर 20 जून के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान हैं। शनिवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ बना है।कई इलाकों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिन के समय खासी चुभन भरी गर्मी महसूस की गई। दिनभर आसमान साफ रहने व तेज धूप निकलने के कारण लोगों का हाल बेहाल रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 1.6 अधिक के साथ 29.6 डिग्री दर्ज हुआ। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का न्यूनतम स्तर 43 फीसदी रहा।आया नगर में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में 42.0, रिज में 41.9 और लोधी रोड में 41.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अवसर संस्था ने हजारीबाग के विभिन्न क्षेत्रों के 1001 महिलाओं को किया सम्मानित

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रविवार को हजारीबाग नगर भवन में स्वयंसेवी संस्था अवसर की ओर से महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बता दें कि यह कार्यक्रम 2015 से प्रत्येक वर्ष आयोजित महिला सम्मान समारोह का एक कड़ी है। इस कार्यक्रम में हजारीबाग के विभिन्न पंचायतों से आए 1001 महिलाओं को शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एडिशनल पीसीसीएफ झारखंड के रविरंजन, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उपायुक्त कमलेश्वर प्रसाद सिंह, पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार समाजसेवी विवेकानंद सिंह, समाजसेवी प्रेम विकास , पाणिनी आईएएस एकेडमी के डॉ प्रकाश कुमार, डॉ पुरुषोत्तम कुमार सिंह, गुरुकुल के निदेशक जय प्रकाश जैन, गिरिडीह के समाजसेवी संत कुमार देव उपस्थित रहें।
मुख्य अतिथि रवि रंजन ने इस मौके पर कहा कि आज के इस वर्तमान दौर में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता है?। मैं महिलाओं से आग्रह करता हूं कि वे लघु और कुटीर उद्योग के माध्यम से अपने आय को बढ़ाएं, जिससे आपका जीवन स्तर में सुधार आएगा। इस अवसर पर पूर्व उपायुक्त कमलेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम का आयोजन समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैं अवसर संस्था के साथ ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों में सदैव जुड़ा रहूंगा। पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार ने कहा कि महिलाएं समाज में परिवर्तन ला सकती हैं। महिलाएं आज के युवा पीढ़ी को नशा और अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर कर सकती हैं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवसर संस्था के सचिव विकास कृष्णा गहलोत ने कहा कि हमारी संस्था अनवरत ऐसे कई सामाजिक विकास से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसका सीधा लाभ हजारीबाग के महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के उत्थान को समर्पित होता है। भविष्य में मेरी संस्था ऐसे ही सामाजिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। मंच संचालन श्री गगन कुमार ने किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अवसर संस्था के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिनमें अवसर की अध्यक्ष सविता, कोषाध्यक्ष सुषमा कुमारी, किरण देवी अंजली कुमारी, रेखा, संगम यादव, जितेंद्र, विनोद, श्रवण, दुलारचंद, रवि, मुकेश, महेश, सूरज प्रमुख रहे।

वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता कामरेड नाडु साहू का निधन, लाल झंडा फहराकर दी गई श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड नाडु साहू का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे ग्राम खुटरा के निवासी थे और वर्ष 1969 से पार्टी के सक्रिय सदस्य रहे। कामरेड साहू जीवन भर वामपंथी विचारधारा और जनसंघर्षों के प्रति समर्पित रहे। वे पार्टी के प्रत्येक छोटे-बड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे और जनसरोकार के मुद्दों को लगातार उठाते रहे। उनकी मृत्यु पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता ने गहरा शोक व्यक्त किया। शोक सभा में हजारीबाग के पूर्व सांसद एवं भाकपा के वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सीपीआई जिला सहसचिव निजाम अंसारी, सीपीआई नेता मोहम्मद इम्तियाज, पंचायत समिति सदस्य प्रदीप मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने कामरेड नाडु साहू के पार्थिव शरीर के पास लाल झंडा फहराकर और फूल मालाएं अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। उपस्थित लोगों ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन और विचारों को याद करते हुए उन्हें लाल सलाम अर्पित किया।
कामरेड साहू के निधन को वामपंथी आंदोलन के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। पार्टी ने उनके योगदान को चिरस्मरणीय बताते हुए उनके सपनों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

एनटीपीसी कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत लघु अवधि पाठ्यक्रमों का उद्घाटन

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। एनटीपीसी आईटीआई पीबीसीएमपी के प्रतिष्ठित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों के 30 परियोजना प्रभावित अकुशल श्रमिकों के लिए लघु अवधि पाठ्यक्रमों का एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एनटीपीसी (इन्फ्रा) के महाप्रबंधक संजय कुमार दुबे द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कमला राम रजक वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) एनटीपीसी तथा मंजूनाथ महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी), त्रिवेणी सैनिक माइ?निंग प्राइवेट लिमिटेड के विशिष्ट अतिथि के रूप में चंचल सिंहा सीनियर मैनेजर, गौतम मिश्रा पीआरओ, पारस कुमार सीनियर ऑफिसर, साहब मलिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनटीपीसी आईटीआई प्राचार्य मिथलेश उपाध्याय ने की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री दुबे दुबे ने प्रशिक्षुओं को मेहनत से सीखने और प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल उनके करियर को दिशा देगा, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों द्वारा सभी 30 श्रमिकों को प्रशिक्षण किट एवं सुरक्षा किट का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य मिथलेश उपाध्याय ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और एनटीपीसी मैती के द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यों की जानकारी साझा की।
कार्यक्रम का संचालन एनटीपीसी मैती के छात्र डब्लू कुमार पासवान, अर्पिता और ईशा ने उत्साहपूर्वक किया।

बिजली की आंख- मिचौली से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता कर रही है त्राहिमाम

- सांसद मनीष जायसवाल ने लिया निर्णय, सोमवार को बिजली विभाग में होगा हल्ला बोल, स्थिति सुधारने तक प्रदर्शन रहेगा जारी
- हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता से सांसद ने किया अपील, कहा अंधेरे से बाहर लाने के इस जनआंदोलन में बनें सहभागी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में बिजली की आंख- मिचौली से परेशान व त्रस्त हजारीबाग और रामगढ़ जिला वासियों के दर्द को महसूस करते हुए बिजली की स्थिति में सुधार को लेकर लगातार प्रयासरत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने एक सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की लगातार बदहाल स्थिति, विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और झारखंड की गठबंधन सरकार के कुशासन के विरुद्ध उन्होंने जन आंदोलन का रुख इख्तियार किया है। सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जन- भावना के अनुरूप हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र में बिजली संकट से त्रस्त जनता, लालटेन युग में पूरे क्षेत्र को धकेला जाना, जनता की अनदेखी और बिजली विभाग के अफसरों की अकर्मण्यता, जनप्रतिनिधियों की चेतावनी के बावजूद विभागीय घोर उदासीनता के मुद्दे को लेकर 16 जून 2025 (दिन- सोमवार) को प्रातः 11:00 बजे से हजारीबाग शहर के जुलू पार्क स्थित बिजली विभाग के महाप्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता कार्यालय के समक्ष हल्ला बोल कार्यक्रम के जरिए हजारों लोगों के साथ प्रचंड विरोध प्रदर्शन व घेराव का निर्णय लिया है।

इस बाबत सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में पिछले करीब एक पखवाड़े से बिजली की जो समस्या है ऐसा लग रहा है जैसे हमलोग को लालटेन युग में पहुंचा दिया गया है। इस प्रचंड गर्मी में महज़ दो- चार घंटे भी बिजली सही से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। शहर में थोड़ा तो राहत है भी लेकिन ग्रामीण इलाके में बिजली की आंख- मिचौली और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमलोग लगातार लगे हुए थे कि बिजली में सुधार हो। लेकिन रोज विभागीय अधिकारियों के द्वारा कमिटमेंट करने के बाद थोड़ा सा भी सुधार नहीं हो पाया है जिसे लेकर हमने हजारीबाग लोकसभा वासियों के मनोभावना के अनुरूप उनके संग निर्णय लिया है कि की सोमवार को हजारीबाग बिजली विभाग के जीएम ऑफिस का घेराव करेंगे और जब तक बिजली की स्थिति सुधार नहीं जाय तब तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्हें हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि आइए हजारीबाग और रामगढ़ को अंधेरे से बाहर लाने की जन- आंदोलन में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि बिजली नहीं होने से पानी सप्लाई भी प्रभावित हो रहा है।
उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को सांसद मनीष जायसवाल सदर विधायक प्रदीप प्रसाद और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता के साथ बिजली विभाग के एसी कार्यालय पहुंचे थे जहां एससी अशोक कुमार उपाध्याय सहित अन्य संबंधित विभाग या अधिकारियों से क्षेत्र की बदहाल बिजली व्यवस्था पर चर्चा करने के बाद उन्होंने 24 घंटे में बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके बिजली में सुधार नहीं होने पर उन्होंने शनिवार को धरने का घोषणा किया था लेकिन हैदराबाद में हुए प्लेन क्रेस के शोक में इसे स्थगित किया गया था। अब स्थिति में सुधार नहीं होने पर 16 जून को क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती और बिजली की को व्यवस्था के खिलाफ विभाग में हल्ला बोल कार्यक्रम के साथ प्रचंड विरोध और धरना का घोषणा किया गया है। इधर सांसद मनीष जायसवाल के इस जनहित के पहल को पूरे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाके से पुरजोर समर्थन मिल रहा है।

सड़क पर मौत बनकर दौड़ रहे हाइवा, तेज रफ्तार दुर्घटना का बन रहा कारण

संवादाता चरही
चरही। एक ओर जहां सीसीएल कोयला उत्पादन व ढुलाई कर हर साल कीर्तिमान हासिल कर रहा है। ट्रांसपोर्टर मालामाल हो रहे है। वहीं दूसरी ओर हाइवा की चपेट में आने से आए दिन लोगों की जान जा रही है। चरही-घाटों मुख्य मार्ग से कोयले की ढुलाई की जा रही है। कोयले की ढुलाई तापिन साउथ और तापिन नॉर्थ परियोजना में कार्यरत ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों द्वारा की जा रही है। हाइवा चालको की लापरवाही से आए दिन दुर्घटना हो रही है। तापिन साउथ व तापिन नॉर्थ कोल परियोजना से हर रोज सैकड़ों वाहनों से कोयले की ढुलाई की जाती है। शाम ढलते ही सड़कों पर हाइवा का कब्जा हो जाता है। हाइवा की तेज गति एवं ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक सवार व अन्य छोटे वाहनों को चपेट में ले लेते हैं, जिससे लोगों की जान जा रही है। उक्त पथ में कई जगहों पर घनी आबादी है, जहां हमेशा भीड़भाड़ लगी रहती है। हाइवा के चलने से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। चालक वाहनों को तेज गति से ले जाते हैं। जिला परिवहन विभाग द्वारा जांच

नहीं की जाती हैं। जिन्हें गाड़ी चलाने का अनुभव नहीं है, वे भी वाहन चलाते देखे जाते हैं। ट्रांसपोर्टर वाहन चालक के लाइसेंस का बिना जांच पड़ताल किए रख लेता है और वाहन चालकों पर अधिक से अधिक कोयला ढुलाई का दबाव बनाते हैं। ऐसे में लापरवाह ट्रांसपोर्टरों पर कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

बिना ड्राइविंग लाइसेंस के धड़ल्ले से चला रहे हाइवा

तापिन साउथ और नॉर्थ परियोजना में हाइवा चालक का कोई मानक नहीं है। इतना ही नहीं इन वाहनों के चलाने वालों की नियमित जांच-पड़ताल भी नहीं होती है। कुछ बिना लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं तो कुछ बिना परमिट के।
कोल परियोजना में काम करने वाले ड्राइवरों के पास ड्राइविंग लाइसेंस न होने की खबर गंभीर चिंता का विषय है। यह न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि इससे सुरक्षा संबंधी खतरे भी पैदा होते हैं। बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाना एक अपराध है। ड्राइविंग लाइसेंस न होने का मतलब है कि ड्राइवर ने सड़क पर गाड़ी चलाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान हासिल नहीं किया है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, खासकर कोल परियोजना जैसे खतरनाक वातावरण में।
कोल परियोजना में बिना लाइसेंस वाले ड्राइवरों को काम पर रखना एक गंभीर समस्या है। इस समस्या को तत्काल हल करने की आवश्यकता है ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और कानूनी आवश्यकताओं का पालन किया जा सके।

ड्राइविंग लाइसेंस और ओवर स्पीड को लेकर, क्या कहते है अधिकारी

तापिन नॉर्थ परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि नियमित रूप से कागजात का जांच पड़ताल किया जाता है। बावजूद इसके कोई नियम का उल्लंघन करता है तो उसपर करवाई की जाएगी। वहीं मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर विजय गौतम ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु सड़क किनारे कई जगहों पर गति सीमा का बोर्ड लगाया गया है। वहीं बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन परिचालन पर सख्त दिखाई दिए। उन्होंने कहा उक्त पथ पर जल्द ही वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा। और नियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीटीसी चौक से पीडब्ल्यूडी चौक रोड शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी पथ के नाम से जाना जाएगा

- सड़क का नामकरण झारखंड के नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के द्वारा किया गया
- इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी रहे मौजूद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के पीटीसी चौक से पीडब्ल्यूडी चौक सड़क 15 जून से शहीद कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी पथ के नाम से जाना जाएगा। 15 जून को इस मार्ग के नामकरण की सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई। इस नामकरण कार्यक्रम का शिलान्यास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के द्वारा किया गया। मंत्री ने कहा कि शहीद के सम्मान में यह एक छोटी सी श्रद्धांजलि है। हमें अपने शहीदों के बलिदान पर गर्व है। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने आगे कहा कि शहीदों को याद रखना समाज की जिम्मेवारी है। इस कार्यक्रम में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद,शहीद कैप्टन करमजीत सिंह का पूरा परिवार और बड़ी संख्या में समाज के लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।
गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास 12 फरवरी को हुए एक आईईडी विस्फोट में सेना के कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी शहीद हो गए थे। शहीद करमजीत सिंह बक्शी हजारीबाग के जुलू पार्क के रहने वाले थे। वे अजिनदर सिंह बक्शी और नीलू बक्शी के एकलौते पुत्र थे। सड़क का नामकरण शहीद जवान के नाम पर होने से यह राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव तथा देशवासियों को प्रेरणा देगी।

मंत्री को सौंपा ज्ञापन, करवाई की माँग

- विश्वविद्यालय के कार्य से अलग चल रहे हैं कुलपतिः चंदन सिंह
- उच्च शिक्षा विभाग के माननीय मंत्री को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमिताओं के संबंध में सौंपा ज्ञापन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा का छात्र संगठन विश्वविद्यालय के हितों के लिए निरंतर कार्य करता रहा है।ज्ञात हो की विश्वविद्यालय हित और छात्र हितों को लेकर पिछले कुछ दिनों में चंदन सिंह को कई पत्र लिखे गए।पत्र के माध्यम से छात्र मोर्चा ने विश्वविद्यालय में निम्न समस्याओं के प्रति मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। एलएलएम में नामांकन की प्रक्रिया को अविलंब चालू किया जाए जिससे अप्रत्यक्ष रूप से प्राइवेट संस्थानों को पहुंचाया जा रहा फायदा बंद हो, पूर्व कुलपति के कार्यकाल की झारखंड सरकार के अंकेक्षण विभाग से की गई जाँच पर आई रिपोर्ट पर कार्यवाही सुनिश्चित हो, चन्द्रशेखर सिंह और मिथलेश सिंह पर बनी जाँच कमिटी पर कारवाई सुनिश्चित हो, चतरा महाविद्यालय में

हुए युवा महोत्सव में हुए लाखों के घोटाले पर बनी जाँच कमिटी के अनुसार कारवाई सुनिश्चित हो, कुलसचिव के द्वारा अतिथि भवन को भाड़े पर लगाये जाने के मामले में कारवाई सुनिश्चित हो, सुरक्षा एजेंसि के निकाले गए टेंडर, जो की राजभवन के द्वारा महीनों पूर्व दिए आदेश के बाद भी नहीं निकाला जाना आपके कार्य शैली पर भी प्रश्न खड़े करता है।इसे अविलंब निकाला जाए, विश्वविद्यालय में कैंटीन, छात्रावास, वाई-फाई, स्वास्थ केन्द्र और पेय जल हेतु बने पियाऊ को अविलंब चालू किया जाए।
पत्र में चंदन सिंह ने बताया कि कुलपति के द्वारा उक्त मामलों को कोई कारवाई नही की गई,वहीं कुलपति के द्वारा हमारे छात्र संगठन के नेताओं से मिलने से भी मना कर दिया जा रहा है।इन सभी मामलों से यह स्पष्ट है की कुलपति महोदय किसी खास संगठन के प्रति अपना झुकाव रखते हैं और सरकार के दिए निर्देशों का पालन नहीं करते।
इन सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए इस संबंध में कारवाई करने का माँग चंदन सिंह ने माननीय मंत्री से किया है।

कोयलांचल में बढ़ रही है नशा करने वालों की संख्या

- युवा लोगों के द्वारा किया जाता है विभिन्न तरह के नशीले पदार्थों का सेवन

संवादाता चरही
चरही। एक ओर नशा मुक्ति अभियान सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। बीते 10जून से आगामी 26जून तक सरकार द्वारा राज्य में सभी जिलों में नशा मुक्ति अभियान को लेकर जिलों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता प्रचार वाहनों को भी रवाना किया जा रहा है, जो सभी जिलों में जाकर लोगों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करेगा। लेकिन इसके उलट चरही का कोयलांचल क्षेत्र नशे की गिरफ्त में लगातार धसता चला जा रहा है। पहले जो नशा करने वाले लोग थे वो छुप छुपा के करते थे लेकिन अब तो खुले आम क्षेत्र के चौक में कई तरह के नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करते हुए दिखते हैं। इन सब में सबसे बड़ी बात यह है कि ये सब अभी कुछ दिनों में ज्यादा तेजी से फैला है। विशेषकर इंद्रा और बहेरा पंचायत से कई समाजसेवियों ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी नशे के नर्क में चली जा रही है।
सरकार जहां संकल्प लिए बैठी है कि राज्य को नशा मुक्त बनाना है। वहीं कुछ नशे के सौदागर समाज के नई पीढ़ियों को नशे के नर्क में धकेल रहे हैं। इस संबंध में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अशोक राम से बात करने पर उन्होंने कहा कि सरकार इस सम्बन्ध में हर तरह से आम लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि हमलोगों के द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि लोग नशे से दूर हों नशे का दुष्प्रभाव काफी खतरनाक होता है। उन्होंने आम लोगों से भी इस चीज में सहयोग करने की अपील की और कहा कि लोगों को चाहिए कि प्रशासन और सरकार का सहयोग करें। डॉ अशोक राम का कहना है कि नशा ऐसा चीज़ है जो वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी दोनों को प्रभावित करता है इसलिए समाज में खुद से भी जागरूक होने की आवश्यकता है।

हजारीबाग में झारखंड एजुकेशन कॉन्क्लेव 2025 का भव्य आयोजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हुआ मंथन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। ग्रामीण शिक्षा को मजबूती देने और शिक्षकों को नई दिशा देने के उद्देश्य से झारखंड एजुकेशन कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन एडुमंथन और स्वामी विवेकानंद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स (SVGOI) के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को होटल अरन्या विहार, शीतल कुंज, हजारीबाग में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद पाठक, पूर्व डीन, IIT(ISM) धनबाद, विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) बिमल कुमार मिश्रा, प्राचार्य, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, विशाल गर्ग, डायरेक्टर

एडमिनिस्ट्रेशन SVGOI, अंकुर गिल, डायरेक्टर SVGOI और सुजीत कुमार, सीईओ - एडुमंथन ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस शैक्षणिक सम्मेलन में झारखंड के विभिन्न जिलों से 150 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था–ग्रामीण अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्त बनाना और शिक्षकों को नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान करना। मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद पाठक ने अपने संबोधन में कहा, ÷शिक्षा का असली मकसद गाँव के अंतिम बच्चे तक रोशनी पहुँचाना है। शिक्षक यदि ठान लें, तो समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है। विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) बिमल कुमार मिश्रा ने कहा, इस तरह के कॉन्क्लेव शिक्षकों को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाया जा सकता है। SVGOI के निदेशक अंकुर गिल ने शिक्षकों की भूमिका को सबसे बड़ी जिम्मेदारी करार देते हुए कहा, ÷हमें केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि छात्रों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना चाहिए। उन्होंने बताया कि SVGOI चंडीगढ़ में पिछले 21 वर्षों से इंडस्ट्री-ओरिएंटेड और प्लेसमेंट उन्मुख 45 से अधिक कार्यक्रम चला रहा है, और हर साल 100 से अधिक शैक्षणिक आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण भारत में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने में जुटा है। एडुमंथन के सीईओ सुजीत कुमार ने कहा, हमारा उद्देश्य गाँव-गाँव तक डिजिटल शिक्षा और आधुनिक संसाधनों की पहुँच सुनिश्चित करना है, ताकि हर छात्र को समान अवसर मिल सके। SVGOI के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन विशाल गर्ग ने कहा, आज की सबसे बड़ी जरूरत है शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना। SVGOI इसी सोच के साथ इंडस्ट्री-केंद्रित कार्यक्रम चला रहा है जिससे छात्रों को रोजगारपरक बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान और परिश्रम के लिए 'अवार्ड ऑफ एप्रीसिएशन' से सम्मानित किया गया। साथ ही, पैनल चर्चाओं, विचार-विमर्श और नवाचार साझा करने जैसे सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस तरह के आयोजनों को भविष्य में और भी व्यापक स्तर पर आयोजित करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वृद्ध का शव बरामद, पहचान में जुटी पुलिस

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र के बोडामोड़ गांव स्थित नर्सरी से अहले सुबह एक अज्ञात वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गयी।सूचना मिलते ही हंटरगंज पुलिस इंस्पेक्टर पप्पु कुमार शर्मा, एसआई पुरषोत्तम अग्निहोत्री, नितेश प्रसाद एसआई, पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर भेज दिया। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति की अब तक पहचान नहीं हो पायी है। ग्रामीणों के अनुसार प्रथम दृष्टया उक्त व्यक्ति मानसिक विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है जो पिछले करीब 5 दिनों से बोडामोड गांव में इधर उधर मांगकर खाना खा रहा था।जिससे वह काफी परेशान था। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि फिलहाल, शव को पोस्टमार्टम के बाद सुरक्षित रखा जायेगा, ताकि कोई परिजन या जानने वाला आकर पहचान कर सके। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है और आसपास के थानों को भी सूचना दी गयी है।साथ ही स्थानीय लोगों से भी वृद्ध की पहचान करवाने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने लोगो से अपील की है कि यदि इसकी पहचान होती है तो तुरन्त हंटरगंज थाना को सुचना दे।

62 वर्षीय रतन रविदास का रविवार सुबह आकस्मिक निधन हो गयी

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। प्रखंड के धुना पंचायत एरकी निवासी स्व भुनेश्वर रविदास के पुत्र रतन रविदास का आकस्मिक निधन हो गया। देवकुमार दास ने बताया कि रतन रविदास का उम्र 62 वर्ष हुआ था और वे सालों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज घर पर हीं चल रहा था रविवार को सुबह लगभग 07:00 बजे आँखरी सांस लिए। आगे उन्होंने बताया कि हमारे गांव में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, दुःखत की बात यह कि एरकी गांव में एक दिन में दो दो घटना हो गया। दूसरा मनीष दास की माता जी का कल हीं निधन हो गयी थी।जिसमें दोनों को रविवार को अंतिम संस्कार किया गा, मुख्यअग्नि रतन दास का मंझले पुत्र अनुज कुमार दास ने दिया।

नशा मुक्ति को लेकर नौनिहालों ने ली शपथ

- नशा मुक्ति के प्रति लोगों को करें जागरूक

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। झारखंड सरकार द्वारा संचालित नशामुक्ति अभियान के तहत प्रखण्ड क्षेत्र के कई विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर नशे के खिलाफ बच्चों में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा और इसके लिए नौनिहालों को शपथ दिलाई जा रही है। हंटरगंज प्रखण्ड के रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय हंटरगंज में नशा के खिलाफ़ जागरूकता को लेकर क्विज का अयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। वही नशे के दुष्प्रभावों के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया और समाज में इसकी बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। इस अभियान के तहत करीब सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने शपथ लेकर नशा उन्मूलन का संकल्प लिया। मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापक अनुप कुमार, शिक्षक उमेश कुमार, विनय कुमार सिंह, पुरषोत्तम कुमार सिंह, तिलेश्वर कुमार मौजुद थे।

खेल संपूर्ण स्वास्थ्य की गंगोत्री है: अविनाश देव

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन द्वारा अंतराज्यीय टूर्नामेंट का आयोजन रांची के मोरहाबादी मैदान में किया गया है,जहां संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश महतो मौजूद थे। संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। आयोजन मंडली के प्रमुख पुष्पगुच्छ अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया। खेल के मैदान पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात ट्रॉफी को अनावरण किया गया। संबोधन में श्री देव ने कहा कि खेल संपूर्ण स्वास्थ्य की गंगोत्री है, जहां जाति, धर्म, भाषा, बोली, रंग रूप, ऊंच- नीच अमीरी-गरीबी से ऊपर उठ कर सभी खिलाड़ी अपने लक्ष्य को भेदने में लगे रहते हैं। असली भारत का तस्वीर लोकतंत्र संविधान अनुशासन भाईचारा प्रेम न्याय और एकता अखंडता खेल के मैदान में ही दिखता है। जरूरत है खेल को बढ़ावा और प्रोत्साहन देने कि ताकि खिलाड़ियों के मनोबल बढ़ सके। खेल के दुनिया में कैरियर की अपार संभावना है बशर्ते सरकार थोड़ा और गंभीर रहे। झारखंड के खिलाड़ी तो अंतरराष्ट्री स्तर पर भारत के परचम लहरा चुके हैं,मुझे आशा है भविष्य में और बेहतर कर सकेंगे। सबों को सफलता की अग्रिम बधाई,शुभकामनाएं जोहार!

बालूमाथ में एलटी केबल कार्य बना जानलेवा संकट, घटिया सामग्री के उपयोग से बार-बार हो रहा शॉर्ट सर्किट, जनता में आक्रोश

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में विद्युत विभाग द्वारा हाल ही में कराए गए एलटी केबल बिछाने के कार्य में भारी अनियमितता उजागर हो रही है। इस कार्य में प्रयोग की गई केबल इतनी घटिया गुणवत्ता की है कि वह कुछ ही दिनों में शॉर्ट सर्किट होकर खुद-ब-खुद पोल से नीचे गिर रही है। यह केवल तकनीकी लापरवाही नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की जान जोखिम में डालने जैसा गंभीर अपराध बनता जा रहा है।

कुछ दिन पहले ही हुआ था केबल बिछाने का काम, अब हो रही तबाही

जानकारी के अनुसार, एलटी केबल बिछाने का यह कार्य कुछ ही दिन पूर्व बालूमाथ मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया गया था। परंतु यह कार्य गुणवत्ताहीन सामग्री और तकनीकी मानकों को ताक पर रखकर पूरा किया गया, जिससे अब उसका दुष्परिणाम सामने आने लगा है।

तारें जगह-जगह से टूट रही हैं, शॉर्ट सर्किट हो रहा है और क्षेत्र में अंधेरा व खतरे की स्थिति बनी हुई है।

बालूमाथ पुराना बस स्टैंड क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित

बालूमाथ के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में रहने वाले लोग इस घटिया केबल कार्य से सबसे अधिक त्रस्त हैं। लगातार हो रहे शॉर्ट सर्किट और तार टूटने की घटनाओं ने जनता का जीना मुहाल कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से यह नया केबल लगाया गया है, तब से बिजली की समस्या ने नया रूप ले लिया है।

एक स्थानीय दुकानदार ने बताया,

दिन में कई बार तार चिंगारी छोड़ते हुए टूटकर गिर जाते हैं, डर के मारे कोई उसके पास भी नहीं जाता। बच्चा-बूढ़ा सब डरे हुए हैं।

होटल रोज गार्डन के पास दो बार टूटा तार, मिस्त्री की मेहनत बेकार

सबसे ताजा मामला बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित होटल रोज गार्डन के समीप का है, जहां एक ही स्थान पर दो बार केबल टूटकर गिर चुकी है। बार-बार मिस्त्री बुलाकर उसे अस्थायी रूप से जोड़ा जा रहा है, लेकिन यह मरम्मत कुछ ही घंटों चल पाती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि केबल की गुणवत्ता न सिर्फ खराब है, बल्कि इसे जल्दबाजी और लापरवाही में लगाया गया है।

ठेकेदार की भूमिका पर गंभीर सवाल

स्थानीय लोगों ने इस कार्य में लगे ठेकेदार पर घटिया सामग्री के उपयोग और अनियमित तरीके से कार्य करने का आरोप लगाया है। लोगों का मानना है कि विभाग की मिलीभगत से ठेकेदार ने सरकारी राशि का दुरुपयोग कर जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया है। एक स्थानीय नागरिक ने तीखा आरोप लगाते हुए कहा,

सरकार ने लाखों-करोड़ों खर्च कर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का सपना दिखाया, लेकिन यहां तो लोगों की जान पर आफत बन गई है। यह सीधा-सीधा भ्रष्टाचार है।

बिजली विभाग बना मूकदर्शक, कार्रवाई का नामोनिशान नहीं

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतनी गंभीर स्थिति होने के बावजूद न तो बिजली विभाग की ओर से कोई तकनीकी जांच कराई गई है और न ही दोषियों पर कोई कार्रवाई हुई है। विभाग की चुप्पी से लोगों का गुस्सा और ज्यादा बढ़ रहा है।

जनता की मांगें:

1. एलटी केबल कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।
2. कार्य में लगे ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए और उस पर कानूनी कार्रवाई हो।
3. सभी प्रभावित क्षेत्रों में केबल की गुणवत्ता की तकनीकी जांच हो।
4. जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे नेटवर्क को फिर से दुरुस्त किया जाए।

बालूमाथ में बिजली विभाग द्वारा कराए गए इस कार्य ने न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा और विश्वास को भी गहरी ठेस पहुंचाई है। यदि समय रहते इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी दिन किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों के तस्करों के विरुद्ध की बड़ी कार्रवाई दो तस्कर हुए गिरफ्तार

ब्राउन शुगर अफीम समेत 44 लाख 57350 के साथ जीजा साली हुए गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। जिले में मादक पदार्थों के तस्करी के विरुद्ध जिला पुलिस के द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। चतरा पुलिस अधीक्षक के गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम के द्वारा पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र में छापामारी कर विगत 11 जून को एक घर से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद करते हुए 23 लाख लाख रुपए के साथ मधु कुमारी को गिरफ्तार किया गया था। इस संदर्भ में पत्थलगड़ा थाना कांड संख्या 0-24/2025 दिनांक 12. 06.2025 धारा 111 (2)(बी)बी एन एस एवं 17 (सी) 18 (बी) 21(सी) 22(सी) 25/ 27/ 28/ 29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उपरोक्त दर्ज मामले के अग्रिम अनुसंधान के क्रम में अन्य कांड में लिप्त तस्करों के विरुद्ध लगातार छापामारी करते हुए कांड के मुख्य सरगना तस्कर रोशन डांगी पिता अरुण कुमार दांगी साकिन तेतरिया थाना पत्थलगड़ा जिला चतरा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर के निशानदेही पर ब्राउन शुगर अफीम एवं नगद रुपया और ब्राउन शुगर बनाने की लोहे की संरचना युक्त मशीन को बरामद किया गया साथ ही गिरफ्तार अभियुक्त की एक अन्य महिला सहयोगी तस्कर रूबी देवी को भी गिरफ्तार किया गया। इस कांड में संलिप्त अन्य तस्कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। इस छापामारी के क्रम में 0.287 किलोग्राम अवैध ब्राउन शुगर 11.172 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ नगद राशि 44 लाख 57350 रुपए बरामद किए गए। अभियुक्तों के पास से एक रियल मी कंपनी का एंड्राइड मोबाइल, एक आसमानी ब्लू रंग का होंडा शाइन मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जे एच ओ 2 ए क्यू-8007 जप्त किया गया है। नशे के इस काले गोरख धंधे में गिरफ्तार व्यक्ति का नाम रोशन दांगी उर्फ भागीरथ पिता अरुण कुमार दांगी साकिन तेतरिया थाना पत्थलगड़ा जिला चतरा रूबी देवी पति शंभू दांगी साकिन बुढीगढ़ा थाना राजपुर जिला चतरा है। गिरफ्तार तस्कर रोशन दांगी का आपराधिक इतिहास सदर थाना कांड संख्या 129/21 धारा 120 (बी) भारतीय दंड विधान एवं 21/22 एनडीपीएस एक्ट पहले से ही दर्ज है। इस छापेमारी की कार्रवाई में शुभम कुमार खंडेलवाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया, संदीप सुमन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर चतरा, वसीम रजा परीक्षण पुलिस उपाधीक्षक चतरा, पुलिस निरीक्षक सनोज कुमार चौधरी, पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव, पुलिस निरीक्षक सिमरिया आंचल पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार थाना प्रभारी पत्थलगड़ा, पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार सिंह थाना प्रभारी इटखोरी, पुलिस आवाज निरीक्षक संदीप कुमार थाना प्रभारी राजपुर, पुलिस अवर निरीक्षक कुमार गौतम थाना प्रभारी गिद्धौर, पुलिस अवर निरीक्षक सोनी खलखो गिद्धौर थाना, पुलिस अवर निरीक्षक विजय कुमार पत्थलगड़ा थाना, पुलिस अवर निरीक्षक सोनू कुमार दास नामकुम थाना रांची, सहायक अवर निरीक्षक दुखीराम महतो इटखोरी थाना के साथ पत्थलगड़ा थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

आज गढ़वा जिला का सम्मेलन नगर उटारी के जल क्रांति भवन में नवरंगी पाल,खलील खान, भानु प्रताप पासवान ने किया। उद्घाटन राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि आज देश में कारपोरेट पक्षी सरकार है देश के सरकारी संस्थानों को आडानी और अंबानी के हाथों में बेचने का काम मौदी सरकार कर रही है। इसके तहत रेल,भेल सेल, एयरपोर्ट आदि उदाहरण स्वरूप है वहीं झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है बिना घूस के कोई काम नहीं हो रहा है ऐसी परिस्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी के पास आन्दोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसलिए संगठन को मजबूत करना होगा। सभा को संबोधित करते हुए राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह गढ़वा जिला प्रभारी रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि गढ़वा जिला के मंत्री से लेकर नेताओं का सम्पत्ति दिन दुना रात चौगुना बढ़ गया है लेकिन आम जनता की स्थिति फटेहाल है गढ़वा जिला का तुलसीदामर डोलो मांईस खदान, एवं सेल बंद पड़ा है जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलता था। वही खजूरी जलाश्य योजना का काम अधूरी पड़ी है। गढ़वा के मंत्री रहते मिथलेश ठाकुर ने यह काम नही करवाया। जिसे यह मालूम चलता है कि झारखंड सरकार भी आम जनता के हितों के प्रति उदासीन है।मेन रोड में सड़क तो बन रहा है लेकिन गांव को जोड़ने वाली सड़क अधूरी है। सड़क में गड्ढे ही गड्ढे हैं। जिसे के अन्दर अंचल कार्यालय में आनलाईन एवं दाखिल सारीज करने में भारी घूसखोरी हो रही है जिसपर केंद्र एवं राज्य सरकार लगाम लगाने में बिफल है। बैठक में पलामू जिला के अभय कुमार भूइंया, किसान नेता एवं रामराज तिवारी ने संबोधित किया।अंत में 15 सदस्यीय जिला कमिटी का गठन किया गया। सम्मेलन में मोती राम, अजीमुद्दीन खान, जगमोहन उरांव, रामनाथ उरांव, राजकुमार राम मनोज विद्या पासवान, बसंत राम, ओमप्रकाश रवि, राजकुमार भूइंया, मुन्ना राम,शिवदास राम,नगीना पासवान, राजकुमारी दैवी सहित कई लोग उपस्थित थे। अंत में सर्वसम्मति से रामेश्वर प्रसाद अकेला को कार्यवाहक जिला सचिव बनाया गया।

झारखंड आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर सिमरिया में संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित सांसद विधायक हुए शामिल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

सिमरिया (चतरा)। चतरा जिला झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की ओर से सिमरिया प्रखंड अंतर्गत पुड़रा पंचायत भवन में बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के जिला अध्यक्ष कैलाश सिंह ने की, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता राज किशोर कमल उर्फ पिंकू ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चतरा लोकसभा के सांसद कालीचरण सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास मंचासीन रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता उपेंद्र सिंह, विनोद महतो मुखिया, जिला सचिव सुगन साव, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सिंह पांडेय, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र मित्तल, डब्लू सोनी, अशोक साहू, शिव शंकर यादव, धीरन सिंह, सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे। बैठक में झारखंड आंदोलनकारियों की विभिन्न लंबित मांगों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि आंदोलनकारियों को झारखंड सरकार द्वारा समुचित मान-सम्मान, पेंशन, आवास, तथा जेल जाने का प्रावधान समाप्त कर उत्तराखंड की तर्ज पर सुविधाएं दी जानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सांसद और विधायक का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने सांसद और विधायक जिंदाबाद के नारे लगाए। अपने संबोधन में सांसद कालीचरण सिंह और विधायक उज्ज्वल दास ने आश्वासन दिया कि पुड़रा पंचायत समेत संपूर्ण सिमरिया प्रखंड के सर्वांगीण विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। कार्यक्रम में जय कुमार रजक, तिलक महतो, संजीव कुमार यादव, संतोष रजक, गणेश राणा, श्री नारायण साहू, खेमलाल साहू, निरंजन पांडे, अर्जुन मालाकार, शंकर प्रसाद दांगी, लालजीत भोक्ता, मधु कुमारी, सविता देवी, कुंती देवी, शांति देवी, किशन उरांव, अनीशा देवी, कामेश्वर साव, विश्वनाथ पांडे, अनिल पांडेय, ए. जसवंत साहू, हेमराज महतो, लखन साहू, बालेश्वर महतो, नरेश पांडे, अर्जुन प्रसाद साहू, सतीश शर्मा, महेश साहू, सुदामा पांडे, बंधन गंझु, अमर जोसेफ, नितेश कुमार पांडे, अरुण सिंह, सहित सैकड़ों आंदोलनकारी, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पी एल वी ने चलाया कानूनी जागरूकता अभियान

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

रविवार को जमरी बकासपुरा के ग्राम पकरी मे कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवाएं पर विशेष रूप से चर्चा की गई साथ ही वरिष्ठ नागरिकों से और उनकी समस्याओं से अवगत कराया गया है। साथ ही साथ उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा किए एवं साइबर क्राइम,डायन प्रथा, बाल विवाह पर भी जानकारी दी गई। टोल फ्री नंबर 15100 पर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य योजनाओं, अस्पताल प्रबंधन एवं आयुष योग दिवस की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

- स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाएँ सीधे आम जनता से जुड़ी होती हैं, इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं: उपायुक्त चतरा

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। शनिवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, जिला स्वास्थ्य समिति, अस्पतालों की स्वास्थ्य प्रबंधन समिति, कोरोना एवं आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों से संबंधित एक विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन चतरा दिनेश कुमार सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य प्रबंधकों के साथ-साथ जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) भी उपस्थित रहे। इस बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अस्पतालों की प्रबंधन समिति सक्रिय रूप से कार्य करे और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नियमित बैठकें की जाएँ। उन्होंने आयुष विभाग को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी हेतु जनसंपर्क एवं प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुबह 6 बजे से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कोरोना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने वैक्सीनेशन, दवाओं की उपलब्धता, ऑक्सीजन आपूर्ति एवं स्वास्थ्यकर्मियों की तैयारी की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, पोषण कार्यक्रमों की स्थिति तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए सीडीपीओ को नियमित फील्ड विज़िट करने एवं अपडेटेड डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके अलावे संस्थागत प्रसव, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, बच्चों का नियमित टीकारण, लिंग अनुपात समेत कई अन्य बिंदुओं की भी क्रमवार समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जहां जहां कुपोषण उपचार केंद्र संचालित है उन स्थलों पर दाल भात केंद्र संचालित करने का निर्देश दिया गया। जिससे उक्त स्थल पर आमजनों के साथ साथ उपचार कराने आने वाली मरीजों के परिजन को सुगमता पूर्वक भोजन मिल सके। आयुष्मान कार्ड से अधिक से अधिक लाभुक लाभान्वित हो इसके लिए अभियान मोड में सभी प्रखंडों के दो दो पंचायतों में 16 तारीख से रोस्टर अनुसार कैंप लगाने का निर्देश दिया गया। यदि किसी लाभुक का राशन कार्ड से संबंधित कोई समस्या है जिसके कारण उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहा है उसका भी निराकरण उक्त कैंप में किया जाएगा। वहीं सिकल सेल एनीमिया के मरीजों की भी स्क्रीनिंग की जाएगी। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य क्षेत्रों के विभिन्न इंडीकेटरों के समीक्षा के क्रम में धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन चतरा दिनेश कुमार को हरेक सप्ताह सभी इंडीकेटरों के प्रगति मॉनिटरिंग करने हेतु बैठक करने का निर्देश दिया। अंत में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से कहा कि स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाएँ सीधे आम जनता से जुड़ी होती हैं, अतः इनके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आगे उन्होंने कहा आज की बैठक में जो भी निर्देश दिए गए है उसका शतप्रतिशत निष्पादन हो यह सुनिश्चित करें दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा अगले बैठक में की जाएगी। अगर किन्हीं के द्वारा निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो वो कार्रवाई के लिए तैयार रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दुमका जिला के पत्रकारों की एकजुट फिर एक बार मिसाल बन गया

दुमका। दुमका जिला के रामगढ़ थाना में पत्रकार के खिलाफ झूठे रंगदारी और मारपीट का आवेदन किसी व्यक्ति के द्वारा दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुमका जिला अध्यक्ष कुणाल कुमार शांतनु ने अपने प्रदेश अध्यक्ष सियाराम शरण सिंह से दूरभाष पर बातचीत किया और प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर इस पूरे मामले को समझने के लिए प्रदेश प्रवक्ता दशरथ महतो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।टीम को लेकर प्रदेश प्रवक्ता रामगढ़ थाना पहुंचे प्रदेश प्रवक्ता के साथ दुमका जिला अध्यक्ष और उनके सहयोगी सदस्य भी मौजूद थे। रामगढ़ प्रखंड के बुद्धिजीवी लोगों के साथ पत्रकारों की वार्ता हुई उसे दौरान थाना प्रभारी भी मौजूद थे।

वार्ता सफल हुआ और दोनों के खिलाफ मामला दर्ज होने से बच गया दुमका जिला एआईएसएम जिला कमेटी के इस सराहनीय कार्य की चर्चा पूरे जिले में बना हुआ है।

इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता दशरथ महतो, दुमका जिला अध्यक्ष कुणाल शांतनु, कुमार विक्रम, आरनेश, मारुफ, मुचुकांत, अभिषेक, रमेश, भीम, हविल, दीपू, रामजी, शुभंकर, मनिचयन, उमाशंकर मौजूद थे।

मल्टीपर्पस भवन प्रगति केंद्र एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण का किया गया भूमि पूजन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) प्रखंड के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट SIP अंतर्गत मल्टीपर्पस भवन प्रगति केंद्र सम्मान से समृद्धि तक का सफर का निर्माण दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। रविवार को प्रथम चरण के तहत जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पाँच ग्राम पंचायतों में मल्टीपर्पस (बहुद्देशीय) भवन प्रगति केंद्र, सम्मान से समृद्धि तक का सफर एवं शौचालय निर्माण (डी0एम0एफ0टी0 एवं पंचायत समिति मद से) का भूमि पूजन किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम अन्तर्गत उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक भगत, प्रखंड प्रमुख श्रीमती रानी सोरेन, उपप्रमुख अब्दुल गनी, बीडीओ टुडु दीलिप ने हिरणपुर के पांच पंचायतों- घाघरजानी, डांगापाड़ा, धोवाडांगा, बड़तल्ला एवं मंझलाडीह में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा।

मौके पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी, जेई प्रेमचन्द टुडू, परेश भारती, संबंधित मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिले के सभी गैस एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ उपायुक्त ने की बैठक, दिये कई निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी गैस एजेंसी के संचालकों के साथ बैठक की गई। जिसमें वितरण की जाने वाली गैस की दर व वजन, गुणवत्ता, ससमय पर वितरण की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वितरण के समय कोई भी सिलेंडर एक्सपायर नहीं होना चाहिए। उपायुक्त ने बताया कि वैसे कार्डधारी जिनका ई-केवाईसी नहीं हुआ है। डीलर सहयोग करते छूटे हुए कार्डधारी का ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही साथ कोई भी व्यवसाय प्रतिष्ठान ठेला भेंडर, मिठाई दुकान 14.2 द्मद्द वाले घरेलू सिलेंडर गैस का उपयोग नहीं करेंगे, नहीं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी गैस एजेंसी को सुरक्षा मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

मल्टीपर्पस भवन प्रगति केंद्र एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण का किया गया भूमि पूजन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट SIP अंतर्गत मल्टीपर्पस भवन प्रगति केंद्र सम्मान से समृद्धि तक का सफर का निर्माण दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। रविवार को प्रथम चरण के तहत जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिले के सभी प्रखंडों के पाँच-पाँच कुल 30 ग्राम पंचायतों में मल्टीपर्पस (बहुद्देशीय) भवन प्रगति केंद्र, सम्मान से समृद्धि तक का सफर एवं शौचालय निर्माण (डी0एम0एफ0टी0 एवं पंचायत समिति मद से) का भूमि पूजन किया गया।भूमि पूजन कार्यक्रम अन्तर्गत हिरणपुर प्रखंड में उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया, जिला परिषद उपाध्यक्ष श्री अशोक भगत, प्रखंड प्रमुख श्रीमती रानी सोरेन, उपप्रमुख अब्दुल गनी, बीडीओ श्री टुडू दीलिप ने हिरणपुर के पांच पंचायतों- घाघरजानी, डांगापाड़ा, धोवाडांगा, बड़तल्ला एवं मंझलाडीह में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा।

मौके पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी, जेई प्रेमचन्द टुडू, परेश भारती, संबंधित मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। पाकुड़िया प्रखंड में उपायुक्त मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह,जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा तथा महेशपुर में परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव, अंचलाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा। पाकुड़ प्रखंड में जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा। वहीं लिट्टीपाड़ा में अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, बीडीओ संजय कुमार एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा, अमड़ापाड़ा प्रखंड में जिला परिवहन पदाधिकारी श्री संजय पीएम कुजुर, बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता, जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा।

बहुद्देशीय भवन तथा सामुदायिक शौचालय निर्माण की अवधि 1 जून से 30 जुलाई, 2025 तक निर्धारित की गई है। इस भवन के निर्माण होने से ग्रामीण लाभान्वित होंगे।

आमड़ापाड़ा में मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता रैली और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

आमड़ापाड़ा (पाकुड़)। आमड़ापाड़ा प्रखंड में मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु एक जागरूकता रैली और शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आमड़ापाड़ा प्रखंड कार्यालय से प्रारंभ होकर आमड़ापाड़ा बाजार तक निकाली गई रैली के माध्यम से संपन्न हुआ।

रैली में प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, बीएपी (BAP), क्लस्टर कोऑर्डिनेटर (CC), प्रखंड संसाधन व्यक्ति (PRP) और कैडर दीदियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने हेतु सामूहिक शपथ ली और लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। रैली के दौरान लोगों को पंपलेट बांटे गए और मौके पर वाई पी डी. एम. एस. डी. प्रभारी सारथी कुमारी ने नारों के माध्यम से संदेश दिया गया कि ÷नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो।÷ स्थानीय जनता ने भी इस पहल का स्वागत किया और समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने की दिशा में सहयोग का संकल्प लिया।

हिरणपुर में प्रखंड स्तरीय यूथ मुंबलाइजेशन कैंप सह पंजीकरण शिविर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- 92 युवक युवतियों ने कौशल विकास के लिए कराया पंजीकरण
- यह कार्यक्रम कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है जिससे युवा युवतियों प्रशिक्षण प्राप्त कर प्लेसमेंट लेकर अपने भविष्य संवार सकती है-बीपीएम शंकर तिवारी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड़)। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग पलाश झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को हिरणपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप के अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय यूथ मुंबलाइजेशन कैंप सह पंजीकरण शिविर कार्यक्रम आयोजित हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बीडीओ टुडू दिलीप, प्रखंड प्रमुख रानी सोरेन व सखी मंडल की दीदिया दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया.

इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत 18 से 35 वर्ष की रोजगार युवक युवतियों के लिए प्रशिक्षण, कार्यों की जानकारी दी गई। जिला प्रबंधक स्किल राजेंद्र कुमार ने सिलाई , होटल मैनेजमेंट, कुरियर एकशकुटिभ ऑपरेटर ,नर्सिंग इलेक्ट्रीशियन, वेयर हाउस,से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा किए, बीपीएम शंकर तिवारी ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, संबंधित ट्रेड के तहत युवा युवतीया प्रशिक्षण प्राप्त कर प्लेसमेंट लेकर अपने भविष्य सवार सकती हैं।

प्रमुख रानी सोरेन कहा कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करना है. महिलाओं को सिलाई, नर्सिंग व पुरुषों को तकनीकी एवं अन्य क्षेत्रों में निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा. प्रशिक्षण के दौरान आवास, भोजन एवं अन्य सुविधाएं भी सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है.

युवा युवतियों कार्यक्रम के तहत विभिन्न ट्रेड के माध्यम से प्रशिक्षण कर अपने सपनो को पूरा कर सकेंगे। कार्यक्रम में हिरणपुर प्रखंड प्रमुख रानी सोरेन, बीपीएम शंकर तिवारी, बीपीओ राजेश कुमार, जीआरसी संजय पाल, सामुदायिक समन्वयक संतोष कुमार ठाकुर, राजेश कुमार ,संचय दीक्षित, क्रिस्टीना टुडू, बीएपी साबीहा खातून ,ललिता कुमारी, कमलिनी हेंब्रम, साजिमाखातून, डीईओ रजनी गुप्ता समेत ग्रामीण युवा युवतियां मौजूद रहे।

जेएसएलपीएस के कार्यों की समीक्षा कर डीसी ने दिए कई निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा जिले में चलाए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सभी कार्यों को ससमय पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने 6 जुलाई तक 700 नए सखी मंडलों का गठन करने एवं छूटे हुए 10 हजार परिवारों को इससे जोड़ने का निर्देश दिया। मईया सम्मान के सभी योग्य लाभुको को समूह में जोड़ने पर विशेष निर्देश दिया गया। 600 नए सखी मंडलों का बैंक खाता खुलवाने एवं 300 प्रथम बैंक लिंकेज सहित द्वितीय क्रेडिट लिंकेज के लक्ष्य को भी पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। कुल 21 ग्राम संगठनों के गठन सहित क्वाटर-1 के सभी लक्ष्यो को इस माह के अंत तक शत प्रतिशत पूरा करने हेतु निर्देशित किया। बकरी वैक्सीनेशन को ड्राइव मोड़ में पूरा करने का निर्देश दिया गया। सभी जेंडर सीआरपी और पशु सखियों का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन करने का निर्देश दिया गया। खरीफ में SRI विधि से धान की खेती करने वाली महिला किसानों को लैम्प्स के माध्यम से बीज दिलवाने, दीदी बाड़ी योजना अंतर्गत पोषण वाटिका लगवाने के लक्ष्य को भी शत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। महिलाओं से संबंधित जो भी केस जो जेंडर रिसोर्स सेंटर में आया है उसपर क्या करवाई की गई उसका रिपोर्ट साझा करने का निर्देश दिया गया। 18 जून को सखी दिवस मनाने एवं उस कार्यक्रम में जेएसएलपीएस के सभी कर्मी अधिकारियों को भाग लेने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू, डीपीएम जेएसएलपीएस प्रवीण मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट एस.आई.पी के तहत मल्टीपर्पस भवन ओर शौचालय निर्माण कार्य प्रारम्भ के लिए हुआ भूमि पूजन व वृक्षारोपण

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) रविवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट SIP के तहत मल्टीपर्पस भवन (समृद्धि भवन) ओर डी0एम0एफ0टी0 तथा पंचायत समिति मद द्वारा सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए चयनित स्थल पर प्रथम फेज के लिए ग्राम पंचायत के मुखिया प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय कर्मियों सहित जनप्रतिनिधियो एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में निर्माण कार्य प्रारंभ करते हुए भूमि पूजन ओर बृक्षारोपण किया गया। वहीं ग्राम पंचायत बड़ा घघरी, बांडू, सोनाधनी ओर नावाडीह में पंचायत समिति प्रमुख मारंग बीटी बेसरा,अनुमंडल पदाधिकारी साइमन हेमब्रम ओर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने मल्टी पर्पस समृद्धि भवन के प्रारम्भ स्थल का भूमि पूजन कर कार्य प्रारम्भ कराया ओर बृक्षारोपण किया।

प्रखंड के इस आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास, कनीय अभियंता प्रदीप टुडू, विजय रविदास, नैयर आलम सहित सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव,पंचायत समिति के सदस्य, वार्ड सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

पाकुड़िया (पाकुड़) प्रखंड स्थित सिदपुर गर्म कुंड स्थल में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का उपायुक्त ने निरीक्षण किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कुंड परिसर के आसपास बने छतरियों में से जर्जर हो चुके छतरियों को हटाकर नया बनवाने का निर्देश दिया। साथ ही भवनों के दीवारों को आकर्षक ढंग से अलग अलग रंगों से रंगने का निर्देश दिया। साथ ही गर्म कुंड के बीच स्थित गोलंबर को आकर्षक बनाने, गर्म कुंड स्थल के चारों ओर कुर्सी युक्त शेड बनाने एवं बच्चों के मनोरंजन हेतु झूला बनाने, रोशनी हेतु सोलर लाइट एवं हाई मास्क लाईट लगाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने सौंदर्यीकरण कार्य को 15 अगस्त से पहले पूर्ण करने का निर्देश दिया ताकि 15 अगस्त को इसका उद्घाटन जनप्रतिनिधियों द्वारा कराया जा सके। इसके पश्चात उपायुक्त व अन्य अधिकारियों ने कुंड स्थल के पास पौधारोपण किया।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट एस.आई.पी के तहत मल्टीपर्पस भवन ओर शौचालय निर्माण कार्य प्रारम्भ के लिए किया गया भूमि पूजन ओर बृक्षारोपण

सुस्मित तिवारी आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) रविवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट SIP के तहत मल्टीपर्पस भवन (समृद्धि भवन) ओर डी0एम0एफ0टी0 तथा पंचायत समिति मद द्वारा सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए चयनित स्थल पर प्रथम फेज के लिए ग्राम पंचायत के मुखिया प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय कर्मियों सहित जनप्रतिनिधियो एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में निर्माण कार्य प्रारंभ करते हुए भूमि पूजन ओर बृक्षारोपण किया गया। वहीं ग्राम पंचायत बड़ा घघरी, बांडू, सोनाधनी ओर नावाडीह में पंचायत समिति प्रमुख मारंग बीटी बेसरा, अनुमंडल पदाधिकारी साइमन हेमब्रम ओर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने मल्टी पर्पस समृद्धि भवन के प्रारम्भ स्थल का भूमि पूजन कर कार्य प्रारम्भ कराया ओर बृक्षारोपण किया। प्रखंड के इस आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास, विजय रविदास, नैयर आलम सहित सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, पंचायत समिति के सदस्य, वार्ड सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

नो-एंट्री में हाइवा हिरणपुर थाना प्रभारी की सर्जिकल स्ट्राइक, 53,300 वसूला जुर्माना

नो एंट्री का मतलब नो माफ़ी: हिरणपुर थाना प्रभारी की सख्ती से कोयला चालकों में मची खलबली

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर थाना क्षेत्र में लगातार हो रही ट्रैफिक अव्यवस्था, जाम और दुर्घटनाओं की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने एक सशक्त और अनुकरणीय कदम उठाया जहाँ थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह की तत्परता और सख्ती ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कानून का पालन न करने वालों पर अब लगाम कस चुकी है।

दरअसल, कोयला लदे हाइवा वाहनों के लिए प्रशासन द्वारा एक निर्धारित रूट तय किया गया है, ताकि आम लोगों की सुरक्षा और बाजार की ट्रैफिक व्यवस्था बनी रहे। लेकिन अधिक टिप मारने की होड़ में कुछ चालक निर्धारित समय और रूट की अनदेखी कर घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर नो एंट्री के दौरान भी धड़ल्ले से गुजर रहे थे।

हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऐसे 11 हाइवा वाहनों को धर दबोचा और पूरे मामले की सूचना छ्व्रञ्जह्र विभाग को दी। विभागीय कार्रवाई के बाद कुल ?53,300 का जुर्माना वसूला गया।

सिर्फ यही नहीं, यातायात नियमों को ठेंगा दिखाते हुए बिना हेलमेट चल रहे 12 दोपहिया चालकों से भी 12,000 की वसूली की गई। यह कार्रवाई न सिर्फ ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि यह संदेश भी है कि नियमों को ताक पर रखकर चलने वालों पर अब कानून का शिकंजा और मजबूत होगा।

गौरतलब है कि पाकुड़ उपायुक्त द्वारा कोयला हाइवा परिचालन के लिए समय सारणी भी निर्धारित की गई है, इसके बावजूद कई वाहन चालक नियमों की अनदेखी कर हिरणपुर मुख्य बाजार में जाम और दुर्घटना की स्थिति पैदा कर रहे थे।

थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह की यह कार्रवाई प्रशंसनीय है, जिन्होंने नियमों की रक्षा के साथ-साथ आम जनता की सुविधा और सुरक्षा को भी सर्वोपरि रखा।

जनसंख्या का समीकरण : कमजोरी या ताकत !

>> विचार

भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नही है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था।

संजीव ठाकुर

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा, अब समय आ गया है जब देश की सरकार और समूचे जनसंख्या प्रबंधन की इकाइयों को सक्रिय होकर बढ़ती जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच सामयिक संतुलन बनाकर बड़ी जनसंख्या को बोझ न मानकर एक शक्ति के रूप में स्थापित इसका सर्वाधिक दोहन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए निहित करे, निश्चित तौर पर यह हमारे ऊपर है कि हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम सही तरीके से विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर इसे राष्ट्र के विकास के श्रोत की तरह विकसित करें ' भारत की युवा और दिवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए ' अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 141 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चीन 145 (अनुमानित) करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 55% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों

में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा, परंपरागत स्त्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

(लेखक, चिंतक, स्तम्भकार)

संपादकीय

12 करोड़ से ज्यादा लोग बेघर

गौरतलब है कि वर्तमान में दुनिया में मुख्य रूप से दो मोर्चों पर आमने-सामने का युद्ध हो रहा है, वह है रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास। रूस और यूक्रेन के बीच तो लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हताहत भी हुए हैं। निकट भविष्य में इस युद्ध का अंत होने के आसार अभी नजर नहीं आ रहे हैं। इस कारण यूक्रेन में 88 लाख लोगों को अपना घर-बार व जमीन-जायदाद छोड़ कर दूसरी जगह जाना पड़ा है। वहीं, इजराइल-हमास के बीच युद्ध में ईरान का हस्तक्षेप भी किसी से छिपा नहीं है। दूसरी ओर, सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृहयुद्ध झेल रहा है, जिस कारण वहां भी बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ रहा है। रपट के मुताबिक, आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या पिछले वर्ष के अंत में नौ फीसद से बढ़ कर 7.35 करोड़ हो गई है। गृहयुद्ध से जूझ रहा सूडान तो दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन संकट का केंद्र बन गया है, जहां संघर्ष के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। यह सीरिया के 1.35 करोड़ विस्थापितों से अधिक हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान में एक करोड़ से अधिक लोगों को जबरन विस्थापित किया गया है। हालांकि, इस मामले में भारत की स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र की एक हालिया रपट के मुताबिक, भारत में वर्ष 2024 में हिंसा के कारण 1,700 लोग विस्थापित हुए, जो 2023 में विस्थापित लोगों की संख्या से कम हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत में इस मामले में भविष्य में और सुधार होगा। विस्थापन का एक पहलू यह भी है कि इन लोगों को खाद्य संकट और कुपोषण का भी शिकार होना पड़ रहा है। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रपट के अनुसार, दुनिया भर में कुल विस्थापितों में से 9.5 करोड़ ऐसे देशों में रह रहे हैं, जहां पहले से ही खाद्य संकट गहराया हुआ है, जैसे कि कांगो, कोलंबिया, सूडान और सीरिया। करीब 20 देशों में 14 करोड़ लोग युद्ध और हिंसा के कारण भोजन की कमी से जूझ रहे हैं। इससे स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और कुछ अंतरराष्ट्रीय सहायता एजंसियां विस्थापित लोगों की मदद का प्रयास करती रही हैं, लेकिन वित्तीय कोष के अभाव में उनके ये प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं।

मिरज में मौजूद है, सितार को 'जन्म' देने की परंपरा !

नजरुल हक

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है। दक्षिण महाराष्ट्र के सांगली ज़िले में, कर्नाटक की सीमा के पास स्थित ऐतिहासिक नगर मिरज पहली नज़र में साधारण सा प्रतीत हो सकता है। एक छोटा रेलवे जंक्शन, धूल भरे बाज़ार और शांत आवासीय मोहल्ले- ये सब इस नगर की गहराई और महत्व को तुरंत नहीं दर्शाते, लेकिन पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से मिरज भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर एक विशिष्ट स्थान रखता है- केवल शास्त्रीय संगीत के एक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हस्तनिर्मित परंपरा के हृदय-स्थल के रूप में, जो अब भी दुनिया के बेहतरीन तार-वाद्य यंत्रों का निर्माण करती है। जब आप उस संकरी गली में प्रवेश करते हैं जिसे पहले 'सितारमेकर गली' के नाम से जाना जाता था-और अब इसे आधिकारिक तौर पर 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' कहा जाता है-तो आप एक ऐसी दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां लकड़ी, धातु और मानवीय स्पर्श मिलकर ऐसी ध्वनियां रचते हैं जो विश्व भर के संगीत सभागारों में गूंजती हैं। यह गली बहुत लंबी नहीं है, मुश्किल से कुछ सौ मीटर की, लेकिन इसका महत्व अत्यधिक है। यहीं पीढ़ियों से कारीगर सितार, तानपुरा, सरोद और वीणा जैसे तार-वाद्य यंत्रों को बनाते आए हैं-ऐसी तकनीकों से जो मौखिक परंपरा से चली आ रही हैं और जिन्हें अभ्यास, अंतर्ज्ञान और भक्ति से परिष्कृत किया गया है। मिरज के सितार निर्माण केंद्र में बदलने की कहानी 19वीं सदी में शुरू होती है, एक दूरदर्शी कारीगर-फ़रीदसाहब सितारमेकर-के साथ। फ़रीदसाहब का जन्म 1827 में हुआ था। वे शिकलगारों के समुदाय से थे। ये मुस्लिम धातु-शिल्पकारों का एक समुदाय था जो

मूलतः 17वीं सदी में बीजापुर के आदिलशाही शासन के दौरान मिरज में आकर बस गया था। ये कुशल कारीगर पारंपरिक हथियारों, जैसे-तलवारें, ढालें और कटार बनाने और मरम्मत करने में विशेषज्ञ थे। पीढ़ियों तक, उनके जीवन की लय थीः हथौड़े की टनटनाहट और लोहे पर पड़ती चोट। लेकिन 18वीं और 19वीं सदी के आगमन के साथ गहरे परिवर्तन आए। बारूद वाले हथियारों के उदय, भारतीय रियासतों के पतन और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ होने के कारण शिकलगारों की पारंपरिक कला अप्रासंगिक हो गई। अब जब युद्धों में तलवारों और भालों की आवश्यकता नहीं रही, तो उनका कौशल भी समाप्ति की कगार पर पहुंच गया। भारत के कई कारीगर समुदायों की तरह, उन्हें भी पुनर्निर्माण या विलुप्ति के बीच चयन करना पड़ा। कई शिकलगारों ने सामान्य बढ़ईगिरी, घरेलू औज़ार बनाने या धातु-सज्जा का काम अपनाया, लेकिन फ़रीदसाहब ने, जो उस समय सांस्कृतिक रूपांतरण के दौर से गुज़र रहे मिरज में रह रहे थे, एक अलग राह देखी। उसी समय मिरज पर 'पटवर्धन वंश' का शासन था और श्रीमंत बालासाहब पटवर्धन (द्वितीय) को कला का विशेष संरक्षणकर्ता माना जाता था। उन्होंने उत्तर भारत से संगीतज्ञों को मिरज बुलवाया और बसाया, जिससे यह नगर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक केंद्र बन गया। कलाकारों के साथ वाद्ययंत्र भी आए और उनके साथ उनकी मरम्मत, स्वरलयन और अंततः विशेष निर्माण की ज़रूरतें भी। फ़रीदसाहब ने तार-वाद्य यंत्रों की मरम्मत से शुरुआत की और उनके निर्माण की बारीकियों को गहराई से समझना शुरू किया। उनमें जन्मजात जिज्ञासा थी, वे टूटे-फूटे पुराने वाद्ययंत्रों को खोलकर उनके ध्वनि-विज्ञान को समझने का प्रयास करते थे। उनके वंशजों के बीच एक चर्चित किस्सा है कि फ़रीदसाहब कई हफ़्तों तक एक सितार के पास सोते रहे, रात के अलग-अलग समय पर उसे थपथपाते रहते, ताकि आर्द्रता और तापमान का उसकी ध्वनि पर कैसा असर पड़ता है, यह जान सकें। उनकी असली खोज तब हुई जब उन्होंने पाया कि स्थानीय खेतों में उगने वाली लौकी-जिनका उपयोग साधु जलपात्र के रूप में करते थे-ध्वनि अनुनाद (रेजोनेन्स) के लिए आदर्श होती हैं। ये लौकियां या तो स्थानीय खेतों से प्राप्त की जातीं या विशेष रूप से उगाई जातीं। इन लौकियों को धीरे-धीरे सुखाकर और संसाधित कर 'प्राकृतिक अनुनाद कक्ष' (रेजोनेटर) बनाया जाता था। अपने भाई मोइनुद्दीन की सहायता से फ़रीदसाहब ने हाथ से ही पूरी तरह सितार बनाना शुरू किया-लकड़ी की किस्मों, तारों के तनाव और जावरी (जो वाद्य के स्वरगुण को आकार देती है) के सूक्ष्म संतुलन पर प्रयोग करते हुए। उनकी साधारण सी कार्यशाला से जो वाद्य निकले, उनमें एक विशिष्ट ध्वनि थी-गंभीर, समृद्ध और गहराई लिए हुए। धीरे-धीरे यह बात फैलने लगी। जैसे-जैसे मांग बढ़ी, फ़रीदसाहब ने अपने बेटों और शिष्यों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। जल्द ही पूरे-के-पूरे परिवार इस कला में लग गए और 'सितारमेकर गली' एक जीवित संग्रहालय बन गई। समय के साथ मिरज उच्च गुणवत्ता वाले तारवाद्यों के पर्याय के रूप में प्रसिद्ध हो गया। भारत और दुनिया भर के संगीतज्ञ मिरज से विशेष आदेश पर वाद्य मंगवाने लगे। 20वीं सदी के मध्य तक मिरज के वाद्यों की ख्याति किंवदंती बन चुकी थी। पंडित रविशंकर-जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिम में लोकप्रिय किया-ने मिरज से सितार बनवाए। उस्ताद विलायत ख़ान ने भी, जिनकी 'विलायतखानी' सितार शैली आज भी वाद्य-निर्माताओं को प्रेरित करती है, मिरज के सितारों को अपनाया। वास्तव में, कुछ मिरज में बने सितारों के नाम ही 'रविशंकर शैली' या 'विलायत ख़ान शैली' रखे गए हैं-ये नाम डिज़ाइन के स्वामित्व की बजाय उन विशिष्ट ध्वनि-गुणों को दर्शाते हैं जिन्हें ये महान संगीतज्ञ पसंद करते थे। एक बार विलायत ख़ान के एक शिष्य ने कहा था, 'मिरज का सितार केवल गाता नहीं है-वह सांस भी लेता है।' आज भी मिरज के कारीगर किसी स्वचालित मशीनरी का उपयोग नहीं करते। उनके औज़ार सरल हैं-छीनी, रेसर, हस्त-ड्रिल और लकड़ी की क्लैंप। कार्यशाला की प्रक्रिया सहयोगी होती हैः हर कारीगर किसी एक हिस्से में विशेषज्ञ होता है-चाहे वह तुम्बा (लौकी) को तराशना हो, डंडी (गर्दन) बनाना हो या फ़्रेट्स को स्वरलय देना हो। जो बात मिरज को विशिष्ट बनाती है, वह है इसकी कला से निकटता और आत्मीयता। यहां वाद्य तैयार नहीं किए जाते, उन्हें 'जन्म' दिया जाता है-हर संगीतज्ञ की हथेली, शैली और ध्वनि-रुचि के अनुसार विशेष रूप से। एक मिरज का सितार बनकर तैयार होने में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं, यह उसकी जटिलता और कारीगर की व्यस्तता पर निर्भर करता है। इस शिल्प का अधिकांश ज्ञान आज भी लिखित नहीं है। यह अवलोकन और मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है, जहां युवा शागिर्द अपने बड़ों की सहायता करते हुए सीखते हैं-लकड़ी की नसों, वार्निश की गाढ़ाई या फ्रेट संरेखण की बारीकियों को आत्मसात करते हुए। एक कारीगर ने कभी कहा था, 'आप केवल सितार बनाना नहीं सीखते-आप उसे जन्म लेने से पहले सुनना सीखते हैं।' वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन भी हो रहा है। आधुनिक शास्त्रीय संगीतज्ञों में हस्तनिर्मित वाद्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है, जिससे संरक्षण का एक धीमा, लेकिन स्थिर पुनरुत्थान हो रहा है।आज भी जब आप 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' से गुजरते हैं, तो कार्यशालाओं में गहरी एकाग्रता-भरा सन्नाटा गूंजता है। युवा लड़के अपने पिता और चाचा की सहायता करते हैं-छोटे औज़ार पकड़ाते हुए, फ्रेट काटते या नए तने हुए सितार को सुर में मिलाते हुए। हवा में रोज़वुड के बुरादे और वार्निश की सुगंध है, और कहीं पीछे एक तानपुरा धीरे-धीरे गुनगुना रहा है।

(लेखक आज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में प्राध्यापक हैं।)

स्वास्थ्य बीमा का आर्थिक बोझ कहां जाए आम आदमी?

मधुरेन्द्र सिन्हा

हाल ही एक खबर पढ़ी कि कोलकाता के 38 वर्षीय घोष साहब के सिर्फ 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा की पॉलिसी रिन्यूवल के लिए बीमा कंपनी ने 75,000 रुपए प्रीमियम मांगा। यह राशि 10 फीसदी नो क्लेम बोनस के बाद की है। प्रीमियम बेहद महंगे हो गए हैं और अफोर्डेबल नहीं रह गए हैं। स्विट्जरलैंड के री इंस्टीट्यूट ने भारत सहित दस देशों की रिसर्च के हवाले से बताया है कि पिछले साल से इंश्योरेंस महंगा होने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह इस साल और इसके अगले साल भी जारी रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गैर जीवन बीमा के प्रीमियम दुनियाभर के देशों के मुकाबले वर्ष 2024-25 में ज्यादा तेजी से बढ़े, जिनके अगले साल और तेजी से बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट में 2026 में बीमा प्रीमियम में 9.3 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है जो वैश्विक औसत वृद्धि दर 4.1 फीसदी के अनुमान का दोगुना है। हैरानी की बात है कि स्वास्थ्य जैसे जीवनरक्षक क्षेत्र पर टैक्स की भारी मार है। इस समय हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी है। पिछले कुछ सालों से इसे घटाने की मांग हो रही है लेकिन पिछली बार जब इसे घटाने का मुद्दा जीएसटी काउंसिल में गया तो कई राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विरोध किया। कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ चाहते थे कि इसे बाद में देखा जाए। यानी हेल्थ इंश्योरेंस से होने वाली कमाई का लाभ सभी उठाना चाहते हैं जबकि अपने राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाएं देने में फिसड्डी रहे हैं। दिल्ली तक में अस्पतालों की हालत खराब है। राज्यों में जो सरकारी अस्पताल हैं वे भारी भीड़ और कुप्रबंधन से परेशान हैं। नतीजा यह है कि बीमार होने

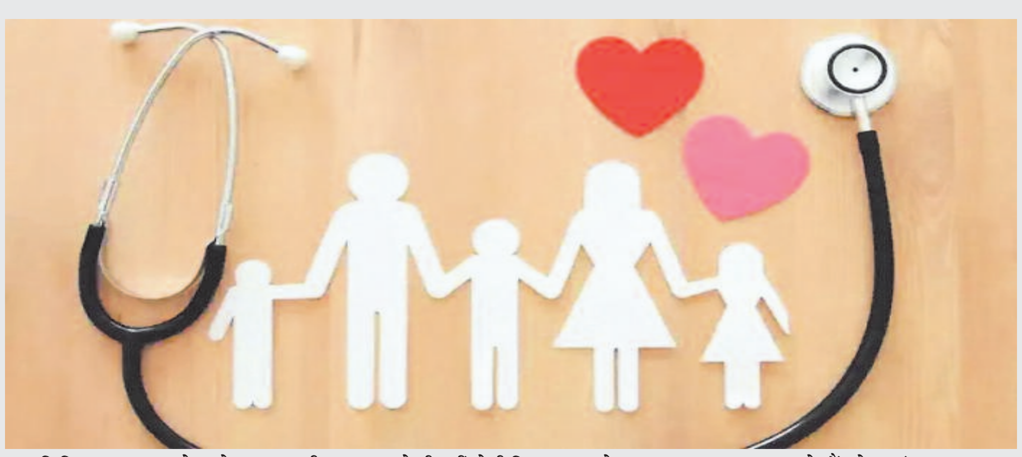

पर मिडिल क्लास के लोग सरकारी अस्पताल जाना नहीं चाहते क्योंकि वहां की हालत ऐसी नहीं होती कि सुगमता से इलाज कराया जा सके। और जब वे प्राइवेट अस्पताल जाते हैं तो वहां उनका बजट बिगड़ जाता है। आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 10 फीसदी लोगों के पास ही रिटेल इंश्योरेंस है। 18 करोड़ लोग ग्रुप इंश्योरेंस के दायरे में हैं। बीमा नियामक आईआरडीएआई के अनुसार देश में 90 करोड़ लोगों के पास बीमा नहीं है। आयुष्मान भारत में 30 करोड़ लोग बीमित हैं, लेकिन जनसंख्या का बड़ा हिस्सा इससे अभी दूर है। बीमा का दायरा बढ़ाने के बारे में कई बार मुहिम चली है लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात।

दुख की बात है कि मेडिकल खर्च में हर साल 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, डॉक्टरों की फीस और अस्पतालों का चार्ज बढ़ता ही जा रहा है। 1938 में बने बीमा कानून में 2021 में संसद ने संशोधन किया था। उसका उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे बीमाकर्ता कंपनी और पॉलिसी होल्डर के बीच बेहतर संबंध बनें तथा जल्दी दावों का निबटान हो। उस समय कहा गया था कि इसके बाद देश में बीमा व्यवसाय अधिक प्रोफेशनल होगा और देश में इसका प्रसार होगा। उस संशोधन के जरिये विदेशी कंपनियों को भारतीय बीमा कंपनियों में पहले के 49 फीसदी से बढ़ाकर 74 फीसदी निवेश करने की इजाजत दी गई थी। उस विधेयक के पारित होने के बाद माना जा रहा था कि देश में बीमा व्यवसाय फलेगा-फूलेगा और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा लेकिन कुछ खास नहीं हुआ। अब सरकार ने बीमा नियामक को कहा है कि वह प्रीमियम की ऊंची दरों के बारे में जांच करे और बिना क्लेम वाले ग्राहकों का बीमा अनाप-शनाप ढंग से बढ़ाने के मामले को देखे

(वरिष्ठ पत्रकार)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने किया जिला समिति का विस्तार

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति के अनुमोदन के बाद केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय ने साहिबगंज झामुमो जिला समिति क़ी सूची जारी कर दी.जारी सूची के अनुसार के अनुसार झामुमो पार्टी ने विभिन्न पदों पर बने जिला समिति का विस्तार किया है।जिसमे जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, उपाध्यक्ष संजीव श्यामू हेंब्रम,मो मोजजविल हक,अमरनाथ यादव,जेम्स किस्कू,सुरेंद्र यादव एवं जंग बहादुर सिंह उर्फ जेलबी सिंह को बनाया गया है। वही सचिव सुरेश टुडू को बनाया है।संगठन सचिव पद तमरूद्दीन शेख,फ्रांसिस हांसदा,सुनील टुडू ,बच्चू हांसदा एवं छवि हेंब्रम को बनाय।जबकि सह सचिव पद पर जय प्रकाश भगत,रहमान अंसारी,काजू मलिक एवं किनु सोरेन को बनाया गया। कोषाध्यक्ष पद सुरेश साह के जिम्मे दिया गया है।जहां राजा राम मरांडी को पार्टी का जिला प्रवक्ता बनाया।

दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौके पर मौत हो गई, और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो बरहेट मुख्य पथ के तेलो के पास गड्ढे में मोटरसाइकिल का संतुलन खो देने से दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौके पर मौत हो गई, और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शनिवार की देर रात्रि की है। मिली जानकारी के अनुसार बोआरीजोर थाना अंतर्गत मंगड़ा गांव का चांदू मरांडी 23 वर्षीय एवं पीपरजोरिया (गोड्डा) के राजेश हांसदा शादी घर बरहेट से अपने घर वापस लौट रहे थे। जहां बोरियो बरहेट के तेलो के पास गड्ढे में मोटरसाइकिल का संतुलन खो देने एवं पेड़ से टकरा जाने के कारण मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार चांदू मरांडी की मौत हो गई। मोटरसाइकिल के पीछे बैठा हुआ राजेश हांसदा घायल हो गया। वही राहगीरों ने घटना की सूचना बोरियों थाना पुलिस को दिया, सूचना मिलते ही मौके पर घटनास्थल पहुंचकर एएसआई सुधीर कुमार तिवारी ने दोनों को सीएचसी में लाए। जहां चिकित्सक डॉ पंकज कुमार गुप्ता ने मोटरसाइकिल चालक चांदू मरांडी को मृत घोषित कर दिया। मृतक की शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। सदर अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम होने के उपरांत पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतक केरल में मजदूरी का काम करता था और तीन दिन पहले ही केरल से अपने गांव आया था। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

धरमपुर गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड के बिशुनपुर पंचायत अंतर्गत धरमपुर गांव में बिजली संकट का समाधान झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तनवीर आलम के त्वरित हस्तक्षेप से संभव हो पाया। गांव में 63 केवी क्षमता वाला ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण उत्पन्न हुई परेशानी को देखते हुए तनवीर आलम ने महज सात घंटे के भीतर 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर स्थापित करवाकर ग्रामीणों को राहत प्रदान की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रांसफार्मर के जल जाने से धरमपुर गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई थी। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने तुरंत तनवीर आलम से संपर्क किया। सूचना मिलते ही उन्होंने बिना किसी विलंब के बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों से संवाद स्थापित किया और आवश्यक कार्रवाई हेतु आग्रह किया। तनवीर आलम के अथक प्रयासों और अधिकारियों के साथ समन्वय का परिणाम यह हुआ कि केवल सात घंटे के भीतर गांव में 100 केवी क्षमता वाला नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया। जैसे ही बिजली आपूर्ति बहाल हुई, पूरे गांव में हर्ष की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने तनवीर आलम के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया और उनके जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अखूतरूल इस्लाम, परवेज़ आलम, नफ़ीस आलम, अब्दुल बारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने तनवीर आलम के संवेदनशील और त्वरित पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। धरमपुर गांव में अब नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है और जन-जीवन पुनः सामान्य हो गया है।

आउटसोर्स कर्मचारी अपनी बारह सूत्री मांगो के समर्थन मे राजभवन रांची मे एक दिवसीय धरना दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए जारी नियमावली आउटसोर्स मेनूवल 2025 के विरोध में झारखंड राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ द्वारा अपनी बारह सूत्री मांगो के समर्थन मे राजभवन रांची के समक्ष धरना दिया !इस धरना मे साहिबगंज समाहरणालय मे कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर अभिषेक कुमार सिंह,पवन कुमार एवं बीरबल कुमार दास शामिल हुआ! आउटसोर्स कर्मचारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया क़ी हमलोग अपने निर्धारित चरणबद्ध आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए झारखंड राज्य के सभी आउटसोर्स कर्मचारी

राजभवन रांची के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया.उन्होंने बताया कि इस नियमावली में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया है।कर्मचारियों की मांग है कि सरकार इसमें संशोधन करते हुए 60 वर्ष तक सेवा सुरक्षा और वित्त विभाग के आलोक में संविदा कर्मियों के समान वेतन भुगतान करने का प्रावधान शामिल किया जाय।बता दें कि इस नियमावली को सभी ने कर्मचारी विरोधी नियमावली बताया और इसके विरोध में झारखंड के सभी आउटसोर्स कर्मचारियों से भारी संख्या में एकसाथ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। चाहे वो सफाई कर्मी हो, चाहे, कम्प्यूटर ऑपरेटर, अमीन, चालक, माली, रसोइया, स्वास्थ्य विभाग के सफाई कर्मी से लेकर तकनीकी कर्मी सभी ने इस बार सरकार से अपनी मांगे मनवाने की ठान ली है!

मुख्य मांगे-
नियमावली गठन के उपरांत झारखण्ड राज्य अंतर्गत सभी विभाग/ कार्यालयों (सचिवालय, प्रमण्डलीय, जिला, अनुमंडल ,प्रखण्ड अंचल स्तरीय एवं अन्य क्षेत्रीय कार्यालय सहित) में आउटसोर्स के माध्यम से पूर्व से कार्यरत कर्मियों को यथास्थिति कार्यालय एवं पद पर पूर्ववत रखा जाय,समान कार्य के बदले समान वेतन के सिद्धांत पर वित्त विभाग द्वारा संविदा पर कार्यरत कर्मियों के लिए किये गए प्रावधान के अनुरूप वेतन समान रूप से लागू किया जाय, वार्षिक वेतन वृद्धि राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप समान अथवा पूर्व की भांति 8त्न किया जाय, अमीन एवं अन्य तकनीकी कर्मियों, जिसे गैर-तकनीकी श्रेणी में रखा गया है, उन्हें तकनीकी श्रेणी में रखा जाय, राज्य सरकार के कर्मियों के तर्ज पर पितृत्व अवकाश लागू किया जाय, शपथ पत्र समर्पित करने के कंडिका को विलोपित किया जाय, राज्य के सभी कार्यालयों में आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत कर्मियों को 60 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षित किया जाय, प्रतिवर्ष कार्य मुल्यांकन के पश्चात् सेवा अवधि विस्तार की बाध्यता को समाप्त किया जाय, दुर्घटना के क्रम में शारीरिक अपंगत्ती होने पर बीमा के रूप में 05 लाख रुपया तथा दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात 10 लाख एकमुश्त भुगतान का प्रावधान किया जाय, चूँकि आउटसोर्स कर्मी एक अल्प वेतनभोगी कर्मी के रूप में राज्य सरकार को सेवा प्रदान करता है, वैसी स्थिति में उनके स्थानान्तरण की प्रक्रिया शिथिल रखा जाय, उपार्जित अवकाश का प्रावधान राज्य सरकार के कर्मियों के तर्ज पर लागू किया जाय, 10 वर्षों से सेवारत आउटसोर्स कर्मियों की सेवा नियमितीकरण का प्रावधान किया जाय।

कर्मचारी महासंघ की बैठक संपन्न

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। स्थानीय पुलिस लाइन शिव मंदिर परिसर में झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ, जिला शाखा-साहिबगंज की बैठक भरत यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का राज्य सम्मेलन जमशेदपुर शहर मेंआगामी 13 एवं 14 जुलाई 2025 को दो दिवसीय अधिवेशन के रूप में आयोजित है। जिसमें साहिबगंज जिला से अधिक से अधिक सभी सरकारी, आउटसोर्सिंग क्षेत्रीय एवं कार्यालय कर्मी, अनुबंध

कर्मियों को भाग लेंगे लेना।यह निर्धारित किया गया कि सभी विभागों एवं प्रखंडों में जाकर अधिक से अधिक संख्या में कर्मी अधिवेशन में भाग ले सकें इसके लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। कर्मियों के जाने के लिए अग्रिम रेल एवं बस रिजर्वेशन भी सुनिश्चित करना है।
जमशेदपुर राज्य सम्मेलन में समुचित सहयोग राशि देने के बात पर भी आपसी सहमति बनी।सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि हमारे संगठन के अध्यक्ष सेवानिवृत हो चुके हैं और जिला का सम्मेलन भी बकाया है। अतः नवंबर 2025 में जिला सम्मेलन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। आज सेवानिवृत्ति होने के बाद भी अध्यक्ष हमारे कार्यक्रमों में प्रमुखता से भाग लेते हैं एवं सक्रिय भागीदारी निभाते हुए हमारा मार्गदर्शन करते हैं।इसके लिए महासंघ की तरफ से उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद दिया गया। बैठक में जिला मंत्री राजीव पांडेय, प्रमंडलीय मंत्री श्रीमथियस बेसरा, अभिषेक कुमार, सदानंद कुवंर, राज नारायण यादव, मुन्ना रविदास, मुकेश यादव आदि ने भाग लिया।

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
हिरणपुर (पाकुड़) 10 से 26 जून तक चल रहे राज्यव्यापी नशामुक्ति अभियान के तहत हिरणपुर बाजार स्थित पीएम श्री मध्य विद्यालय लिट्टीपाड़ा में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम के तहत विद्यालय के छात्र एवं शिक्षक, शिक्षिकाओं ने नशा मुक्त बनाने की शपथ लिया शपथ

नॉर्थ कॉलोनी मालगोदाम पास एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ किसी

घटना कारित करने के उद्देश्य से मौजूद

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। अनुमंडल पुलिस कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिनांक 14 जून 25 को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह साहिबगंज को गुप्त सूचना मिली कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नॉर्थ कॉलोनी मालगोदाम पास एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ किसी घटना कारित करने के उद्देश्य से मौजूद है। पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा एक छापामारी दाल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा नॉर्थ कॉलोनी मालगोदाम के पास से एक व्यक्ति प्रकाश कुमार सिन्हा को पकड़ा गया।

प्रकाश कुमार सिन्हा के पास से एक लोडेड देशी कट्टा, जिंदा गोली बरामद किया गया। पुछताछ के क्रम में उसके द्वारा नगर थाना क्षेत्र में हाल में हुए गृहभेदन के मामले में भी अपनी सलिप्ता बतायी। प्रकाश कुमार सिन्हा के पास से दोनों गृहभेदन चोरी किया गया दो मोबाइल फोन, 40,635/- रू0 नगद एवं चोरी का समान बेचकर मिले 10,700 रुपए बरामद किए हैं। अवैध हथियार एवं गोली बरामदगी को लेकर नगर थाना कांड संख्या 96/25, दिनांक 14 जून 2025 धारा 25(1 बी) ए/26 आर्म्स एक्ट अंकित कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। अभियुक्त का पहले भी कई मामलों में नगर थाना में आपराधिक मामला दर्ज है और जेल जा चुका है। छापामारी दल में पुअनि अमित कुमार गुप्ता पुनि सह थाना प्रभारी, पुअनि प्रवीन कुमार प्रभाकर, पुअनि मुरली मनोहर सिंह, सअनि अजय कुमार, सअनि विजेंद्र कुमार सिंह, आरक्षित 207 संतोष कुमार पंडित, सभी नगर थाना साहेबगंज शामिल थे।

हर हाल में सतर्कता ज़रूरी : SP अमित कुमार सिंह की सख्त हिदायत मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी में दिए स्पष्ट निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। पुलिस लाइन स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रविवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की। उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को अपराध पर लगाम कसने के लिए पूरी तरह सतर्क और चौकस रहने का सख्त निर्देश दिया। एसपी ने कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में रात्रि गश्ती को प्रभावी बनाएं, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच करें और मोहल्लों में पेट्रोलिंग को नियमित किया जाए। उन्होंने चोरी, नशा, अवैध लॉटरी, जुआ और गांजे जैसे अपराधों पर विशेष निगरानी रखने को कहा।
इसके अलावा एसपी ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, लाल वारंटियों की गिरफ्तारी, वाहन जांच अभियान को मजबूती से चलाने और आमजन से बेहतर तालमेल स्थापित करने की बात कही। सूचना तंत्र को मज़बूत करने पर भी विशेष ज़ोर दिया गया। सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की को मिला सम्मान गोष्ठी के दौरान एसपी अमित कुमार सिंह ने कई गंभीर मामलों के सफल खुलासे के लिए सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की सहित अन्य अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।
इस बैठक में डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, प्रशिक्षु डीएसपी रूपक सिंह, राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल समेत कई थाना प्रभारी व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

साहिबगंज, विधिक सेवाएं सह मेगा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। तालझारी में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज,विधिक सेवाएं सह मेगा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन साहिबगंज जिला के न्यायाधीश सुमित कुमार वर्मा, बीडीओ पवन कुमार एवं अधिवक्ता अमरेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलित कर किया गया। विधिक जागरुकता शिविर कार्यक्रम में साहेबगंज न्यायधीश सुमित कुमार वर्मा ने बताया की वैसे व्यक्ति जिनको सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जितने भी अधिकारी एव कर्मी है वह गांव समाज में जाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दे, ताकि आम जनमानस सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। आम जनमानस की समस्या की समाधान को लेकर ही जिला विधिक सेवा पदाधिकार

शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमे लोग अपनी जन समस्या व सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओ को लेकर आवेदन कर सकते हैं। जिसकी समाधान की जायेगी। साथ ही आपकी किसी अन्य प्रकार की समस्या हो तो प्रखंड पदाधिकारी, अंचल के पदाधिकारी एवं थाना प्रशासन से सहयोग ले कर सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। इसके साथ साथ लोगों के बीच कानूनी सहायता से संबंधित जानकारी दिया गया। साथ ही बाल विवाह, बाल मजदूरी,डायन प्रथा, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा से संबंधित जानकारी दिया गया। साथ ही कहा कि छोटे-मोटे झगड़ों को बढ़ावा ना दे, आपस में ही सुलझाने का कार्य करें। कार्यक्रम के द्वौरान साहेबगंज के न्यायाधीश सुमित कुमार वर्मा के द्वारा लाभूकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री विरधा अवस्था पेंशन योजना की चार लाभुकों को स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना की तीन लाभुकों को स्वीकृति पत्र, बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तिय वर्ष 2025-26 के तहत तीन लाभुकों को स्वीकृति पत्र, 30 छात्र छात्राओं के बीच साइकिल वितरण, चार किसानों को धान बीज का वितरण, जेएसएलपीएस तालझारी संकुल संगठन को 12 लाख का चेक वितरण किया गया। कार्यक्रम के द्वौरान शिक्षा, बाल विकास, स्वास्थ्य, पशुपालन विभाग, क़ृषि सहित अन्य विभागों के स्टोल लगाए गए। मौके पर अधिवक्ता वकिल अमरेन्द्र कुमार सिंह, प्रेशकार सत्य प्रकाश, अधिकार मित्र अरूण तांती, अमरेन्द्र कुमार ठाकुर, मेघराय मुर्मू, शशि कांत दास, भगवान दास, मनरेगा बीपीओ रजनीश परासर, एजीएम मो अब्दुल सलाम, थाना के एस आई कन्हैया प्रसाद, सहित अन्य उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में सरकारी चापाकल खराब रहने से पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी बांका के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में समुचित पेयजल सुनिश्चित करने को लेकर चापाकल मरमती दल को रवाना किया गया है। लेकिन फुल्लीडुमर प्रखंड में पीएचईडी की उदासीनता के कारण इस भीषण गर्मी में लोग परेशान हैं। वहीं फुल्लीडुमर प्रखंड के उत्तरी कोझी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या

10 राजवाड़ा मंडल टोला चौपाल के पास स्थित सरकारी चापाकल एक महीने से खराब है। जिसे देखने वाला कोई नहीं। वहीं पीने के पानी की घोर समस्या से जूझ रहे रजवाड़ा गांव के ग्रामीण भोली मंडल, गुड्डू मंडल, मदन मंडल, सुनील मंडल, राकेश मंडल, अमृत मंडल, नकुल मंडल, रमेश पंडित, शंभो साह, दिनेश साह, संजू देवी सहित अन्य ने शनिवार को दिन के लगभग 10:30 बजे पीएचईडी विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उग्र प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। वहीं इसकी जानकारी देते हुए प्रदर्शनकारियों ने बताया कि गांव का कुआं सुख गया है। गांव में चौपाल के पास एक मात्र सरकारी चापाकल है जिससे पूरे गांव के लोग पानी पीते हैं। लेकिन यह सरकारी चापाकल एक महीने से खराब है। जिससे लोगों के सामने पीने के पानी की घोर समस्या उत्पन्न हो गई है। आगे प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कई बार पीएचईडी जेई एवं चापाकल मिस्त्री से शिकायत की गई लेकिन परिणाम शून्य है। वहीं इस संबंध में पीएचईडी जेई रामचरित मंडल से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो वह कुछ भी बोलने से इनकार किए। जबकि ग्रामीणों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार ने मामले पर संज्ञान लेते हुए यथा शीघ्र खराब सरकारी चापाकल ठीक कराते हुए ग्रामीणों के पेयजल की समस्या को दूर करने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

जमुआः पंकज मोबाईल एंड गिफ्ट पॉइंट का उद्घाटन झामुमो नेता महेंद्र कुमार ने फीता काटकर किया

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड अंतर्गत थाना रोड में पंकज मोबाईल एंड गिफ्ट पॉइंट का उद्घाटन झामुमो नेता सह पूर्व मुखिया हरला महेंद्र कुमार ने फीता काटकर किया। झामुमो नेता महेंद्र कुमार ने कहा कि जमुआ में इस तरह का दुकान खुलना काफी अच्छा है। कहा कि वर्तमान समय में मोबाईल लोगों की जरूरत का खास साधन बन गया है। इस टेक्नोलॉजी को रोजाना विस्तार हो रहा है। इसकी जरूरत अभी के समय में हर व्यक्ति को है। इसके बिना लोगों का कई काम बाधित हो जाता है। मोबाईल टैक्नोलॉजी ने दुनिया के कारण दुनिया के किसी भी हिस्से के लोग आपस जुड़े रहते हैं। मोबाईल ने लोगों के बीच शहरो की दूरी को खत्म कर दिया है। दुकान के संचालक पंकज कुमार ने कहा कि हमारे यहां मोबाईल उपभोक्ताओं के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी, विभिन्न कंपनियों का मोबाईल मार्केट दर पर लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। हमारे यहां मोबाईल, चार्जर, कवर, कनेक्टर एवं मशीन के द्वारा लेमिनेशन किया जाता हैं एवं परीक्षा का फॉर्म भी भरा जाता हैं। हमारे यहां फाइनेंस की भी सुविधा उपलब्ध है एवं हर प्रकार के गिफ्ट भी मिलते हैं। मौके पर बालगोविंद यादव, आलोक कुमार, कुणाल कुमार, मनीष कुमार, बिंदु कुमार, प्रवीण यादव, दिनेश कुमार, संजय कुमार, सिकंदर कुमार, पिंटू कुमार, मुकुल कुमार, रवि कुमार, साकेत सौरभ, प्रवीण कुमार, महेश कुमार, मनीष कुमार आदि कई मौजूद थे।

मजदूरों ने लगाया एजीएम पर रोजगार छीनने का आरोप

● मजदूरों के साथ वे खड़े हैं, मजदूरों के हक हकूक की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं: संजीत यादव ● मजदूरों के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए: रब्बुल हसन रब्बानी

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड के आपूर्ति गोदाम में वर्षों से कार्यरत एक दर्जन मजदूर गोदाम के अन्यत्र चले जाने से बेरोजगार हो गए हैं। मजदूरों ने इसके लिए विभाग से गुहार लगाई है और मजदूरों के हक मारने की एजीएम की इसे साजिश बतला रहे हैं। शनिवार को मजदूर प्रमुख एवं उप प्रमुख को लिखित आवेदन देकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। मजदूरों का कहना है कि वे 18 सालों से प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक जन वितरण की गोदाम में माल लोड अनलोड कर कमाते रहे हैं जिससे उनके और उनके परिवार के सदस्यों की परवरिश होती रही है। नए एजीएम बसंत पासवान ने राशन को गोलोडीह गोदाम में स्थानांतरित कर दिया है ताकि लोगों की नजरों से दूर रहकर जैसे तैसे काम करें। लेकिन इससे पेटहंडी के एक दर्जन मजदूरों के समक्ष रोजी रोटी के संकट आ खड़े हुए हैं। इस बाबत जागेश्वर यादव एवं निरंजन यादव ने कहा कि मजदूरों की अनदेखी करना एजीएम को महंगा पड़ेगा। उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी ने कहा कि मजदूरों के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने कहा कि मजदूरों के साथ वे खड़े हैं। मजदूरों के हक हकूक की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं। इनके साथ नाइंसाफी हुई तो वे चुप नहीं बैठेंगे। मौके पर सच्चिदानंद सिंह,दिगम्बर प्रसाद दिवाकर, रूपलाल दास ने कहा कि पेटहंडी के मजदूरों के हक को यदि मारा जाता है तो यह गलत के विरोध में वे हैं। मजदूरों में निरंजन कुमार, जागेश्वर यादव, बालेश्वर यादव, महेंद्र यादव, छोटू यादव, जगदीश। ठाकुर, रीतलाल यादव, अनूप यादव सहित कई लोग थे।

आजसू पार्टी के बैठक टंडवा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत रौनक होटल में आयोजित हुई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) आजसू पार्टी के एक बैठक टंडवा प्रखंड रौनक होटल में शुक्रवार को आयोजित हुई जिसमें अध्यक्षता सिकंदर मुंडा संचालन छात्र संघ अध्यक्ष जानकी महतो ने किया इस बैठक में मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव सह जिला प्रभारी पारस नाथ सिंह केंद्रीय सदस्य सह जिला प्रभारी उमेश मेहता केंद्रीय सदस्य सह जिला प्रभारी संदीप सिंह जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिवलाल दांगी केंद्रीय सदस्य नंदा थापा केंद्रीय सदस्य रणजीत गुप्ता उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के द्वारा सर्व समिति से टंडवा प्रखंड में आजसू प्रखंड प्रभारी शंकर गुप्ता माला पहनाकर स्वागत किया प्रभारी नियुक्त किया गया राजेश रजक जो पूर्व में पंचायत समिति सदस्य रहे उन्हें भी पार्टी में शामिल कराकर टंडवा प्रखंड का सह प्रभारी बनाया गया साथ साथ मदन गुप्ता को पार्टी में शामिल कराया गया। सभी को पार्टी में शामिल कराकर टंडवा प्रखंड में 19 पंचायत संगठन मजबूत करने का बोध कराया तथा 22 जून को स्थापना दिवस पर भी चर्चा किया गया बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारी अपना अपना विचार संगठन पर प्रकाश डाला। इस बैठक मे कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

जमुआ, प्रतिनिधि। वाहन चोरी की वारदात को रोकने के लिए जिला पुलिस कप्तान के निर्देश पर खोरीमहुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में जमुआ में टीम गठित की गयी। गठित टीम में शामिल पुलिस कर्मियों ने जमुआ द्वारपहारी रोड़ जमुआ रेलवे स्टेशन के पास बीते शनिवार की संध्या 7 बजे वाहन चेकिंग के दौरान जमुआ से गिरिडीह की ओर जा रहे बाइक सवार पुलिस को देख बाइक घुमाकर भागने का प्रयास किया। जिसे पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा। पकड़े गए कुलदीप सोनार उम्र 21 वर्ष पिता चंद्रिका सोनार शाकिन सोनबाद थाना बेंगाबाद जिसे होंडा एस पी 125 जिसके टूटे हुए नम्बर प्लेट पर सिर्फ 11 एम की जांचोपरांत चोरी की बाइक निकला। जमुआ थाना प्रभारी ने बताया 15 दिन पूर्व न्यू रेलवे स्टेशन जमुनिया टांड से चोरी की गयी थी जिसे बेचने जमुआ लाया था। पूछ ताछ में चोरी का एक और बाइक बरामद किया गया जेएच11एफ 4350 बरामद किया गया। बताया इस बाबत जमुआ थाना कांड संख्या 118/25 के तहत मामला दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया गया। गठित टीम में पुलिस निरीक्षक रोहित कुमार महतो, जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार, पुअनि रोहित कुमार सिंह, हरेंद्र कुमार सिंह, राकेश रोशन, वेदप्रकाश पांडेय, राजेश कुमार, सुमित कुमार सिंह सहित पुलिस बल शामिल थे।

गुजरात के विमान हादसे को लेकर किड्स जोन स्कूल में शोक सभा का आयोज

आदिवासी एक्सप्रेस/ लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद, पलामू। पलामू गुजरात में हुए दर्दनाक विमान हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई यात्रियों और चिकित्सा स्टाफ के आकस्मिक निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। इस हृदयविदारक दुर्घटना पर हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत हैदरनगर प्रखंड के किड्स जोन पब्लिक स्कूल में एक शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय के निदेशक कामरान खान व शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवम छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शोकसभा के दौरान विद्यालय परिवार ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। निदेशक ने कहा कि यह हादसा न केवल गुजरात बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। सभा में दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और ईश्वर से प्रार्थना की गयी कि वह दिवंगतों को चिरशांति प्रदान करें एवम शोकसंतप्त परिवारों को यह दुःख सहने की शक्ति दे। शोक व्यक्त करने वालों में रानी, रिया, अमिश जैद, फरहान, मीनाक्षी, लवकुश, अरमान आदि का नाम शामिल है।

चार दिवसीय टूर्नामेंट का हुआ समापन

सरगबाद की टीम ने जीत कर मारी बाजी

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड अंतर्गत कारोडीह पंचायत के ग्राम माधव में चार दिवसीय माधव प्रीमियर लीग सीजन 4 का आयोजन किया गया था, जिसमें आपको बता दें कि कुल 16 टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। जिसमें से फाइनल में खेलने वाला टीम पोबी मोड बनाम सरगबाद के बीच खेली गई , जिसमें दोनों टीमों ने 129 रन बनाकर मैच को ड्रॉ कर दिया, जहां फिर से सुपर ओवर कर सरगबाद की टीम 10 रनों के साथ प्रथम स्थान पर रही वहीं द्वितीय स्थान पर पोबीमोड की टीम रही। मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि मनीष कुमार वर्मा ने कमेटी के सभी लोगों की सराहना करते हुए कहा कि मधवा की कमेटी ने इस खेल के माध्यम से खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारने और दर्शकों के दिल को जीतने का काम किया है। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि दशरथ दास ने कहां खेल में हार और जीत होती रहती है, हमें खेल को खेल की नजरिया से देखना चाहिए, खेल शारीरिक और मानसिक मजबूती देता है। वही मौके पर समाजसेवी मंटू कुमार ,अहमद आसीन ,वार्ड सदस्य युनुस अंसारी ग्राम सदर शमसुद्दीन अंसारी ग्राम सेक्रेटरी उस्मान अंसारी मौलाना नईमुद्दीन, मौलाना नसीरुद्दीन कमेटी के सभी मेंबरगण और कई गणमान्य लोग एवं पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

चतरा विकास भवन में प्रोफेशनल मीट आयोजित

● मोदी सरकार ने अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाया विकास-चतरा सांसद

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार
चतरा। विकास भवन परिसर में शनिवार को आयोजित प्रोफेशनल मीट आयोजन किया गया। जहाँ चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद काली चरण सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बीते 11 वर्षों की विकास यात्रा का सार प्रस्तुत किया। सांसद श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई, बल्कि देश के उस अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुँचाया जो वर्षों तक उपेक्षित था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के उस तबके की पीड़ा को समझा, जिसे पहले केवल वोटबैंक समझा जाता था। उन्होंने गरीबों के लिए स्वाभिमान से जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि शौचालय निर्माण से महिलाओं को सम्मान मिला, उज्ज्वला योजना से रसोई में धुंआ मुक्ति मिली और आयुष्मान भारत ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच प्रदान किया। ऐसी योजनाओं ने केवल जरूरतें नहीं पूरी की, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी है। मीट में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफेशनल्स, शिक्षाविद, उद्यमी व समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने सांसद काली चरण सिंह के विचारों की सराहना करते हुए विकास यात्रा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद ने यह भी कहा कि आज भारत केवल भूगोल का नाम नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मगौरव से भरा हुआ राष्ट्र बन चुका है। इस दौरान संचालक भाजपा महामंत्री मृत्युंजय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता रजनीकांत सिन्हा, जितेंद्र जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक शर्मा, सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह, विद्यासागर आर्य , रंजय भारती सहित अन्य सम्मानित लोग मौजूद रहें।

देश के जवानों का सम्मान, वॉरियर डिफेंस एकेडमी हजारीबाग में अग्निवीरों का भव्य स्वागत किया गया

● एक सेना की 8 महीने की कठिन ट्रेनिंग पूरी कर लौटे वीर जवानों का नागरिक अभिनंदन, युवाओं में दिखा नया जोश

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। देश की सेवा में समर्पित हजारीबाग,चतरा एव अन्य जिलों के युवा जब भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित होकर 8 महीने की कठोर ट्रेनिंग पूरी करके लौटे, तो Warrior's Defence Academy ने उनका हौसलों भरा स्वागत किया। कर्जन ग्राउंड में आयोजित इस समारोह में युवाओं को फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया और पूरे परिसर में भारत माता की जय के नारों की गूंज सुनाई दी।

समारोह में चयनित अग्निवीरों के साथ-साथ तैयारी कर रहे सैकड़ों छात्रों की उपस्थिति रही। यह आयोजन न केवल सम्मान का प्रतीक था, बल्कि भविष्य के उम्मीदवारों के लिए भी एक प्रेरणा मंच बन गया।

इस वर्ष Warrior's Defence Academy के सैकड़ो छात्रों का चयन अग्निवीर योजना के तहत हुआ, जिन्होंने अब भारतीय सेना के विभिन्न ट्रेनिंग सेंटर्स में 8 महीने की अनिवार्य सैनिक प्रशिक्षण पूरी कर ली है। चयनित अभ्यर्थियों में चंदन कुमार यादव, श्रवण कुमार, सुबोध कुमार, राहुल यादव, सोनू गुप्ता, सुजीत यादव, चंदन सिंह, और कई अन्य नाम शामिल हैं, जिन्होंने कई महीने तक Warrior's Defence Academy में कठोर फिजिकल, लिखित और मेडिकल परीक्षा की तैयारी की। इन युवाओं ने बताया कि उनका यह सफर आसान नहीं था, लेकिन नियमित अभ्यास, समय का सही प्रबंधन और आत्मविश्वास ने उन्हें मंजिल तक पहुंचाया है। आज ये सभी अग्निवीर के जवानो ने देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा हेतु अपने कंधों पर वर्दी की जिम्मेदारी को गर्व से उठाया है।

कोच प्रेम कुमार ने कहा कि Warrior's Defence Academy हजारीबाग में युवाओं को सेना, पुलिस व अन्य सुरक्षाबलों की भर्ती परीक्षाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि एकेडमी में अनुशासित दिनचर्या, फिजिकल ट्रेनिंग, मॉक टेस्ट, मेडिकल व इंटरव्यू गाइडेंस जैसी सभी सुविधाएं दी जाती हैं।

इस सम्मान समारोह के दौरान उन विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली जो अभी तैयारी के दौर में हैं। चयनित अभ्यर्थियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि एकेडमी की गाइडेंस, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। इस सम्मान समारोह में नीतीश कुमार, सतीश मण्डल, किरण कुमारी, बब्ली कुमारी, अभिषेक कुमार, बलराम कुमार, अनिल यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, रवि, कृष्णा, एवं अन्य Warrior's Defence Academy के तैयारी कर रहे छात्र शामिल थे।

एक सौ के बी के ट्रांसफार्मर का उदघाटन

बिजली के मामले में क्षेत्र को आत्मनिर्भर कराने की जरूरतः संजीत

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड के पेटहंडी गांव में एक सौ के बी के ट्रांसफार्मर का उद्घाटन रविवार की शाम समारोहपूर्वक किया गया। उद्घाटन प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव एवं उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी ने की। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए बिजली विभाग के कर्मियों को इसके निदान के लिए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। कहा कि जिस तरह आज के दिन बिजली विभाग के कर्मियों ने सक्रियता दिखलाई उसी तरह रोज दिखलाते तो सूरत कुछ और होती। कार्यक्रम में ललन यादव, बिरेंद्र यादव, रमेश बजाज राजू यादव, लखन यादव, सुजीत सिंह, सरफराज, पूरण यादव, सोना यादव, रवि रजक, सुभाष यादव सहित कई लोग थे। उद्घाटन के बाद मिठाई का वितरण किया गया। उद्घाटन के पूर्व तार के मार्ग में तार से सम्पर्कित सभी पेड़ों की डाल को विभाग ने कटवा दिए।

11 सालों में लाखों-लाख असंगठित उद्योग बन्द हो गये/ दो करोड़ नौकरियों का वादा जुमला बन गयाः विनोद सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार के गलत नीतियों के कारण लाखों-लाख असंगठित क्षेत्र में उद्योग बन्द हो गया। जिससे लाखों लोगो की नौकरियाँ चली गयी। कृषि क्षेत्र के बाद छोटे उद्योगों में असंगठित मज़दूरों को सबसे बड़ा रोज़गार देने वाला क्षेत्र है। झूठे वादों से नौजवानों के भविष्य को ख़राब कर दिया। केन्द्र सरकार को शिक्षा, रोज़गार और ग़रीबी पर ज़वाब देना चाहिए। विकास के नाम पर भ्रम फैलाना, पूंजीपति मित्रों के अच्छे दिन लाना सरकार का मुख्य उद्देश्य रहा।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस के अवसर पर गंगा विहार स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धा आश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं। इनके नाम से ही आज हमारा नाम है। इनके होने से ही हमारा सब कुछ है। यदि यह नहीं होते तो हम भी नहीं होते। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। उनके अनुभवों को आत्मसात कर लाभान्वित होना चाहिए। उन्होंने वृद्ध आश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आज जो हमारी प्राचीन सभ्यता थी, उसका ह्रास होते जा रहा है। समाज में वृद्धों की उपेक्षा बहुत ही निंदनीय है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर आश्रम में रह रहे सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर विचार किया गया। सभी वरिष्ठ नागरिकों की ठीक से देखभाल करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में चीफ लीगल एड कौंसिल अरविन्द गोयल व उनकी टीम, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी और अन्य मौजूद थे।

रजा यूनिटी फाउंडेशन के पलामू जिला अध्यक्ष बने- जहांगीर आलम

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। रजा यूनिटी फाउंडेशन छत्तीसगढ़ के मुख्य अध्यक्ष जनाब शादाब आलम रिज़वी के निर्देश पर झारखंड के विभिन्न जिला में अध्यक्ष पद का चयन किया गया जिसमें पलामू जिला रजा यूनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष बनाए गए जहांगीर आलम अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद आलम ने कहा कि रजा यूनिटी फाउंडेशन को मजबूती प्रदान करेंगे साथ ही संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा रखते हुए अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे जहांगीर आलम ने रजा यूनिटी फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष शादाब आलम रिज़वी का शुक्रिया अदा किया फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा सशक्तिकरण पीड़ित महिलाओं को इंसाफ दिलाना और युवा सशक्तिकरण को मजबूती से आगे लाने का लक्ष्य है मौके पर आजाद समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पांकी विधानसभा विधायक प्रत्याशी मुमताज अहमद खान अकमल खान खालिद खान एजाज खान सलमान खान लियाकत अंसारी सदर हाफिज करी संजर साहब जसीम जी जसीम अंसारी महबूब वकील साहब एज़बुल हसन दिलावर खान तथा सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बोरिओ अंचल के बंदरकोला में पत्थर का अवैध व्यापार, उप प्रमुख की शिकायत पर कार्रवाई नदारद

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
बोरियो/साहिबगंज। साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड के मौजा बिंदेरी बंदरकोला में अवैध पत्थर खनन को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं, वे केवल स्थानीय स्तर की लापरवाही नहीं, बल्कि एक गहरे प्रशासनिक भ्रष्टाचार और मिलीभगत की ओर इशारा करते हैं। उप प्रमुख कैलाश प्रसाद द्वारा जिला खनन पदाधिकारी को सौंपे गए पत्र में साफ लिखा गया है कि मात्र 4 एकड़ की सरकारी स्वीकृति के बावजूद लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से पत्थर का उत्खनन किया गया है।

इस खनन में संलिप्त व्यवसायी सत्यनाथ साह का नाम सामने आया है, जिनपर आरोप है कि उन्होंने सरकारी नियमों की खुलेआम अनदेखी की और भारी पैमाने पर पत्थर का दोहन कर राजस्व को चूना लगाया। लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता का विषय यह है कि स्थानीय प्रशासनिक तंत्र सीओ, खनन विभाग और पुलिस इस अवैध कार्य के प्रति या तो आंख मूंदे बैठे हैं या फिर उनकी चुप्पी खुद संदेह के घेरे में है।

अंचल निरीक्षक की रिपोर्ट की नरमी अंचल निरीक्षक द्वारा की गई जांच में यह स्वीकार किया गया है कि कुछ अंशों में अवैध खनन हुआ है, लेकिन रिपोर्ट में किसी प्रकार की स्पष्ट अनुशंसा या कार्रवाई का उल्लेख नहीं है। यह आंशिक स्वीकारोक्ति कहीं न कहीं मामले को दबाने की कोशिश जैसा प्रतीत होता है।

विद्यालयों पर मंडरा रहा संकट
अवैध खनन केवल राजस्व की हानि का विषय नहीं है, बल्कि इससे स्थानीय विद्यालयों विशेष रूप से आदिम जनजाति विद्यालय बंदरकोला पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बारूद के धमाकों से विद्यालय भवनों में दरारें पड़ने और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर खतरे के संकेत हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि रिपोर्ट यह कहकर बच निकलती है कि विद्यालय फिलहाल बंद हैं, इसलिए प्रभाव का आकलन नहीं हो सका। क्या प्रशासन बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े मामलों में भी इतनी निष्क्रियता बरतेगा?

200 करोड़ का अनुमानित नुकसान, पर कार्रवाई शून्य
उप प्रमुख द्वारा लगाए गए 200 करोड़ के राजस्व नुकसान का आंकड़ा चौंकाने वाला है। यदि यह अनुमानित राशि सही है, तो यह न केवल खनिज सम्पदा की लूट है, बल्कि राज्य सरकार की वित्तीय क्षति भी है। सवाल यह भी है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर खनन बिना प्रशासनिक सहयोग या आंख मूंद लेने के संभव है?

क्या खनन माफिया पर लगाम लगेगी? यह मामला झारखंड में व्याप्त खनन माफियागिरी का एक उदाहरण मात्र है। यह प्रशासन और सत्ता के संरक्षण में पनप रही उस समानांतर अर्थव्यवस्था की तस्वीर है, जो न तो कानून मानती है और न ही समाज की जिम्मेदारियों को। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर प्रकरण में क्या ठोस कदम उठाता है। क्या दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी, या यह मामला भी कागजों में दफन होकर रह जाएगा? प्रशासन की निष्क्रियता और व्यवसायी की मनमानी मिलकर जब जनहित पर भारी पड़ने लगे, तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, लोकतंत्र के प्रति धोखा बन जाता है। बंदरकोला प्रकरण झारखंड सरकार और स्थानीय प्रशासन के लिए एक चेतावनी है यदि अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो इसका खामियाजा न केवल राजस्व को, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

पारिवारिक कलह से परेशान वृद्ध दंपती ट्रेन के सामने कूदा, मौत

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।

चांदन (बांका) आज रविवार दोपहर को एक वृद्ध दंपति की रेल से कट जाने की दर्दनाक घटना सामने आई है।मृतक वृद्ध दंपती चांदन थाना क्षेत्र के ललमटिया गांव निवासी थे।कथित रूप से पारिवारिक कलह से परेशान होकर दंपती ने रेलवे ट्रैक पर अंडाल एक्सप्रेस के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।मृतक दंपति की पहचान सुरेश दास उम्र 60 वर्ष और उनकी 55 वर्षीय पत्नी सुरजी देवी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार,वृद्ध दंपती का पिछले दो दिन से बीमार पत्नी का इलाज के लिए बेटा-बहू के साथ घरेलू तनाव चल रहा था। इसके बाद दोनों ने बिना बताए शनिवार देर शाम को घर से निकल गए थे। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई कहीं सुराग नहीं लगा। रविवार दोपहर को चांदन-जसीडीह रेलखंड के कोड़ाडीह गांव के समीप पोल संख्या 19/03 के पास रेलवे ट्रैक पर ग्रामीणों ने दोनों के शव देखे। जिसकी सुचना फौरन चांदन थाना और रेलवे पुलिस (जीआरपी) को घटना की सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों ने एक साथ देवघर से चांदन की ओर आ रही अंडाल एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी।पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।इस संबंध में चांदन थाना अध्यक्ष विष्णुदेव ने बताया कि घटना की प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।पड़ोसियों के अनुसार, सुरेश दास और उनकी पत्नी शांत स्वभाव के थे। दोनों के बीच पिछले कुछ महीनों से पारिवारिक कलह चल रही थी।घटना के बाद से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

इटखोरी में अबू बिक्रेज पॉइंट का हुआ उद्घाटन, टू व्हीलर पार्ट्स व सर्विसिंग की मिलेगा सुविधा

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी ग्रामीण बैंक के सामने रविवार को को अबू बिक्रेज पॉइंट नामक टू व्हीलर मोटरसाइकिल पार्ट्स दुकान एवं सर्विसिंग सेंटर का भव्य उद्घाटन किया गया। इस सेंटर में मोटरसाइकिल के सभी प्रकार के पार्ट्स उपलब्ध रहेंगे, साथ ही गुणवत्तापूर्ण सर्विसिंग की भी व्यवस्था की गई है।कार्यक्रम का संचालन अबू एवं मकसूद आलम द्वारा किया गया, जो इस सेंटर के संचालक हैं। अबू बिक्रेज पॉइंट के शुभारंभ से स्थानीय लोगों को मोटरसाइकिल के पार्ट्स और मरम्मत की बेहतर सुविधा अब अपने ही क्षेत्र में मिल सकेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न सिर्फ समय और पैसे की बचत होगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उद्घाटन के दौरान सभी अतिथियों ने दुकानदार को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य सरिता देवी,उप प्रमुख संजय गुप्ता, महाराजा बस के मालिक अब्दुल गफूर, मकसूद आलम, शहजाद सिद्दीकी, मोहिर आलम, इम्तियाज, महमूद आलम, समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को समर्पित मोदी सरकार के स्वर्णिम 11 वर्ष पूर्ण होने पर मांडर के टांगरबसली में संकल्प सभा का आयोजन

- **मोदी सरकार समाज की शुभचिंतक गरीबों की हितैषी है -सन्नी टोप्पो**

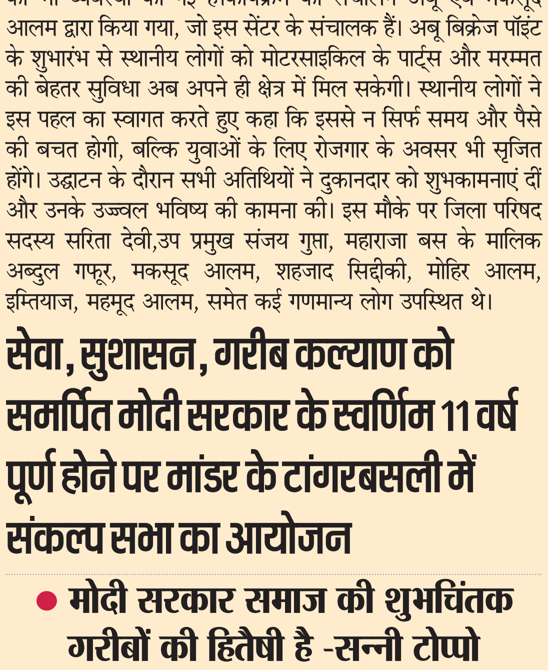

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्र निर्देशित कार्यक्रम संकल्प एवं 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के निमित आयोजित सभा आज रांची ग्रामीण जिले के मांडर विधानसभा के अंतर्गत टांगरबसली के महुआजाड़ी में हुई जिसमें बतौर मुख्य अतिथि एवं वक्ता भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे जनप्रिय नेता सन्नी टोप्पो उपस्थित हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जी के 11 वर्ष भारत को विकसित बनाने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण है समाज के सही शुभचिंतक एवं गरीबों के जल कल्याणकारी योजना से गरीबी उन्मूलन करने वाली , आदिवासी समाज को मुख्य धारा से जोड़कर उनके विकास करने साथ ही साथ शिक्षा स्वरोजगार कृषि जन जन तक भारत के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने के लिए संकल्पित सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर सहित भारत को भारत को परम वैभव पर पहुंचाने का जो कार्य भारतीय जनता पार्टी ने किया है ।हम सबका सौभाग्य है की नरेंद्र मोदी के जैसा प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधान सेवक हमें मिला है यह कार्यक्रम सभा महुआजाड़ी में आयोजित की गई थी। मौके पर मंडल अध्यक्ष पूरंजय महतो पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक साहू उपाध्यक्ष उपेंद्र महली राम उराव सोमा उराव तेंबा उराव रंजन शाही पप्पू शाही मुखिया संतोष किस्पोटा समाजसेवी नेतृत कर्ता मनोज किस्पोट्टा सहित अन्य अन्य पदाधिकारी हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दहेज लोभियों ने महिला की हत्या, तीन हिरासत में

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर।

चांदन (बांका) थाना क्षेत्र के पांडेयडीह गांव में देहेज लोभियों द्वारा एक 25 वर्षीय महिला की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है।घटना चांदन पंचायत के वार्ड नं 12 पाण्डेयडीह गांव की है ।मृतका की पहचान पाण्डेयडीह गांव के राज प्रकाश पाण्डेय की पत्नी प्रियंका पाण्डेय के रूप में हुई। मृतक महिला के माईके वाले की सुचना पर पहुंची चांदन थाना पुलिस ने घर के अंदर से संदिग्धावस्था मे महिला का शव बरामद कर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया है ।वहीं मृतका के भाई जमुई जिला के कल्याणपुर गांव निवासी विवेकानंद पाण्डेय पिता परमानंद पाण्डेय द्वारा दिए गये आवेदन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मृतका के पति राजप्रकाश पाण्डेय, ससुर जितेंद्र पाण्डेय उर्फ मल्लू पाण्डेय व सास सरिता देवी को हिरासत में ले लिया है। घटना को लेकर बताया जाता है कि मृतका के घरवालों ने महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की सुचना चांदन थाना पुलिस को दी थी। सुचना मिलते ही सदलबल पहुंचे थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार, अपर थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार और पु अ नि प्रीति कुमारी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। घरवालों के अनुसार पुलिस के पहुंचने के पूर्व ही शव को फांसी के फंदे से नीचे उतार लिया गया था। हालांकि इसी बीच मृतका के मायके वालों के आ जाने और दहेज को प्रताड़ित करने और नहीं देने पर हत्या कर देने का आरोप लगाने के बाद पुलिस ने मौत के सही कारणों के तह तक जाने के लिए फॉरेनसिक टीम को घटना स्थल पर बुलाया। फॉरेनसिक टीम द्वारा घटनास्थल से विभिन्न साक्ष्य इकट्ठा करने के बाद शव को घर से बाहर निकाला गया और आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया। मृतका के भाई के आवेदन पर पति राज प्रकाश पाण्डेय, ससुर जीतेन्द्र पाण्डेय, सास सरिता देवी, ननद रानी देवीव हनी देवी के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने और नहीं देने पर हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए घटना की प्राथमिकी करायी गयी है।इस संबंध में थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार ने बताया कि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर मृतका के सास, ससुर व पति को गिरफ्तार कर किया गया है। जिसे रविवार को बांका न्यायालय भेज दिया जाएगा।

अंबेडकर समग्र सेवा शिविर में ग्रामीणों की उपस्थिति नगण्य, कई विभाग के पदाधिकारी रहे अनुपस्थित

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

शनिवार को फुल्लीडुमर प्रखंड के उत्तरी कोझी पंचायत अंतर्गत महादलित टोला इटहरी मुसहरी में अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार आयोजित शिविर में आपूर्ति, बिजली, स्वास्थ्य ,पीएम आवास, आंगनबाड़ी, एचपी गैस, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज, भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। वहीं आयोजित शिविर में शिक्षा, मनरेगा, श्रम संसाधन, शिक्षा, कृषि आदि विभाग के काउंटर नहीं देखे गए। आयोजित शिविर में बहुत कम लोगों की उपस्थिति देखी गई। वहीं शिविर में लगाए गए सभी विभागों के अलग-अलग काउंटर पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। आयोजित शिविर के मौके पर मुख्य रूप से पंचायत सचिव नंदकुमार पंडित, पंचायती राज विभाग से राकेश कुमार, बिजली विभाग से संजय कुमार, आपूर्ति से पिंटू कुमार, आवास सहायक कुणाल प्रधान, विकास मित्र पंकज मांझी, एएनएम श्यामासुमन, स्वाति कुमारी, आशा राजकुमारी देवी, आंगनबाड़ी सेविका सुनीता कुमारी बेसरा सहित काफी कम संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। जबकि समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित शिविर का प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया।

दुलाली सोरेन की लगन और मेहनत ने बदली किस्मत, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना से जीवन में आया बदलाव

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड के सालपानी ग्राम के श्रीमती दुलाली सोरेन एक मध्यम परिवार की महिला घर गृहस्ती संभालते हुए किसी तरह अपनी जीविका चला रही थी। उनके परिवार के खर्चे और भविष्य की जरूरतों के हिसाव से बहुत मुशकिल से अपना घर चला रही थी। जीवन के इस मोड़ पर सोरेन को एक नई उम्मीद मिली जब उन्हे जिला मत्स्य कार्यालय, पाकुड़ द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिली। जिसके उपरांत उन्होंने जिला मत्स्य कार्यालय, पाकुड़ की मदद से 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक का निर्माण योजना का लाभ लिया एवं नए व्यवसाय की शुरूआत की। यह योजना उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर आई, जिसमें उन्हें यह विश्वास हुआ कि अगर मेहनत और लगन से किसी काम को करने से मंजिल तक पहुँचते देर नहीं लगती। उन्हें यह विश्वास हो गया कि सरकार ने जीवन यापन तथा रोजगार के लिये, अनेको अवसर दिये है, जरूरत है बस उन्हें लगन एवं समय पर धरातल में लाने के लिये मेहनतकश प्रयास की। आज श्रीमती दुलाली सोरेन ना केवल अपने जरूरतों को सहजता से पूरा करती है, बल्कि दूसरों के लिये प्रेरणा का स्त्रोत बन गयी है।

बायोफ्लॉक तालाब का निर्माण

श्रीमती दुलाली सोरेन ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक का निर्माण योजना के लिये वर्ष 2021-22 में जिला मत्स्य कार्यालय, पाकुड़ में आवेदन दिया, जिसकी कुल परियोजना लागत 7.50 लाख रूपये थी। उन्हें महिला कोटी में चयनित किया गया, जिसके तहत उन्हें 60 प्रतिशत अनुदान के रूप में 4.50 लाख रूपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। मत्स्य विभाग, झारखण्ड तथा जिला मत्स्य कार्यालय, पाकुड़ से मिले सहयोग से उन्होंने अपने कार्य की शुरूआत की और नए व्यवसाय की ओर कदम बढाया।

आर्थिक लाभ

श्रीमती दुलाली सोरेन, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) की एक लाभार्थी मछली बिक्री के माध्यम से अपने आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव ला चुकी हैं। श्रीमती दुलाली सोरेन प्रतिवर्ष 1400 कि0ग्रा0 मछली बिक्री कर लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये प्रतिवर्ष की आमदनी हो रही है। इस व्यवसाय से उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हो गयी है। इस व्यवसाय के माध्यम से सोरेन के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि समुदाय में भी रोजगार के अवसर बढ़े है।

समाजिक प्रभाव-

श्रीमती दुलाली सोरेन का यह उदाहरण साबित करता है कि सही योजना और मेहनत के साथ न केवल व्यक्तिगत आय में वृद्धि हो सकती है, बल्कि समाज में भी रोजगार के नए अवसर पैदा किये जा सकते है। इनकी यह सफलता की कहानी दिखाती है कि PMMSY जैसे अवसर महिलाओं को सशक्त बनाने और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम है।

निष्कर्ष-

श्रीमती दुलाली सोरेन की सफलता यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन और प्रयास से कोई भी महिला अपने जीवन को नया दिशा दे सकती है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक का निर्माण करके सरिता ने न केवल अपनी आय में वृद्धि की, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न किये है। इस योजना के जरीये उन्होंने न केवल अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत किया बल्कि समाज में भी महिलाओं के लिये प्रेरणा का एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी यह सफलता साबित करती है कि अगर इच्छाशक्ति और मेहनत मजबूत हो तो। कोई भी चुनौती बड़ा नहीं होती।

प्रताप संस्थान चावंड को मिला प्रताप लगातार दूसरी बार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शिक्षा शिरोमणि अवार्ड 2025

फूल शंकर डामोर उदयपुर

सलूंबर जिले के महाराणा प्रताप पुण्य स्थली चावंड के महाराणा प्रताप संस्थान चावण्ड को मिला लगातार दुसरी बार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शिक्षा शिरोमणि अवॉर्ड 2025 प्रदान किया गया! तथास्तु रिसॉर्ट उदयपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रताप संस्थान चावण्ड ने श्रेष्ठ बोर्ड परिणाम लगभग 50 बच्चों के विभिन्न बोर्ड क्लास में 90 से अधिक प्रतिशत ओर A Grade प्राप्त करने पर और लगातार दूसरी बार रिकॉर्ड के साथ 175+ बच्चों को राज्य स्तर पर खेलों में चयन होने पर, नई शिक्षा नीति में कोडिंग- गेमिंग- नवीन मेकर लेब के माध्यम से उत्कर्ष कार्य करने पर शिक्षाविदो आई.ई.एस गीतेश मालवीय, ज्योति शिक्षण संस्थान के निदेशक कुमावत साहब, अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल जीतेश श्री माली के हाथो निदेशक व ट्रस्टी प्रकाश शर्मा को लगातार दुसरी बार सम्मानित किया गया! निदेशक प्रकाश शर्मा ने इस सम्मान को अपने अभिभावकों, प्रिंसिपल, शिक्षकों, छात्रः छात्राओं को समर्पित किया और आने वाले वर्ष पुनः जिले और संभाग में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रण लिया! इस सम्मान के लिए टीम प्रताप के सह निदेशक मुकेश शर्मा, सह निदेशक बसंत कलाल और प्रिंसिपल मेडम पिंकी सिंह व समस्त अध्यापकों की मेहनत से ही सम्भव हुआ है, संस्थान इस सत्र में सिर्फ रिक्त कुछ सीटों पर ही प्रवेश दे रही हैं जो 5 जुलाई तक चलेंगे! इस सत्र में नवाचार करते हुए आज कि सबसे बड़ी समस्या जिसमें बच्चों में तनाव के कारण मोबाइल या स्क्रीन टाइम् को कम करने के प्रयास हेतु प्रताप किड्स जॉन के माध्यम से बच्चों को ध्यान योग और पारम्परिक खेलकूद के माध्यम से दूर रखने के सार्थक प्रयास किए जाएंगे! जैसे ही निदेशक प्रताप संस्थान चावंड को सलूंबर जिले का शिक्षा शिरोमणि अवार्ड 2025 मिला तो चावंड के स्कूली बच्चों अभिभावको स्कूली शिक्षको ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई और प्रताप संस्थान चावंड के निदेशक को फोन पर बधाई देने वालों का ताता लग गया।

रातू रोड फ्लाईओवर के नामकरण को लेकर रांची में सियासी घमासान

संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रातू रोड पर निर्मित बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड फ्लाईओवर के उद्घाटन से पहले इसका नामकरण विवादों के केंद्र में आ गया है। 19 जून को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा उद्घाटन से पहले इस फ्लाईओवर के नाम को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है।

राजनीतिक विश्लेषक हिमांशु कुमार ने फ्लाईओवर का नाम पूर्व समाजसेवी और राजनेता विनोद बिहारी महतो के नाम पर करने की मांग उठाई है।

बिनोद बिहारी वर्ष 1980 में अविभाजित बिहार में टुंडी सीट से जीत कर पहली बार विधायक बने. वर्ष 1985 में सिंदरी सीट से जीत कर दुबारा तथा वर्ष 1990 में फिर टुंडी से जीत कर लगातार तीसरी बार विधायक बने. वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में गिरिडीह संसदीय क्षेत्र से जीत कर पहली बार सांसद बने. उनका निधन 18 दिसंबर 1991 को हो गया. बाद में गिरिडीह लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में उनके बड़े पुत्र राजकिशोर महतो जीते और सांसद बने.

बिनोद बिहारी महतो ने वर्ष 1972 में सीपीएम से इस्तीफा दे दिया. 4 फरवरी 1973 को झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना हुई. झामुमो की स्थापना में दिशोम गुरु शिबू सोरेन व धनबाद के पूर्व सांसद एके राय भी उनके साथ थे. श्री महतो लगभग एक दशक 1983 तक झामुमो के अध्यक्ष रहे. अलग झारखंड राज्य की लड़ाई को धार दी. उनके इस प्रस्ताव के बाद से नामकरण को लेकर बहस छिड़ गई। दूसरी ओर, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस ने एकजुट होकर इस फ्लाईओवर का नाम झारखंड आंदोलन के नायक और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन के नाम पर रखने की अपील की है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा, शिबू सोरेन ने झारखंड के लिए जो बलिदान और संघर्ष किया, वह अतुलनीय है। इस फ्लाईओवर का नाम उनके नाम पर करना न सिर्फ उनके योगदान का सम्मान होगा, बल्कि यह झारखंड की जनता की भावनाओं का भी प्रतिनिधित्व करेगा। वहीं, कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा, ÷शिबू सोरेन झारखंड के सर्वमान्य नेता हैं। उनके नाम पर नामकरण से किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।÷

इसके अलावा, कुड़मी समाज ने भी इस फ्लाईओवर का नाम रघुनाथ महतो के नाम पर करने की मांग उठाई है। समाज के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से इस संबंध में अपील की है।

यह फ्लाईओवर, जिसकी लंबाई 4.17 किलोमीटर है और निर्माण लागत करीब 291 करोड़ रुपये है, रातू रोड पर पिछले चार दशकों से लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। हालांकि, सिरमटोली फ्लाईओवर के रैंप निर्माण को लेकर पहले ही सरना स्थल के पास आदिवासी संगठनों के विरोध का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे कार्तिक उरांव के नाम पर समर्पित किया था। नामकरण का यह विवाद अब सियासी रंग ले चुका है, और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। विश्लेषकों का मानना है कि उद्घाटन से पहले यह मुद्दा और गर्मा सकता है, जिसका असर झारखंड की राजनीति पर पड़ सकता है।

पाठ्यपुस्तक शिक्षक के लिए मार्गदर्शक होनी चाहिए, छात्र के लिए नहीं- रमेश चंद जैन

शिशु शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

पंकज नाथ,
आदिवासी एक्सप्रेस, असम

विद्या भारती से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम की वार्षिक साधारण सभा आज 15 जून, रविवार को शंकरदेव शिशु निकेतन और देवेंद्र-चंद्रप्रभा विद्या निकेतन, नलबाड़ी जिले के प्रेक्षागृह में आयोजित हुई। मातृभाषा माध्यम से शिक्षा प्रदान कर असम के शैक्षिक जगत में नवजागरण लाने में शिशु शिक्षा समिति, असम सफल रही है। 1979 में स्थापित इस समिति के अंतर्गत 529 शंकरदेव शिशु-विद्या निकेतन के माध्यम से यह संभव हुआ है। आज नलबाड़ी में सुबह 10:30 बजे दीप प्रज्वलन कर सभा की कार्यवाही शुरू की गई। शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती की अध्यक्षता में सभा के उद्देश्य की व्याख्या और गत वार्षिक साधारण सभा के प्रस्ताव और लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। सभा में असम राज्य विद्यालय शिक्षा परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद जैन, शिशु शिक्षा समिति, असम के मुख्य सलाहकार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्या भारती के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने अपने वक्तव्य में शिक्षा के मानदंड और प्रशासनिक दृष्टि से इसे और मजबूत करने का सुझाव दिया। शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने गुवाहाटी कार्यालय में मीडिया को बताया कि सभा में आगामी वर्ष की योजनाओं और प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें पारित किया गया। सभा में शिशु शिक्षा समिति तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए विशिष्ट सेवा देने वाले शांतिराम ठाकुरिया, भवेन तालुकदार, कबीराम बर्मन, योगेश चंद्र नाथ और रजनी शर्मा को सम्मानित किया गया। वार्षिक सभा में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदींद्र रायचौधुरी, प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के पंजीयक योगेश काकति, बाल शिक्षा समिति, असम की उपाध्यक्ष अनीमा शर्मा, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की पूर्व छात्र संयोजिका सपना देवी शर्मा समेत कई शिक्षाविद और पदाधिकारियों ने भाग लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश चंद जैन ने राष्ट्रीय माध्यम के शैक्षिक मानदंडों को बेहतर बनाने के लिए किए जाने वाले कार्यों और शिक्षकों की जिम्मेदारी पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाठ्यपुस्तक केवल शिक्षक के लिए मार्गदर्शक होनी चाहिए, छात्र के लिए नहीं होने चाहिए।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 27वें संस्करण की रौनक बढ़ाएंगे सांसद मनोज तिवारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता-गायक मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 27वें संस्करण की शान बढ़ाएंगे। यह आयोजन 15 जून को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा, जो फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में पीईएफआई अध्यक्ष डॉ. एके बंसल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कोच), 1992 एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोडारा, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़ के प्रोफेसर व निदेशक (खेल) डॉ. त्रिभुवन राम नारायण और सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब सोसाइटी दिल्ली के स्विमिंग कोच मनजीत शेखावत शामिल होंगे। इस साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां, साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, साई ट्रेनिंग सेंटर्स, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया सेंटर्स भी शामिल हैं। इस मुहिम में 15,000 से अधिक नागरिकों के भाग लेने की संभावना है।

एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप : भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने वॉल्ट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के जेचियोन जिमनैजियम में चल रही एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2025 में भारत की प्रणति नायक ने वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। हुए फाइनल में 30 वर्षीय प्रणति ने 13.466 स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने स्वर्ण और वियतनाम की गुयेन थी क्विन्ह न्हु ने रजत पदक जीता। वहीं भारत की ही एक और प्रतिभागी प्रतिष्ठा सामंता 13.016 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। यह कांस्य पदक प्रणति नायक के एशियाई चैंपियनशिप करियर का तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 (उलानबातार) और 2022 (दोहा) में भी वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने दीपा करमाकर के दो पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली जिम्नास्ट बन गई हैं। इस साल मार्च में भी प्रणति ने तुर्की के अंताल्या में हुए स्व्रद्धल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक अप्परैटस वर्ल्ड कप में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनका यह निरंतर प्रदर्शन भारतीय जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है : प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है। प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें।उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है।

जीता हुआ मैच हार गई टीम, गेंदबाज ने 1 गेंद पर लुटा दिए 8 रन

नई दिल्ली। तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 के 9वें मैच में आईड्रीम तिरुप्पुर तमिजहंस और एसकेएम सेलम स्पार्टन्स की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एक समय तिरुप्पुर की जीत तय मानी जा रही थी, लेकिन 19वें ओवर में गेंदबाज एसाकिमुथु ए की महंगी गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। सेलम स्पार्टन्स ने यह मैच 4 विकेट से जीतकर सभी को हैरान कर दिया।मैच के 19वें ओवर में तिरुप्पुर तमिजहंस के कप्तान साई किशोर ने एसाकिमुथु ए को गेंदबाजी सौंपी। इस ओवर में एसाकिमुथु ने 25 रन खर्च किए। ओवर की शुरुआत में उन्होंने 5 गेंदों पर 17 रन दिए, उसके बाद लगातार 4 नो बॉल डालीं, जिन पर सेलम स्पार्टन्स ने 8 रन बनाए। इस ओवर ने तिरुप्पुर की जीत की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तिरुप्पुर तमिजहंस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 177 रन बनाए।

भारत-इंग्लैंड विकलांगता टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले के साथ समावेशी क्रिकेट सम्मेलन का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। विकलांगता क्रिकेट के उज्जवल भविष्य की रूपरेखा तय करने और खेलों में समावेशिता, समानता और पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व स्तर के ब्रांड्स, खेल बोर्डों और समावेशन के पैरोकारों ने भाग लिया। इस पहल का नेतृत्व 'स्वयम्' संस्था ने किया, जो लंबे समय से खेल समेत सभी क्षेत्रों में विकलांगजनों के लिए एक समावेशी और सुलभ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यरत हैसम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विकलांगता क्रिकेट को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना था। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि खेल के जरिए सामाजिक बाधाओं को तोड़ा जा सकता है और समावेशन को बढ़ावा दिया जा सकता है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे वाइटेलिटी

मिक्स्ड डिसएबिलिटी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच का लाइव प्रसारण रहा, जिसने उपस्थितजनों को समावेशी क्रिकेट की संभावनाओं और प्रतिभा की एक प्रेरणादायक झलक दी।

भारतीय विकलांगता क्रिकेट टीम का स्क्वाडः रवींद्र गोपीनाथ सांते (कप्तान), वीरेंद्र सिंह (उपकप्तान), विक्रांत रविंद्र केनी, राधिका प्रसाद, राजेश इरप्पा कन्नूर, योगेंद्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे, साई आकाश, उमर अशरफ, संजू शर्मा, अभिषेक सिंह, विवेक कुमार, विकास गणेशकुमार, प्रवीण नैलवाल, ऋषभ जैन, तरुण

रिजर्व खिलाड़ी: माजिद मैगराय, कुलदीप सिंह, कृष्णा गौड़ा, जितेन्द्र नगराजू

इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ मैदान पर भारत का प्रतिनिधितव किया, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी दिया कि 'खेल सबका है'। इस पहल से प्रेरणा लेकर अन्य खेल संगठनों और संस्थाओं के लिए भी यह एक मिसाल बन सकती है।

'स्वयम्' की संस्थापक और समावेशिता की मुखर पैरोकार सविता चौधरी ने कहा, हमारा सपना है एक ऐसा भारत और एक ऐसी दुनिया, जहां कोई भी व्यक्ति उसकी शारीरिक क्षमता के आधार पर अवसरों से वंचित न रह जाए। विकलांगता क्रिकेट इसका ज्वलंत उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-2 से हराया, अभिषेक का डबल गोल गया बेकार

एजेंसी

एंटवर्प। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपियन चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा। खेले गए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में कमजोर पड़ती डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर पर मिली गोलों की मार ने भारत को 3-2 से हार का स्वाद चखायाटीम इंडिया के लिए अभिषेक (8', 35') ने दो शानदार गोल किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एफराम्स (42'), जोएल रिंटाला (56') और टॉम क्रेग (60') ने गोल कर अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई। भारत की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। 8वें मिनट में मनप्रीत सिंह (जो अपने 399वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेल रहे थे) के मिडफील्ड से मिले शानदार पास को अभिषेक ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दो मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर से वापसी की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार सेव कर भारत की बढ़त बरकरार रखी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी लय बनाए रखी और ऑस्ट्रेलियाई हमलों को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत की रणनीति सतर्कता की रही। मनदीप सिंह द्वारा मनप्रीत को दिए गए तेज पास से भारत गोल करने के करीब पहुंचा लेकिन गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन इसी बीच 35वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार असिस्ट पर अभिषेक ने एक और गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 42वें मिनट में नाथन एफराम्स के गोल से खाता खोला। इसके बाद अंतिम क्वार्टर भारत के लिए चुनौतीभरा साबित हुआ। सूरज करकेरा ने कई बेहतरीन बचाव किए।

मध्य प्रदेश लीग 2025: रीवा जैगुआर्स की आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत, ग्वालियर चीता को 6 रन से हराया

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सरांश सुराना के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत रीवा जैगुआर्स ने मध्य प्रदेश लीग के चौथे मुकाबले में ग्वालियर चीता को 6 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। ग्वालियर चीता के कप्तान पार्थ साहनी द्वारा टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनने के बाद रीवा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। कप्तान हिमांशु मंत्री ने संयमित अंदाज़ में 42 गेंदों में 53 रन बनाए, हालांकि चोट के चलते उन्हें बीच में ही मैदान छोड़ कर जाना पड़ा। पृथ्वीराज सिंह तोमर ने भी 30 गेंदों में 42 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि असली आतिशबाज़ी दिखाई सरांश सुराना ने, उन्होंने मात्र 25 गेंदों में 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 64 रन बनाए, जिसने रीवा को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में मदद की। ग्वालियर के लिए अर्पित पटेल ने तीन तो आकाश रघुवंशी ने दो विकेट झटके। जवाब में ग्वालियर चीता ने सलामी बल्लेबाज पार्थ चौधरी के 25 गेंदों में 41 रनों की बदौलत तेज शुरुआत की, लेकिन उसके बाद लगातार विकेट गिरने के चलते टीम 16वें ओवर तक 7 विकेट के नुकसान पर महज 116 रनों तक ही पहुंच पाई। हालांकि उसके बाद रिषभ चौहान ने 32 गेंदों में 55 रन बनाकर मुकाबले को एक बार फिर रोमांचक बना दिया। उनका साथ निभाया अर्पित पटेल ने, जिन्होंने 14 गेंदों में 28 रन बनाए। आखिरी ओवर में ग्वालियर को जीत के लिए सिर्फ 15 रन चाहिए थे और रीवा ने गेंद थमाई दिन के हीरो सरांश सुराना को। उन्होंने संयम के साथ केवल 8 रन दिए और अपनी टीम को टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस जीत में रीवा के अनुभवी स्पिनर कुमार कार्तिकेय की भी अहम भूमिका रही, उन्होंने अपने स्पेल के दौरान 4 विकेट झटके। मैच के बाद रीवा के सीनियर गेंदबाज़ कुमार कार्तिकेय ने कहा, मैंने अपनी बेसिक गेंदबाज़ी पर ध्यान दिया। मेरी भूमिका टीम के मुख्य बॉलर की है, इसलिए मुझे अपनी ज़िम्मेदारी के अनुसार प्रदर्शन करना होता है। मेरा दूसरा ओवर अच्छा नहीं गया, लेकिन मैंने ठान लिया था कि मैं वापसी करूंगा और मैं उसमें कामयाब रहा। उन्होंने सरांश की तारीफ़ करते हुए कहा कि, हमें सरांश पर पूरा भरोसा है। आज का दिन हर मायने में उसका था, फिर चाहे बल्ले से हो या बॉल से। आखिरी ओवर से पहले मैंने बस उनसे इतना कहा कि विपक्ष को 15 रन चाहिए, लेकिन यहां छक्के मारना इतना आसान नहीं है। हमें छह परफेक्ट गेंदें नहीं बस तीन सटीक गेंदें चाहिए और अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो मैच जीत जायेंगे और वैसा ही हुआ। आगे के मैचों की रणनीति पर कार्तिकेय ने कहा, हम लगातार जीतों के बारे में नहीं सोच रहे। हमारा ध्यान एक समय में एक ही मैच पर है। हम अगला मैच देखेंगे, आज की गलतियों से सीखेंगे और उन्हें दोहराने से बचेंगे। इस जीत के साथ रीवा जैगुआर्स एमपीएल 2025 में शुरुआती दौर के प्रमुख दावेदारों में शामिल हो गई है, वहीं ग्वालियर चीता को दो करीबी हारों के बाद वापसी की राह तलाशनी होगी।

हुलनकोर्ट विमेंस ओपन में अवनी प्रशांत शीर्ष पर, फाइनल राउंड में एक शॉट की बढ़त

एजेंसी

हुलनकोर्ट (बेल्जियम)। भारत की युवा गोल्फर अवनी प्रशांत ने हुलनकोर्ट विमेंस ओपन के तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 अंडर 68 का स्कोर कार्ड किया और टूर्नामेंट की सोलो लीड अपने नाम कर ली है। अब फाइनल राउंड में वह एक शॉट की बढ़त के साथ उतरेंगी। 18 वर्षीय अवनी ने चार बर्डी लगाई, जबकि उनका एकमात्र बोगी 18वें होल पर आया।

ठंडी और अनुकूल मौसम की स्थिति में खेले गए इस राउंड में अवनी का खेल संयमित और रणनीतिक रहा। अवनी ने राउंड के बाद कहा कि आज हवा की दिशा बदल गई थी, जिससे यह कोर्स बिल्कुल अलग लग रहा था। कुछ जगहों पर मुझे सतर्क होकर खेलना पड़ा। मैंने पूरे दिन धैर्य बनाए रखा। 14वें होल पर अवनी ने ग्रीन के बाहर से एक शानदार बर्डी पुट लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उन्होंने कहा, मैंने उस शॉट की दूरी का थोड़ा गलत अनुमान लगाया था, लेकिन सौभाग्य से सब ठीक रहा। आज मौसम भी थोड़ा ठंडा था, जिससे खेलने में आसानी हुई। कल घबराहट जरूर होगी, लेकिन मैं उसपर ध्यान नहीं देती। मुझे दबाव में खेलना अच्छा लगता है और मैं आमतौर पर चेज करना पसंद करती

गर्मी के कारण ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन आज वैसा कुछ नहीं हुआ। फाइनल राउंड को लेकर अवनी ने कहा कि थोड़ी हूं, लेकिन इस बार लीड में हूं। कोशिश करूंगी कि कल अपना सर्वश्रेष्ठ दूं और देखूं क्या नतीजा आता है।

महिला बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2025: हिलांग याजिक ने जीता एक स्वर्ण और एक रजत पदक

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश की हिलांग याजिक ने 11 से 15 जून तक भूटान की राजधीनी थिम्पू में आयोजित 15वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स चैंपियनशिप-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया है। हिलांग याजिक ने पदक जीतकर भारत और अरुणाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है।

हिलांग याजिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुणाचल प्रदेश की पहली महिला फिजिक्स स्पोर्ट्स एथलीट बन गई हैं। यह जानकारी अरुणाचल बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष

नबाम टूना ने दी। एक बयान जारी कर उन्होंने बताया कि याजिक की उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि, वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी उल्लेखनीय है।

दरअसल, भूटान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित 15वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2025 में कई देशों की भागीदारी थी। इसे वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स फेडरेशन और एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

ग्लोबल सुपर लीग 2025 : घरेलू मैदान पर खिताब की रक्षा को तैयार गुयाना अमेजन वॉरियर्स

एजेंसी

जॉर्जटाउन (गुयाना)। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने एक्सॉनमोबिल ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2025 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम अपने घरेलू मैदान - गुयाना नेशनल स्टेडियम, प्रोविडेंस पर खिताब की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव से भरपूर इस टीम में युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे एक मजबूत दावेदार बनाता है। 2024 के उद्घाटन संस्करण में तीसरे स्थान पर रही वॉरियर्स टीम ने इस बार कुछ अहम बदलाव किए हैं। हालांकि टीम की कोर संरचना बरकरार रखी गई है। टीम की अगुवाई अनुभवी खिलाड़ियों जैसे इमरान ताहिर, मोईन अली, रोमारियो शेफर्ड और गुडाकेश मोती कर रहे हैं। टीम में इस बार नए चेहरों के रूप में उभरते विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्र्यू और आमिर जंगू को शामिल किया गया है। इसके अलावा टॉप-ऑर्डर के विस्फोटक बल्लेबाज़ जॉनसन चार्ल्स और एविन लुईस को भी टीम में जोड़ा गया है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन गेंदबाज़ी आक्रमण को और मज़बूती देंगे। वापसी करने वाले अफगान बल्लेबाज़ रहमनुल्लाह गुरबाज़, जिनका कैरेबियन प्रीमियर लीग में अच्छा रिकॉर्ड रहा है, भी टीम का हिस्सा हैं। आयरिश तेज गेंदबाज मार्क अडेयर और पाकिस्तानी ऑलराउंडर साउद शकील भी टीम की गहराई और विविधता को बढ़ाएंगे। टीम को इस सीजन में कुछ बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का सामना भी करना पड़ेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता डब्ल्यूटीसी चैम्पियनशिप फाइनल्स का खिताब, खत्म किया 27 साल का सूखा

एजेंसी

लंदन। एडन मार्करम की शानदार शतकीय पारी, कप्तान टेम्बा बावुमा और तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट क्रिकेट में पहली विश्व खिताबी जीत है और आईसीसी टूर्नामेंट में उनकी दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उन्होंने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (जो बाद में चैंपियंस ट्रॉफी कहलाया) जीती थी। यानी 27 साल बाद दक्षिण अफ्रीका ने कोई आईसीसी खिताब अपने नाम किया है। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने चोकर्स का टैग भी उतार फेंका और लॉर्ड्स के मैदान पर अपने

क्रिकेट इतिहास का सबसे गौरवशाली अध्याय जोड़ा। एडन मार्करम को उनकी शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। एडन मार्करम की ऐतिहासिक और टेम्बा बावुमा की संयमित पारी ने रखी जीत की नींव फाइनल मुकाबले में एडन मार्करम ने 136 रनों की ऐतिहासिक शतकीय पारी खेली, जिसने जीत की नींव रखी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने भी संयमित 66 रनों की अहम पारी खेली। गेंदबाज़ी में कगिसो रबाडा ने दोनों पारियों में घातक प्रदर्शन करते हुए कुल 9 विकेट चटकाए। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 58* रनों की लड़ाकू पारी खेली और कुल 3 विकेट भी लिए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। कगिसो रबाडा ने मैच में कुल 9 विकेट चटकाए (पहली पारी में 5/51 और दूसरी में 4/59), जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर टूट गई। हालांकि मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में नाबाद 58 रन बनाकर संघर्ष किया और कुल 3 विकेट भी लिए, लेकिन वो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार करारा झटका रही, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में टीम ने हाल ही में एशेज, पिछली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किए थे।

स्टीव स्मिथ ने उंगली की चोट पर दिया अपडेट

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपनी चोट और क्रिकेट में वापसी पर अपडेट दिया है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उन्हें उंगली में चोट लग गई थी। स्मिथ को उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ कैरेबियाई दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलेंगे। स्टीव स्मिथ के कैच लेने के प्रयास में अपनी उंगली में चोट लग गई और बाद में तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में कम्पाउंड डिस्लोकेशन के बाद उन्हें पास के अस्पताल में एक्स-रे के लिए भेजा गया। स्मिथ के लिए प्रारंभिक रिकवरी काफी अच्छी रही है और 36 वर्षीय खिलाड़ी सर्जरी से बच गए। उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका है। स्मिथ ने कहा,मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में मैं इसके साथ खेल सकूं। यह मेरी कार्यक्षमता और मैं क्या कर सकता हूं।

आईएसएसएफ विश्व कप 2025: आर्या-अर्जुन की जोड़ी ने 10 मीटर एयर रायफल स्पर्धा में जीता स्वर्ण

एजेंसी

म्यूनिख। भारत के आर्या बोर्से और अर्जुन बाबुता की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के ज़ीफेई वांग और लिओहाओ शेंग की जोड़ी को 17-7 से हराकर आईएसएसएफ विश्व कप 2025 की 10 मीटर एयर रायफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में कुल 635.2 का स्कोर किया था, जो वांग और शेंग की रिकॉर्ड 635.9 के ठीक पीछे रहा। यह स्कोर विश्व रिकॉर्ड के बहुत करीब था। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 और अर्जुन ने 317.7 अंक हासिल किए। इससे पहले आर्या बोर्से ने इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में आयोजित विश्व कप में रुद्रांक्ष पाटिल के साथ मिलकर चांदी का तमगा जीता था। इस स्पर्धा में भारत की एक और जोड़ी एलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव 631.8 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और फाइनल के लिए

क्वालिफाई नहीं कर सकीं। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हेरमन हेग की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता, जिन्होंने अमेरिका की सेजन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी की जोड़ी को 16-14 से मात दी। इस जीत के साथ भारत के लिए यह इस विश्व कप का चौथा पदक और दूसरा स्वर्ण पदक रहा। इससे पहले सुरुचि सिंह ने स्वर्ण, जबकि सिफ्त कौर समरा और एलावेनिल वलारिवन ने अपने-अपने व्यक्तिगत इवेंट्स में कांस्य पदक जीते थे।

आईसीसी ने एकदिनी क्रिकेट के दो गेंद नियम और कंकशन-सब्स्टीट्यूट प्रोटोकॉल में किया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)ने वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के नियम और कंकशन सब्स्टीट्यूट प्रोटोकॉल में अहम बदलाव को मंजूरी दे दी है। ये नए नियम 17 जून से टेस्ट, 2 जुलाई से वनडे और 10 जुलाई से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लागू होंगे।

अब ऐसे लागू होगा दो गेंदों का नियम

अब तक पुरुषों के वनडे मुकाबलों में एक पारी में दो नई गेंदों का इस्तेमाल होता था– एक-एक गेंद दोनों सिरों से, लेकिन नए नियम के अनुसार, एक पारी में 34 ओवर तक दोनों सिरों से नई गेंदों का प्रयोग जारी रहेगा। इसके बाद, 35वें ओवर से 50वें ओवर तक गेंदबाजी टीम दो में से एक गेंद चुनकर उसका उपयोग दोनों सिरों से करेगी। आईसीसी ने कहा कि इस बदलाव का उद्देश्य बल्लेबाज और गेंदबाज के बीच संतुलन स्थापित करना है। यदि किसी वनडे मैच की पारी की शुरुआत से पहले ओवरों की संख्या 25 या उससे कम कर दी जाती है, तो पूरी पारी के लिए सिर्फ एक नई गेंद का ही उपयोग होगा।

कंकशन-सब्स्टीट्यूट में पारदर्शिता के लिए सख्त नियम

अब से, किसी खिलाड़ी के सिर पर चोट लगने (कंकशन) की स्थिति में बदलाव किए गए

खिलाड़ी (सब्स्टीट्यूट) की अनुमति पहले से तय नामों की सूची के आधार पर दी जाएगी। टीमों को मैच शुरू होने से पहले पांच विशेष भूमिकाओं में एक-एक खिलाड़ी नामित करना होगाः

- एक विकेटकीपर
- एक बल्लेबाज
- एक तेज गेंदबाज
- एक स्पिनर
- एक ऑलराउंडर

उदाहरण के तौर पर, इस साल जनवरी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे के स्थान पर गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा था। राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3/33 विकेट लिए थे, लेकिन यह चयन विवादित रहा। नई सूचीबद्ध प्रणाली ऐसे विवादों को रोकने में मदद करेगी।

यदि बदले गए खिलाड़ी को भी कंकशन हो जाए, तो मैच रेफरी को इस सूची से बाहर का खिलाड़ी चुनने की छूट होगी, लेकिन वह 'लाइक-फॉर-लाइक' (समान भूमिका) सिद्धांत के अनुसार ही होगा।

कैच पकड़ने के नियमों में भी बदलाव

मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कैच पकड़ने के नियमों में भी संशोधन किया है। अब बनी हॉप (बाउंड्री के बाहर जाकर हवा में कूदकर कैच पकड़ना और वापस मैदान में आना) की अनुमति नहीं होगी।

भारत में औपचारिक नौकरियों में उछालः इनडीड

बेंगलुरु । लगातार आठ महीने की गिरावट के बाद इस वर्ष मई में नौकरियों की पोस्टिंग में जबरदस्त 8.9 प्रतिशत वृद्धि देखी गयी है। ग्लोबल मैचिंग और हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड द्वारा जारी नए आंकड़ों के मुताबिक हालांकि यह एक साल पहले के मुकाबले 1.8 प्रतिशत और अपने शिखर से लगभग 16 प्रतिशत कम है। हाल ही में हुई गिरावट के बाद भी भारतीय नौकरियों की पोस्टिंग कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में लगभग 80 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और स्विटजरलैंड जैसे कई देशों में पोस्टिंग वॉल्यूम इस समय कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में कम करता है। अगर इस तुलना को देखा जाए, तो भारत में पोस्टिंग वॉल्यूम बहुत अच्छा है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत व्यवसायों में नौकरियों की पोस्टिंग पिछले तीन महीनों में काफी बढ़ी है। सबसे ज्यादा नौकरियाँ चाइल्डकेयर (27 प्रतिशत), पर्सनल केयर एवं होम हेल्थ (25 प्रतिशत), शिक्षा (24 प्रतिशत) और उत्पादन एवं विनिर्माण (22 प्रतिशत) बढ़ी है। इस वृद्धि से डेंटल सेक्टर में नौकरियों में आई कमी की कुछ भरपाई हो सकती है, जो पिछले तीन महीनों में 10.2 प्रतिशत कम हुई है। इसके अलावा, कृषि और वानिकी (8.6 प्रतिशत), सामुदायिक और सामाजिक सेवा (6.8 प्रतिशत) और सॉफ्टवेयर विकास (4.2 प्रतिशत) की कमी देखी गयी है। हालांकि हाल ही में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में अवसर कम हुए हैं, पर इनडीड पर यह सेक्टर सबसे अधिक नौकरियां पोस्ट करता है, हर पाँच भारतीय नौकरी की **पोस्टिंग में एक पोस्टिंग इसी सेक्टर की होती है।**

रूस सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक बना रहेगा : एफएओ

मॉस्को। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के आंकड़ों के अनुसार रूस कम से कम दो साल तक सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक देश बना रहेगा। रूस की संवाद समिति ने एफएओ के हवाले से कहा है कि चालू तथा अगले कृषि वर्ष के दौरान गेहूं के कुल वैश्विक निर्यात में रूस का योगदान 20 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना है। एफएओ की जारी रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 कृषि वर्ष में वैश्विक गेहूं निर्यात लगभग आठ प्रतिशत घटकर 19.33 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह चार साल के निर्यात का न्यूनतम स्तर होगा। संयुक्त राष्ट्र के इस संगठन के अनुसार अगले कृषि वर्ष में वैश्विक स्तर पर गेहूं का निर्यात में ज्यादा से ज्यादा 3.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20.06 करोड़ टन तक रहेगा। रिपोर्ट में एफएओ के विश्लेषकों ने लिखा है, "रूस दुनिया के सबसे बड़े गेहूं निर्यातक की अपनी स्थिति को बनाये रख सकता है।' संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, 2024-25 कृषि वर्ष में रूस से गेहूं का निर्यात 4.26 करोड़ टन होगा, जो पिछले तीन साल के उसके औसत वार्षिक निर्यात 4.20 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। अगले फसल वर्ष में यह बढ़कर 4.65 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार रूस विश्व के गेहूं बाजार में इन दो वर्षों में क्रमशः 22 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की आपूर्ति करेगा।

कीर्ति गणोरकर सन फार्मा के प्रबंध निदेशक नियुक्त

मुंबई। फार्मा कंपनी सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों ने श्री कीर्ति गणोरकर को प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी और वह श्री दिलीप सांघवी का स्थान लेंगे और पूरा कारोबार तथा सभी कार्य उन्हें रिपोर्ट करेंगे। यह नियुक्ति आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री सांघवी प्रबंध निदेशक के पद से हटाने जा रहे हैं। श्री सांघवी निदेशक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। श्री गणोरकर जून 2019 से सन फार्मा में भारत के कारोबार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में, कंपनी का भारत का कारोबार लगातार बढ़ा है, जिससे इसकी बाजार हिस्सेदारी में और वृद्धि हुई है। इससे पहले, उन्होंने सन फार्मा में व्यवसाय विकास, विपणन, एमएंडए, नए उत्पाद परिचय, परियोजना प्रबंधन, आईपी और मुकदमेबाजी में विभिन्न नेतृत्व भूमिकाएँ निभाई हैं। उन्होंने इलुम्या जैसे अभिनव उत्पादों के अधिकार हासिल करके सन फार्मा के स्पेशियलिटी क्षेत्र में प्रवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 7.55 प्रतिशत उछलकर 73.18 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 75.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

हैप्पी बर्थडे लक्ष्मी मित्तल : कॉमन मैन से ग्लोबल स्टील किंग बनने का सफर, मिल में ट्रेनी बनकर किया था कभी काम

एजेंसी
नई दिल्ली । स्टील बिजनेस का नाम लेने के साथ ही सबसे पहले जेहन में जो नाम आता है वह लक्ष्मी निवास मित्तल है। स्टील मिल चलाने वाले एक साधारण से व्यक्ति का बेटा, जो मिल में ट्रेनी के रूप में काम करता था आज स्टील किंग के नाम से दुनिया भर में मशहूर है। भारत में जन्मे मित्तल ने अपनी शिक्षा देश में ही पूरी की और आज अपने परिवार के साथ यूनाइटेड किंगडम में रहते हैं। एक समय में दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में आने वाले मित्तल का रविवार, 15 जून को 75वां जन्मदिन है। आइए जानते हैं, उनके कॉमन मैन से ग्लोबल स्टील किंग बनने का सफर... लक्ष्मी निवास मित्तल का जन्म 1950 में राजस्थान के सादुलपुर में हुआ था। 1960 के दशक में मित्तल का परिवार कोलकाता चला गया था, जहां उनके पिता एक स्टील मिल चलाते थे। मित्तल ने सेंट जेवियर्स कॉलेज में विज्ञान की पढ़ाई करते हुए मिल में काम किया। स्नातक के बाद उन्होंने मिल में ट्रेनी के रूप में काम किया।

वे 1976 में इंडोनेशिया चले गए थे, जहां उन्होंने एक छोटी स्टील कंपनी स्थापित की, जिसे आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील निर्माता कंपनी आर्सेलर मित्तल के नाम से जाना जाता है।2004 में इस्पात इंटरनेशनल और एलएनएम होल्डिंग्स के मर्जर और इंटरनेशनल स्टील ग्रुप के एक साथ अधिग्रहण के बाद मित्तल स्टील की स्थापना की गई। इसके तुरंत बाद, 2006 में, मित्तल स्टील ने आर्सेलर के साथ विलय के लिए एक बोली शुरू की, जिससे आर्सेलर मित्तल का निर्माण हुआ। स्टील डेवलपमेंट को लेकर उन्हें कई अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। 1996 में उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यू स्टील द्वारा 'स्टीलमेकर ऑफ द ईयर' और 1998 में ग्लोबल स्टील डेवलपमेंट में उद्यमशीलता, नेतृत्व और सफलता के लिए वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स द्वारा 'विली कोर्फ स्टील विजन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें उनकी उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए 2004 में फॉर्च्यून पत्रिका के 'यूरोपियन बिजनेसमैन ऑफ द ईयर' और संडे टाइम्स द्वारा 'बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर', टाइम पत्रिका द्वारा 'इंटरनेशनल न्यूजमेकर ऑफ द ईयर' नामित किया गया था। 2006 में फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा उन्हें 'पर्सन ऑफ द ईयर' नामित किया गया था। जनवरी 2007 में, मित्तल को किंग्स कॉलेज लंदन से फेलोशिप प्रदान की गई, जो कॉलेज का सर्वोच्च पुरस्कार है। जनवरी 2008 में, मित्तल को भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। मित्तल की पहचान आज एक प्रसिद्ध वैश्विक व्यवसायी के रूप में होती है और वे विभिन्न सलाहकार परिषदों के बोर्ड में कार्यरत हैं। इसके अलावा, वे शिक्षा और बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय परोपकारी व्यक्ति हैं। आर्सेलर मित्तल में अपनी भूमिका के अलावा मित्तल विभिन्न बोर्डों और सलाहकार परिषदों के सक्रिय भागीदार हैं। वे एएफए के बोर्ड के अध्यक्ष और गोल्डमैन सैक्स के बोर्ड के सदस्य हैं। लक्ष्मी एन. मित्तल फरवरी 2021 में आर्सेलर मित्तल के कार्यकारी अध्यक्ष बने। इससे पहले वे आर्सेलर मित्तल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे।

एसबीआई ने लोन दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की, नई दरें 15 जून से प्रभावी

एजेंसी
नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में संशोधन के करने के बाद कई बैंकों ने अपने लेंडिंग रेट में कटौती की है। इसी कड़ी में देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी प्रमुख लोन दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। नई दरें 15 जून से लागू होंगी। स्टेट बैंक ने जारी बयान में बताया कि लोन की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो जाएगा। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना आधार 7.50 फीसदी से शुरू होगी। ये नई दरें 15 जून, 2025 से प्रभावी होंगी। इस कटौती के बाद एसबीआई होम लोन की ब्याज दर उधारकर्ता के सिबिल स्कोर के आधार पर 7.50 फीसदी से 8.45 फीसदी तक होगी। एसबीआई होम लोन मैक्सगेन ओडी ब्याज दर 7.75 फीसदी से 8.70 फीसदी के बीच है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन के लिए ब्याज दर 8 फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच है। इससे पहले यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.50 फीसदी तक घटाई है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बैंक है। रेपो दर में कटौती से विभिन्न ऋण-लिंक्ड बेंचमार्क प्रभावित होते हैं, जिनमें बाहरी बेंचमार्क दर (ईबीआर), बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) और रेपो लिंक्ड उधार दर (आरएलएलआर) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रेपो रेट में कटौती करने से बैंकों को केंद्रीय बैंक से कम ब्याज दरों पर लोन मिलता है, जिसके चलते बैंक ग्राहकों को होम लोन सस्ती दरों पर देते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.50 फीसदी पर आ गई है।

हमारी अर्थव्यवस्था विश्वास-आधारित शासन के साथ नई ऊंचाइयों को छू सकती है : निर्मला सीतारमण

एजेंसी
नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत पिछले 11 वर्षों में स्ट्रक्चरल सुधारों ने भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को नया आकार दिया है। वित्त मंत्री ने एक मीडिया आर्टिकल में लिखा कि भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना कई अनुकूल कारकों पर आधारित है। साथ ही यह अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे बैंकों, कॉरपोरेट्स, परिवारों, सरकार और एक्सटर्नल सेक्टर की बैलेंस शीट को मजबूत करने के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। वित्त मंत्री सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'पिछले 11 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का 'ट्विन डेफिसिट प्रॉब्लम से फाइव-बैलेंस शीट लाभ' तक परिवर्तन पीएम मोदी के नेतृत्व में ठोस नीतिगत प्रयासों का परिणाम है।॰उन्होंने आगे कहा कि 'जब हम मदद मिल सके।'वित्त मंत्री ने अपने आर्टिकल में बताया कि वित्त वर्ष

2014 में सत्ता में आए तो हमारी सबसे पहली प्राथमिकता विकास को पुनर्जीवित करना था। जीएसटी, आईबीसी, आईआरए और महामारी के वर्षों के दौरान, पीएलआई योजना और ईसीएलजीएस जैसे संरचनात्मक सुधार पेश किए गए, ताकि क्रेडिट-योग्य एमएसएमई को कोरोना से उबरने में 2013-14 में पूंजी निवेश जीडीपी के 1.7 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 3.2 प्रतिशत हो गया। 11 वर्षों में, 88 हवाई अड्डों का संचालन किया गया, 31,000 किलोमीटर रेल पटरियां बिछाई गईं, मेट्रो नेटवर्क का चार गुना से अधिक विस्तार किया गया।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव ने मार्सिले में सीएमए सीजीएम नेतृत्व से मुलाकात की

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के बढ़ते समुद्री क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सचिव टीके रामचंद्रन ने फ्रांस के मार्सिले में सीएमए सीजीएम के वैश्विक मुख्यालय का दौरा किया। मंत्रालय के अनुसार यह दौरा इस साल फरवरी में फ्रांस के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीएमए सीजीएम के साथ ऐतिहासिक बातचीत के सिलसिले में हुआ। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान सचिव टीके रामचंद्रन ने सीएमए सीजीएम समूह के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। रामचंद्रन ने उनको नौवहन, जहाज निर्माण, कंटेनर टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और समुद्री औद्योगिक क्षमताओं में भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और संचालन के बारे में जानकारी दी गई। सीएमए सीजीएम नेतृत्व ने फरवरी से अबतक अपनी भारत रणनीति के तहत पांच प्रमुख स्तंभों, भारतीय ध्वज वाले बेड़े का विस्तार, जहाज निर्माण सहयोग, अंतर्देशीय रसद विकास, समुद्री औद्योगिक निवेश और नवाचार में हुई

प्रगति के बारे में बताया। मंत्रालय ने बताया कि अपनी नौवहन पहलों के भाग के रूप में सीएमए सीजीएम ने अपने पहले भारतीय ध्वज वाले जहाजों सीसी विटोरिया और सीसी मनौस को हरी झंडी दिखाई है। इसके साथ ही गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक नई भारतीय नौवहन इकाई की स्थापना की है। इसके अलावा जहाज निर्माण में समूह एलएनजी-संचालित कंटेनर जहाजों के लिए भारतीय जहाज निर्माण संस्थाओं के साथ आगे चर्चा कर रहा है, जबकि प्रमुख बंदरगाह और अंतर्देशीय बुनियादी ढांचे में निवेश प्रगति पर है, जिसमें न्हावा शेवा फ्रीपोर्ट टर्मिनल के विस्तार के लिए 200 मिलियन डॉलर और वधावन पोर्ट परियोजना में भागीदारी शामिल है। उल्लेखनीय है कि सीएमए सीजीएम वर्तमान में भारत में 2,200 से अधिक डिजिटल पेशेवरों को रोजगार दे रहा है।

विदेशी निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346 करोड़ रुपए से अधिक का किया निवेश

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और इसी के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक और जहां वैश्विक कारक बाजार की

गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है। 6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ। हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

एसबीआई लाइफ ने विमान हादसे के पीड़ितों के दावा प्रक्रिया को सरल बनाया

एजेंसी
मुंबई। जीवन बीमा कंपनी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अहमदाबाद में हुए दुखद एआई 171 विमान हादसे के पीड़ितों के परिवारों की सहायता के लिए दावा प्रक्रिया को सरल बनाया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ऐसी स्थितियों में प्रक्रियात्मक चुनौतियों से उत्पन्न होने वाले भारी भावनात्मक तनाव को समझते हुए, एसबीआई लाइफ ने तेजी से वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाया है। एसबीआई लाइफ दावेदार से मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर जोर नहीं देगी। एसबीआई लाइफ आधिकारिक सरकारी रिकॉर्ड या सरकारी पोर्टल, नगर निगम के रिकॉर्ड या ई-गवर्नेंस डेटाबेस से मृत्यु के प्रमाण को मृत्यु के प्रमाण के रूप में मानेगी। क्लेम फॉर्म, पॉलिसी दस्तावेज और केवाईसी और नामांकित व्यक्ति के बैंक खाते के विवरण जैसे न्यूनतम दस्तावेजों के साथ दावा किया जा सकता है। इसके अलावा, परिवार के सदस्य किसी भी दावे के लिए एसबीआई लाइफ के

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

टोल फ्री नंबर 1800 267 9090 पर भी कॉल कर सकते हैं। कंपनी ने कहा, एसबीआई लाइफ में हम इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। गहरे नुकसान के इन क्षणों में, हमारी प्राथमिकता करुणापूर्वक एक त्वरित और सरलीकृत दावा निपटान अनुभव सुनिश्चित करना है।

बोइंग 737 पर सुरक्षा जांच के कारण एयर इंडिया की लंबी दूरी की उड़ानों में देरी संभव

एजेंसी
नई दिल्ली। टाटा की अगुआई वाली एयर इंडिया ने कहा कि आने वाले दिनों में उसकी कुछ लंबी दूरी की उड़ानों में देरी हो सकती है, क्योंकि एयरलाइन अपने बोइंग 787 विमानों पर सुरक्षा जांच की एक श्रृंखला चला रही है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आदेश के अनुसार एयर इंडिया ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों का एक बार निरीक्षण शुरू किया, नौ विमानों की जांच पूरी हो चुकी है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने 'एक्स' पोस्ट में बताया कि भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए के निर्देशित एक बार की सुरक्षा जांच पूरी करने की प्रक्रिया में है। ये जांच प्रक्रिया एयर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े पर की जा रही है, क्योंकि वे भारत लौट रहे हैं। ऐसी जांच पूरी कर ली है। नियामक के द्वारा दी गई समय-सीमा के भीतर शेष 24 विमानों के लिए इस

उसके बाद उन्हें अगले परिचालन के लिए मंजूरी दी जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि एयर इंडिया ने बोइंग 787 विमानों में से नौ पर प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। इनमें से कुछ जांचों के कारण कुछ लंबी दूरी के मार्गों पर अधिक समय लग सकता है और संभावित देरी हो सकती है, खासकर उन हवाई अड्डों पर जहां परिचालन कर्फ्यू है। प्रवक्ता ने बताया कि ग्राहकों को किसी भी देरी के बारे में विधिवत सूचित किया जाएगा। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले http://airindia.com/in/en/manage/flight-status.html पर अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच करें। एयर इंडिया ने कहा कि इस व्यवधान से प्रभावित ग्राहकों के लिए, रद्दीकरण पर रिफंड या मानार्थ पुनर्निर्धारण की पेशकश की जा रही है, जो इसे चुनते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने बोइंग 737 विमानों की व्यापक निगरानी के आदेश दिए हैं।

भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में दक्षिणी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ता संरक्षण पर महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ाना और पूरे क्षेत्र में संस्थागत दक्षता में सुधार करना था। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि 13 जून को आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विभाग की सचिव निधि खरे ने उपभोक्ता मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आधुनिक कानूनी ढांचे और डिजिटल उपकरणों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने उपभोक्ता शिकायतों से निपटने में उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए दक्षिणी राज्यों की प्रशंसा भी की। निधि खरे ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल युग में अनुकूल कानूनी और डिजिटल तंत्र की आवश्यकता है। उन्होंने राष्ट्र दू रिपेयर पोर्टल, ई-जागृति और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को मजबूत बनाने जैसी पहलों के महत्व को रेखांकित किया। यह मुकदमेबाजी से पहले उपभोक्ता शिकायतों के निवारण का त्वरित, परेशानी मुक्त और सस्ता तरीका है।उन्होंने ने बताया कि 2025 में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 5.41 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 23 फीसदी दक्षिणी राज्यों से थीं, जो मजबूत क्षेत्रीय भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज 28.54 लाख मामलों में से केवल 5.62 लाख मामले लंबित हैं जिनमें दक्षिणी राज्यों का हिस्सा केवल 13.34 फीसदी है। उन्होंने दक्षिणी क्षेत्र के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि कर्नाटक और केरल आयोगों ने दर्ज मामलों की तुलना में अधिक मामलों का निपटारा किया और कई जिला आयोगों ने लगातार तीन वर्षों तक 100 फीसदी से अधिक मामले निपटाए। वर्चुअल कोर्ट के माध्यम से 11,900 से अधिक मामलों की सुनवाई की गई। इसके अलावा भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के अपर सचिव भरत खेड़ा ने नैतिक व्यापार में भारत की ऐतिहासिक जड़ों और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बताया। तमिलनाडु सरकार के सहकारिता, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव थिरु सत्यब्रत साहू ने उपभोक्ता संरक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और न्याय सुनिश्चित करने में नीति निर्माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी
नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन और अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, वनस्पति तेल और सरसों तेल के भाव पिछले दिवस पर पड़े रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में भी टिकाव देखा गया। इस दौरान मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल, चना, चना दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:-

दाल-दलहन : चना 5700-5900, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9300-9400, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

मनोहर लाल ने फतेहाबाद परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

एजेंसी
नई दिल्ली/चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के फतेहाबाद जिले में परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ फतेहाबाद स्थित उत्तर भारत के पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र गोरखपुर हरियाणा परमाणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) की प्रगति की समीक्षा की। विद्युत मंत्रालय ने की तरफ से बताया गया है कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा कार्यान्वित की जा रही परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) का दौरा किया। इस परियोजना में 4×700 मेगावाट क्षमता के दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित करना शामिल है। इस

अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एनपीसीआईएल के प्रयासों की सराहना की और देश के भविष्य के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वसनीय ऊर्जा प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा के महत्व को दोहराया। मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने पर उत्पादित बिजली का 50 फीसदी हरियाणा राज्य को आवंटित किया जाएगा, जिससे राज्य की ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मनोहर लाल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा, यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल हरियाणा और उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा समाधानों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगी। मंत्री ने कहा कि जीएचएवीपी जैसी परियोजनाएं भारत को 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना भारत को परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) में 700 मेगावाट के चार पीएचडब्ल्यूआर (प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर) शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत 41,594 करोड़ रुपये है।

गर्मियों में बटर येलो कलर कर रहा ट्रेंड! अंबानी की छोटी बहू भी दिखी इस रंग में, नो मेकअप लुक में खूबसूरत लगी

राधिका मर्चेंट

गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। तेज गर्मी से लोगों को लू लगने का खतरा जाता है। वहीं गर्मी के मौसम में हर किसी को एथनिक वियर पहनना चुनौतीपूर्ण लगता है? अगर हां, तो राधिका मर्चेंट के हालिया बटर येलो सूट सेट से आप प्रेरणा ले सकती हैं।

गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। तेज गर्मी से लोगों को लू लगने का खतरा जाता है। वहीं गर्मी के मौसम में हर किसी को एथनिक वियर पहनना चुनौतीपूर्ण लगता है? अगर हां, तो राधिका मर्चेंट के हालिया बटर येलो सूट सेट से आप प्रेरणा ले सकती हैं।

दरअसल, गुजरात के जामनगर में ITRA की यात्रा के दौरान राधिका ने सादगी भरा और ट्रेंडी लुक अपनाया, जो हर महिला के लिए एक प्रेरणा है। इस मौके पर उन्होंने बटर येलो रंग का हल्का कॉटन फैब्रिक और डेलिकेट एम्ब्रॉयडरी वाला सूट पहना था जो गर्मी के लिए एक परफेक्ट आउटफिट है।

11 दिन बाद दीपिका कक्कड़ को अस्पताल से मिली छुट्टी, पति शोएब ने बताया अब कैसी है हालत?

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ फिलहाल अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. पिछले महीने पता चला कि एक्ट्रेस को स्टेज 2 का लीवर कैंसर है. इलाज के दौरान डॉक्टर्स को उनकी सर्जरी करनी पड़ी थी, जो करीब 14 घंटे तक चली थी. दीपिका के पति और एक्टर शोएब इब्राहिम उनके साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं. शोएब लगातार दीपिका की हेल्थ अपडेट अपने व्लॉग के जरिए सभी के साथ शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं. अब अपने नए व्लॉग में एक्टर ने बताया है कि दीपिका को अस्पताल से डिस्टार्ज कर दिया गया है.

शोएब ने दीपिका की हेल्थ से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां भी सभी के साथ शेयर की हैं. एक्टर ने कहा कि दीपिका अब ठीक हैं और वो घर आ गई हैं. 11 दिन बाद उन्हें छुट्टी मिल गई है. शोएब ने कहा, पिछले कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद मुश्किल रहे हैं, लेकिन लोगों की दुआओं और समर्थन के लिए आभारी हूं. इसके अलावा दोनों ने डॉक्टर्स को थैंक्स का कहा है. घर पहुंचने के बाद दीपिका और शोएब ने पिछले 11 दिनों को लेकर बात की है.

अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख

दीपिका ने हर उस शख्स का शुक्रियाअदा किया है, जिन्होंने उनके लिए दुआ की है. वहीं शोएब ने कहा कि चाहे कितनी भी नेगेटिविटी हो जाए यूट्यूब पर लेकिन प्यार बहुत है. लोगों की दुआएं बहुत हैं, ये चीज मुझे एहसास हुई है. शोएब ने ये भी बताया कि उन्होंने अपने व्लॉक को एक दिन लेट इसलिए डाला है, क्योंकि अहमदाबाद में जो विमान हादसा हुआ है, वो काफी दुखद था. उन्होंने कहा कि एक खुशी थी कि 11 दिन बाद दीपिका घर आ रही हैं, लेकिन 242 लोगों की मौत ने उसे गम में बदल दिया.

एक महीने पहले खुद दी थी कैंसर की जानकारी

दीपिका को एक हफ्ते बाद फिर से अस्पताल बुलाया है. दीपिका और शोएब ने सभी को अपने परिवार के साथ अच्छे से रहने की सलाह दी. बता दें, दीपिका ने खुद अपने फैन्स को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कैंसर की जानकारी दी थी. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था कि पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द के बाद जब वो अस्पताल जांच के लिए गईं तो डॉक्टरों को लीवर में टेनिस बॉल के आकार का ट्यूमर मिला, जो स्टेज 2 का कैंसर निकला. इस खबर के सामने आने के बाद तमाम फैन्स ने दीपिका को हिम्मत दी और उनके लिए प्रार्थना भी की.